

त्यौहारों को भाईचारे के साथ मनाने के निर्देश



◉ क्षेत्राधिकारी एवं उप जिलाधिकारी कुलपहाड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गयी पीस कमेटी की बैठक

अवधनामा संवाददाता

महोबा। क्षेत्राधिकारी कुलपहाड़ रविकान्त गोंड एवं उप जिलाधिकारी कुलपहाड़ प्रदीप कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में थाना कुलपहाड़ जनपद महोबा में शुक्रवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विशेष रूप से दुर्गा पूजा व दशहरा पर्व के महेनजर दुर्गा प्रतिमा स्थापित करने वाले आयोजकों सहित गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं एवं मोहल्लेवासियों की उपस्थिति रही। त्योहारों को शान्तिपूर्ण व भाईचारे के वातावरण में सम्पन्न कराने के लिए सभी

सेवा पखवारा में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

अवधनामा संवाददाता, चरखारी। देश के प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के मौके पर शुरू हुए सेवा पखवारा के दिन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित ब्लड डोनेट शिविर में नगर अध्यक्ष भाजपा इंजी. अमित पटैरिया के नेतृत्व में इंजी. अमित पटैरिया' सरमन कुशवाहा' दीपक सिंह गौतम' पंकज त्रिपाठी' योगेन्द्र दीक्षित' दिव्यांश तिवारी ने ब्लड डोनेट किया।

शिविर के दौरान भाजपा नेता योगेश मिश्रा अनिल सोनी' मनोज द्विदी सहित भार संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर नगर अध्यक्ष पटैरिया ने कहा कि एक स्वस्थ व्यक्ति को रक्तदान के लिए हमेशा आगे रहना चाहिए क्योंकि उनके दान का भावनाएं भड़काने वाले तत्वों पर कठोर असहाय व गरीब की जान को बचा सकता है साथ ही उन्होंने कहा बहुत से लोगों में ये भ्रम होता है कि रक्तदान से कमजोरी होती है लेकिन चिकित्सकों का मानना है कि रक्तदान से कोई कमजोरी नहीं आती बल्कि रक्त बनने की प्रक्रिया में तेजी आती है। रक्तदान करने से व्यक्ति स्वस्थ होता है।

अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में छात्रों ने विभिन्न विषयों पर लिखे निबंध



अवधनामा संवाददाता

महोबा। शहर के आल्हा चौराहा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शुक्रवार को संस्कृति बौध परियोजना के तहत अखिल भारतीय छात्र निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और निर्धारित विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

प्रधानाचार्य कमलेश सिंह ने बताया कि बाल वर्ग (कक्षा 6-7-8) के लिए महाकुंभ का पौराणिक व सांस्कृतिक महत्व, किशोर वर्ग (कक्षा 9-10) के लिए महाकुंभ के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन तथा तरुण वर्ग (कक्षा 11-12) के लिए महाकुंभ राष्ट्रीय एकता का

प्रतीक पर्व विषय निर्धारित किए गए थे। विद्यार्थियों ने इन विषयों पर गहन अध्ययन के साथ अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम प्रमुख सौरभ त्रिवेदी ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में छात्रों ने अपनी मौलिकता, अभिव्यक्ति और लेखन कौशल का प्रदर्शन किया।

चर्यानित निबंधों को प्रांत स्तर की प्रतियोगिता के लिए प्रांतीय समिति कार्यालय भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में लेखन कला के साथ-साथ चिंतनशीलता और सांस्कृतिक चेतना भी विकसित करती हैं। प्रतियोगिता को सफल बनाने में विद्यालय के सभी आचार्यगण और आचार्या बहनों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

ओवर टाइम की मजदूरी मांगने पर 11 मजदूरों को मैनेजर ने निकाला



अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। सहजनवा गौड़ा सेक्टर 26 में बेस्ट टू एनर्जी फैक्ट्री में तैनात 11 श्रमिकों द्वारा ओवर टाइम की मजदूरी मांगने पर मैनेजर ने इन्हें फैक्ट्री से निकाल दिया। जिससे नाराज श्रमिकों ने फैक्ट्री गेट के सामने नाराजगी जाहिर करते हुए फैक्ट्री प्रबंध तंत्र के खिलाफ प्रदर्शन किया। श्रमिकों ने आरोप लगाया है कि पीईएस ईंजिनियर्स प्राइवेट लिमिटेड हैदराबाद प्रबंध तंत्र द्वारा श्रमिकों को कोई वेज रिलीफ,आईडी,नहीं दिया

जाता। और न ही उस्थित रजिस्टर पर हस्ताक्षर कराया जाता। श्रमिकों से ओवर टाइम कार्य लेने के बाद उन्हें को अतिरिक्त मजदूरी नहीं दी जाती है। और श्रमिकों से 8 घंटे ड्यूटी के बजाय 12 से 36 घंटे काम लिया जाता है। लेकिन श्रमिकों को अतिरिक्त मजदूरी नहीं दी जाती है। विरोध करने पर प्रबंध तंत्र ने शुक्रवार को 11 श्रमिकों को बाहर कर दिया। जिससे मजदूर भुखमरी के कारगर पर खड़े है। प्रदर्शन करने वालों में राजकुमार सिंह,महेन्द्र कुमार,चंद्रशेखर यादव, शनि शर्मा, गुलशन यादव, प्रदीप धर दुबे, कृपाल मौजूद थे।

विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए मण्डलायुक्त ने की कड़ी समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। मंडलायुक्त संगीता सिंह की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में आयोजित मण्डलीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जल जीवन मिशन योजना की प्रगति पर मंडलायुक्त ने कड़ी नाराजगी प्रकट की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य अवधि में किसी भी प्रकार की वृद्धि नहीं की जाएगी। शिकायतें लगातार मिल रही हैं, परन्तु सुधार न होना गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यों की गति तेज करें और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण परिणाम सुनिश्चित करें।

बैठक में पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा के दौरान कासगंज की स्थिति असंतोषजनक पाई गई, जबकि अन्य तीन जिलों ने संतोषजनक प्रगति दर्ज की। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एय और हाथरस को ए श्रेणी

◉ ऑपरेशन कायाकल्प : 6000 से अधिक विद्यालयों की वाहटेदौवारी पूर्ण

में, कासगंज को बी एवं अलीगढ़ को सी श्रेणी में रखा गया। फैमिली आईडी योजना में कासगंज में 31 प्रतिशत कार्य हुआ जबकि अन्य तीन जिलों ने 55 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि हासिल की। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि 15वें वित्त आयोग से ग्राम पंचायतों में उपलब्ध धनराशि का सदुपयोग जनहित के विकास कार्यों में प्राथमिकता से किया जाए। सेतु निर्माण कार्यों के लिए शासन से धन उपलब्ध हो चुका है, जिसे समयबद्ध उपयोग में लाया जाए। रामघाट-कल्याण मार्ग के फोरलेन निर्माण कार्य में आ रहे व्यवधानों को जल्द दूर कर कार्य आरंभ करने के निर्देश दिए। बताया कि वह शीघ्र ही जट्टरी-पिसावा नई सड़क का निरीक्षण करेंगी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पूरे मण्डल में एक साथ सड़कों की स्वीकृति हुई थी तो कुछ जिलों की प्रगति बेहतर और कुछ की धीमी क्यों रही।

गोरखपुर में घायल पशु तस्कर की मौत

अवधनामा संवाददाता, गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती पशु तस्कर की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई है। पशु तस्कर की पहचान बिहार गोपालगंज के 21 साल के अजहर उर्फ अजब हुसैन के रूप में हुई।

15 सितंबर को महुआचापी गांव के लोगों ने अजहर को दौड़ाकर पकड़ा था। नीट छत्र 17 साल के दीपक गुप्ता की हत्या के बाद नाराज ग्रामीणों ने पशु तस्कर पर ईट-पत्थर से हमला कर दिया था। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस दौरान पुलिस से भी ग्रामीणों की हाथापई हो गई थी। जिसमें एसपी नार्थ समेत चार पुलिस कर्मी घायल हो गए थे। इस घटना के बाद अजहर को पुलिस ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था। जहां उसका आईसीयू में इलाज जारी था। शुक्रवार को इलाज के दौरान सुबह 10:37 बजे उसने दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलने पर बीआरडी मेडिकल कॉलेज थाने की पुलिस व अधिकारी पहुंचे। उसके शव को मोर्चरी में रखवाया गया है।

जिलाधिकारी एवं सांसद द्वारा ओपन जिम का लोकार्पण किया गया



अल्लाफ उल्लह खान संवाददाता

फर्रुखाबाद। सांसद मुकेश राजपूत व जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 से जिला ग्राम्य विकास अभिकरण फर्रुखाबाद में स्थापित ओपन जिम का लोकार्पण किया गया, ओपन जिम में जनता के इस्तेमाल के लिए साईकिल रोअर,बोनी राइडर, क्रॉस ट्रेनर, एयर वाकर, आम व्हील, एडोमिनल बोर्ड एवं चेस्ट एवं सोल्डर प्रेस उपकरण के साथ कास्ट आयरन को दो बैच

एनडीआरएफ ने सदर तहसील में केमिकल आपदा परिदृश्य पर किया संयुक्त मॉक अभ्यास

अवधनामा संवाददाता

महोबा। शुक्रवार को अपर जिलाधिकारी कुंवर पंकज वि/रा) के अध्यक्षता में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन योजना के तहत 11 राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र, लखनऊ की टीम द्वारा जिला महोबा (उत्तर प्रदेश) के सदर तहसील में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्वास्थ्य, पुलिस, राजस्व, अग्निशमन सेवा तथा अन्यहितधारकों के साथ मिलकर केमिकल इमर्जेंसी (CBRN) आपदा पर संयुक्त मॉक अभ्यास किया गया। CBRN Emergency आपदा पर एक परिदृश्य तैयार किया गया था, जिसमें तहसील सदर परिसर में एक केमिकल टैंकर से सिल्विल बस के टक्कर से टैंकर से क्लोरोन गैस के रिसाव होने के कारण 30/40 लोगों के प्रभावित व फंसे गए थे। तदनुसार, ईओसी को घटना के बारे में सूचित किया गया। जिसने एनडीआरएफ के नियंत्रण कक्ष एवं सभी संबंधित हितधारकों को



आपात प्रतिक्रिया के लिए सूचित किया।

11 एनडीआरएफ, क्षेत्रीय प्रतिक्रिया केंद्र, लखनऊ की टीम ने अनिल कुमार पाल, उप कमांडेंट कि देखरेख में एवं निरीक्षक सभाजीत यादव के नेतृत्व में घटना स्थल पर पहुंचने पर प्रारंभिक आकलन किया तथा ऑपरेशन बेस, कमांड पोस्ट, मेडिकल पोस्ट, कम्प्युनिकेशन पोस्ट स्थापित किए। आकलन के तुरंत बाद टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया तथा विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके गंभीर रूप से फंसे पीड़ितों को बचाया। पीड़ितों को अस्पताल पूर्व उपचार देने के बाद मेडिकल एजेंसियों द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। यह पूरा मॉक अभ्यास ईसिडेंट रिस्पांस सिस्टम

के दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया गया था और पूरी प्रक्रिया का पालन किया गया।

इस मॉक अभ्यास को दिवाकर मिश्रा (तहसीलदार सदर) के निर्देशन में एवं आपदा विशेषज्ञ प्रीति सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी नायब तहसीलदार विवेक तोमर , जिला राजीव कुमार, महेन्द्र कुमार उपनिरीक्षक अग्नि शमन सोभित कुमार मनिर अवस्थी आदि की मौजूदगी में आयोजित किया गया तथा अन्य हितधारकों में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, स्वास्थ्य, होमगार्ड, पुलिस, राजस्व, अग्निशमन सेवा, पशुपालन विभाग, सिंचाई विभाग, तथा मीडिया कर्मियों एवं आपदा मित्रों ने भाग लिया।

अधिवक्ताओं ने लगाई न्याय की गुहार, एडीसीपी समेत कई पुलिसकर्मियों के खिलाफ पड़ी याचिका

◉ अधिवक्ता राघवेंद्र नारायण दुबे ने बीएनएसएस की धारा 173 (4) के तहत कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया

अवधनामा ब्यूरो

वाराणसी। कैट थाना अंतर्गत कचहरी परिसर में पिछले दिनों अधिवक्ता पुलिस विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले में शुक्रवार को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में एडीसीपी नीतू कात्यान, एसीपी क्राइम विद्युष सक्सेना, एसीपी कैट नितिन तनेजा, थाना प्रभारी कैट शिवाकांत मिश्र समेत 50 अज्ञात दरोगा व 50 अज्ञात सिपाही के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश के लिए अर्जी दी गई है।

अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 20 सितंबर 2025



लाठी डंडे से मारपीट रहे है। इसकी सूचना जिला जज को देने के बाद मौके पर पहुंचा तो देखा,कि गेट पर एडीसीपी नीतू कात्यान व कैट थाना प्रभारी शिवाकांत मिश्र गेट का ताला बंद कर दिए। पुलिस कमिश्नर से वार्ता के बाद करीब 40 मिनट के बाद गेट खोला गया। इस दौरान चौकी प्रभारी व थाना प्रभारी मिलकर वकीलों पर ईंट पत्थर चला रहे थे। साथ ही अधिवक्ताओं व न्यायिक अधिकारियों का गालियां दे रहे थे। उसी समय नितिन तनेजा, एसीपी क्राइम विदुल सक्सेना, एडीसीपी नीतू कात्यान सहित 50 अज्ञात दरोगा और 50 अज्ञात सिपाही मिलकर अधिवक्ताओं व न्यायिक अधिकारियों को गालियां दे रहे थे। इस मामले की लिखित सूचना अगले दिन 17 सितंबर को पुलिस कमिश्नर को दी गई, जब वहा से कोई कार्यवाही नहीं हुई तो अधिवक्ता ने न्यायालय की शरण ली।

आबकारी विभाग द्वारा शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया

अता उल्लाह खान संवाददाता, फर्रुखाबाद। आबकारी आयुक्त, उ0प्र0 के आदेश एवं जिलाधिकारी, फर्रुखाबाद के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी फर्रुखाबाद श्री जी0पी0गुप्ता के पर्यवेक्षण में प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आज दिनांक 18/09/2025 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-2 सुधांशु चौधरी द्वारा मय स्टॉफ क्षेत्रांतर्गत आबकारी दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। स्टॉक रजिस्टर, pos से बिक्री, online Payment, CCTV कैमरा का परीक्षण किया गया। विक्रेताओं को मॉर्टरा की बिक्री शत प्रतिशत पोस मशीन से करने हेतु कठोर निर्देश दिए गए।जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण/बिक्री/परिवहन की रोकथाम हेतु प्रवर्तन कार्य निरंतर जारी रहेगा।

ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा 40 ट्रकों का काटा गया चालान



अवधनामा ब्यूरो, वाराणसी। ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा आज शुक्रवार को डाफी टोल प्लाजा से मोहन सराय राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 19 पर रोड के किनारे स्थित डबो पर भारी वाहनों (ट्रकों) के खड़ी होने के कारण लगने वाले जाम की शिकायत पर कार्यवाही करते हुए लगभग 40 ट्रकों का चालान किया गया। यह चेकिंग अभियान एम0एच0ए0आई0 ट्रैफिक पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान के तहत किया गया। बताया गया कि,यह चालान नो पार्किंग व अन्य अभियोगों में किया गया।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने प्रधान की कार में मारी टक्कर हालत गंभीर

गोरखपुर। सहजनवा हरपुर बुदहद थाना क्षेत्र के अनंतपुर चौराहे पर बृहस्पतिवार को अनियंत्रित ट्रैक्टर ने कार में ठोकर मार कर पलट गया। हादसे में कार में सवार क्षेत्र के दो प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रधान ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ थाने में तहरीर दिया है। मिली जानकारी से थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रानीडीह के प्रधान गंगा प्रसाद और पिपराहेमा के प्रधान उमेश यादव की जरूरी काम से गोरखपुर गए हुए थे। कार्य निपटने के बाद दोनों घर के लिए निकले। कार को प्रधान गंगा प्रसाद चला रहे थे। जैसे ही वह अनंतपुर चौराहे पर पहुंचे तो विपरीत दिशा से आ रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने कार में ठोकर मार दिया। ठोकर इतना तेज था कि ट्रैक्टर विपरीत दिशा में जाकर गढ़ने में गिर गया। हादसे में दोनों प्रधान गंभीर रूप से घायल हो गए। जिसे ग्रामीणों ने तत्काल एक निजी अस्पताल ले ले जाकर इलाज कराया। जहां दोनों प्रधान की हालत गंभीर बनी हुई है।

सफाई अभियान के महेनजर पुलिस लाइन में शत्रु हैडलिंग व शत्रुओं की साफ-सफाई की गई

अवधनामा संवाददाता महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देश में आगामी त्यौहारों को शान्तिपूर्ण एवं सुस्थित वातावरण में सम्पन्न करए जाने को रिजर्व पुलिस लाइन में आरआई शिवकुमार के निकट पर्यवेक्षण में शत्रुओं की साफ-सफाई एवं रख-रखाव का विशेष अभियान संचालित किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं पुलिस बल के जवानों द्वारा सक्रिय भागीदारी करते हुए शत्रुओं की तकनीकी जाँच, सफाई तथा रख-रखाव सुनिश्चित किया गया। इस विशेष अभियान का उद्देश्य त्यौहारों के दौरान सुरक्षा प्रबंधों को और अधिक सुदृढ़ बनाना एवं जनपद में शान्ति व्यवस्था बनाए रखना है। पुलिस पूर्णतः सजग एवं सतर्क रहते हुए जनपदवासियों की सुरक्षा के प्रति कृतसंकल्पित है।

बाराबंकी /अयोध्या/महराजगंज/बरेली

ओवर ब्रिज के नीचे सुंदरीकरण व पार्किंग की व्यवस्था



अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जनाना अस्पताल मार्ग पर स्थित रेनु मेमोरियल ऑर्थो सेंटर के बगल गली के मुहाने पर सुबह के 7ः00 बजे नगर निगम के कर्मचारी व अधिकारी एकत्र थे। इसी बीच महापौर महंत गिरिशपति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार पहुंचे। यहां से उपसभापति राजेश गौड़, पार्षद हरिशंद्र, अनिल सिंह, केंद्रीय दुर्गा पूजा के सुप्रीत कपूर, भाजपा कोषाध्यक्ष बुजेंद्र जायसवाल आदि के साथ शुरु हुआ पैदल ध्रमण कर निरीक्षण का सिलसिला। गली की ओर मुड़ते ही जल भराव की समस्या सामने आई। सुप्रीत कपूर ने बताया कि पुलिस लाइन का पानी इधर आने से बरसात के दौरान रास्ते में दो फीट

पानी भर जाता है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है। यहां पूछताछ में लोगों ने बताया कि अस्पताल के बगल से आने वाले नाले पर अतिक्रमण होने से जल भराव की समस्या हो रही है। नगर आयुक्त ने सफाई के महेनजर जांच कर अतिक्रमण हटाने एवं अस्पताल की बाउंड्री पर गेट लगाने का निर्देश दिया। %नगर की सरकार आपके द्वार% मुहिम के तहत किए गए निरीक्षण में सफाई कमी झूठी पर मुस्तेद दिखे। ऋषि टोला से चौक-फतेहगंज मार्ग को जोड़ने वाली गली में महापौर ने टूटी पटिया को बदलने का निर्देश दिया। यहां मशीन से सफाई के बावजूद जल जमाव की स्थिति पाई गई। पार्षद हरिशंद्र ने पोकलैंड लगाकर नाले की गहराई बढ़ाने की

आवश्यकता जताई। महापौर ने इस गली में भारी वाहनों के आवागमन को रोकने के लिए बैरियर लगाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान महापौर ने अस्वस्थ भाजपा नेता चितरंजन श्रीवास्तव के आवास पर जाकर उनके कुशलक्षेम पूछे।

फतेहगंज चौराहे पर व्यापारियों ने महापौर का फूलमाला से स्वागत किया। महापौर ने यहां गली में स्लोप तत्काल प्रभाव से बनवाए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने रामजानकी मंदिर परिसर पहुंचकर दुर्गा पूजा के पंडाल का अवलोकन किया और यहां बेहतर जल निकासी के महेनजर सक्री पुलिसिया को तोड़कर नया बनवाने का निर्देश दिया। नगर आयुक्त ने दीपावली के बाद जेसीबी से गली को ऊंचा करने का भी निर्देश दिया। पंडाल के पास राविश डालकर आवागम सुगम बनाने का निर्देश नगर आयुक्त ने दिया। उन्होंने पानी की जांच कराई, जिसकी गुणवत्ता सही पाई गई। यहां सफाई के लिए जेसीबी के साथ नाला गैंग भी तयपर दिख रहा था। यहां थोड़ी देर रुक कर बातचीत करने के बाद महापौर फतेहगंज ओवर ब्रिज की ओर बढ़े।

संदिग्ध परिस्थितियों में चार मासूम बच्चे लापता, इलाके में हडकंप



अवधनामा संवाददाता

मसौली बाराबंकी। सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर मे स्कूल गये अनुसुचित जनजाति मंगता बिबदरी के चार बच्चो के गायब होने से हडकंप मच गया परेशान परिजनों ने थाने मे बच्चो के लापता होने की तहरीर दी है। बताते चले कि गुरुवार की सुबह सफदरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम रायपुर निवासी पिंटू का 9 वर्षीय पुत्र तुन्नी 6 वर्षीय शनी व विपिन का 8 वर्षीय पुत्र अंकित व 5 वर्षीय राज गांव मे ही स्थित स्कूल मे पढ़ने के लिए गये थे जो वापस नही आये घर

वापस न आने पर परिजनों ने तलाश शुरु की लेकिन बच्चो का पता नही चल सका। परेशान हाल परिजनों ने थाना सफदरगंज मे बच्चो के लापता होने की तहरीर दी है। जानकारी के अनुसार लापता बच्चे भीख मांगने का कार्य करते है जो प्रमुख चौराहो एव बाजारों मे अवसर भीख मांगते रहते थे। बहरहाल बच्चो का पता न चलने से हडकंप मचा हुआ है परिजनों के मुताबिक बच्चे शाम तक

हमेशा वापस आ जाते थे लेकिन गुरुवार की सुबह जब से बच्चे घर से निकले है वापस नही लौटे है। परिजनों की तहरीर पर सफदरगंज पुलिस चौराहो एव बाजारों मे लगे सीसीटीवी कैमरो के जरिये बच्चो की तलाश मे जुटी हुई है। थानाध्यक्ष अमर कुमार चौरसिया ने बताया कि परिजनों की तहरीर पर गुमशुदगी दर्ज कर बच्चो की तलाश की जा रही है।

एसपी ने सर्तपा एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ की बैठक बाराबंकी।(अवधनामा संवाददाता)। व्यापार मण्डल व सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों/व्यापारिक बन्धुओं के साथ गोष्ठी कर दिये गये आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। रिजर्व पुलिस लाइन्स स्थित सभागार में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय द्वारा जनपद के व्यापार मंडल व सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारियों/व्यापारिक बन्धुओं के साथ गोष्ठी की गयी। गोष्ठी में व्यापारियों की सुरक्षा व पुलिस स्तर की अन्य समस्याओं के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। साथ ही व्यापारी बन्धुओं से मुख्य मार्गों एवं चौराहों को अतिक्रमण मुक्त रखने की अपील की गई तथा सभी व्यापारिक संगठनों से यह अनुरोध किया गया कि प्रतिष्ठानों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाएं तथा सड़कों पर भी सीसीटीवी कैमरे का फोकस करें। इसके साथ ही व्यापारी बन्धुओं को व्यापारिक गतिविधियों में इलेक्ट्रॉनिक लेन-देन में सावधानी बरतने व दुकानों एवं घरों में कार्य करने वाले नौकरों के सत्यापन कराने के सम्बन्ध में भी प्रोत्साहित किया गया।

अधिवक्ताओं पर उत्पीड़न बर्दाश्त नही किया जाएगा, मुख्यमंत्री के नाम जापन सौपा



अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं बनारसी में पुलिस द्वारा अधिवक्ता के साथ मारपीट व अधिवक्ताओं के विरुद्ध साजिशान दर्ज मुकदमा दर्ज करने के विरोध में शुक्रवार को श्री अवध बिहारी मिश्र सेवा ट्रस्ट अग्रध्य अधिवक्ता रितेश कुमार मिश्र अपने समर्थकों के साथ मुख्यमंत्री द्वारा

जिलाधिकारी को संबोधित जापन देकर माँग की आरोपी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाये। जात हो कि अधिवक्ता शिव प्रताप सिंह निवासी बी21/100-1 बिन्द बनन कमच्छ थाना भेलपुर जिला वाराणसी में पुलिस ने जान लेवा प्रहार कर दिया जिससे अधिवक्ता को काफी चोटे आई है। जिसके बाद अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है इस मामले में अधिवक्ताओं ने एकजुटता से महज़

कुछ घण्टों में दिनांक 14.09.2025 को एफआईआर दर्ज कर दी गई। लेकिन अभी तक दोषी कर्तव्यविहीन व पद का दुरुपयोग करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ कोई कार्यवाही नही हुई जबकि उक्त दोषी पुलिस कर्मियों को तत्काल बर्खास्त किये जाने की कार्यवाही किया जाना आवश्यक है। किन्तु ऐसा नही किया गया और पूरे पुलिस प्रशासन द्वारा दोषी पुलिस कर्मियों को बचाने की जुगत की खोज की जाने लगी जिसके क्रम में पुलिस प्रशासन द्वारा जानबूझ कर दुखी व आक्रोशित अधिवक्ता बन्धुओं को उकसाने व भड़काने का दुष्प्रयास किया गया तथा सम्पूर्ण घटनाक्रम को पूर्व से प्रयोहित था मे थाना काला कोट पहनाकर अपने बहरूपिये शामिल करवा दिये गए तथा साजिशान ऐसी ऐसी घटना कारित करनायी गयी जो उत्पन्त दुर्भाग्यपूर्ण थी और पुलिस द्वारा अधिवक्ताओं के विरुद्ध थाना केन्ट में फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया

गया। पुलिस प्रशासन द्वारा यह सम्पूर्ण घटना मात्र अपने दोषी पुलिस कर्मियों को बचाने और अधिवक्ता समाज को बदनाम करके पूर्ण से निशाने पर लिए गए अधिवक्ता बन्धुओं को सबक सिखाने के लिए किया गया है जोकि गम्भीर प्रकृति का अपराध है तथा इसकी शिरे से किसी निपथक्ष एजेंसी से जांच करवाया जाना आवश्यक है। आंदोलनकारी रितेश मिश्र ने कहा कि अधिवक्ता समाज के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार साजिश रचकर अधिवक्ता समाज को फर्जी जबरन व परेशान करने तथा अधिवक्ता समाज की छवि धमिल करने का हर सम्भव दुष्प्रयास किया जा रहा है जिसके विरुद्ध विशेष जांच दल गठित करवाकर प्रकरण मे शामिल साजिश कर्ताओं की पहचान उजागर करवाकर उनके विरुद्ध गम्भीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर ऐसे साजिश कर्ताओं के विरुद्ध रासुका के तहत कार्यवाही किया जाना अति आवश्यक है।

सीमाई क्षेत्रों में बाढ़ से फसलों का भारी नुकसान



अवधनामा संवाददाता

टूटीबारी (महराजगंज)। नेपाल की पहाड़ियों में हो रही लगातार बारिश से नदियों के उफान ने सीमाई गांवों में तबाही मचा दी है। तहसीलदार निचलौल अमित कुमार सिंह ने शुक्रवार को सीमाई क्षेत्र लक्ष्मीपुर खुर्द का दौरा कर हालात का जायजा लिया और बाढ़ से हुए किसानों के नुकसान का आंकलन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश हक्का लेखपाल बिपिन कुमार को दिया। तहसीलदार ने लक्ष्मीपुर खुर्द पुलिस चौकी पर बाढ़ स्थिति की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने चौकी इंचार्ज नवनीत नागर के साथ चर्चा के दौरान कहा कि प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासन हरसंभव

कदम उठाएगा। चौकी इंचार्ज ने बताया कि लक्ष्मीपुर खुर्द, चटिया, तुर्कहिया,नौनिया, भरवलिया व बसंतपुर गांव लो-लैंड इलाके हैं। हर साल बरसात में चंदन और भौरहिया नदी की बाढ़ से सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न होकर नष्ट हो जाती है। इस समस्या के स्थायी समाधान की तत्काल जरूरत है। इसके बाद तहसीलदार ने चंदन व झरही नदी पर बने बांध का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने देखा कि नो मैस लैंड से करीब 10 मीटर भीतर नेपाली क्षेत्र में तेजी से कटान हो रहा है। उन्होंने मातहतों को तत्काल मिट्टी का कार्य कर बांध को मजबूत बनाने का आदेश दिया ताकि कटान रोका जा सके और भारतीय क्षेत्र सुरक्षित रह सके।

चंदन नदी का दूसरे दिन रौद्र रूप, लाल निशान पार, दहशत में ग्रामीण

अवधनामा संवाददाता

टूटीबारी (महराजगंज)। लगातार हो रही मुसलाधार बारिश से चंदन नदी का जलस्तर दूसरे दिन भी खतरे की लाल रेखा पार कर गया है। नदी की तेज बहाव वाली धारा अब दोनों किनारों को लबालब भर चुकी है। नदी का यह उफान आसपास के गांवों के लिए चिंता का सबब बन गया है। ग्रामीणों में भय का माहौल है, लोग रातभर जागकर हालात पर नजर बनाए हुए हैं। चंदन नदी किनारे बसे गांव भरवलिया, बसंतपुर, बोदना, मैरी, सुकरहर, बकुलडीहा, नौनिया व तुर्कहिया (भाववनगर) के तेल और सीवान पानी से भरा है। क्षेत्र में पानी का दबाव अधिक है। सबसे बड़ी चिंता मशूपालकों में है। पशुओं के चारे की व्यवस्था करना कठिन हो गया है, जिससे उनका फलन-पोषण चुनौती बन गया है। क्षेत्र के पशुपालक अरिन्द्र यादव, सुरेश यादव, भारत यादव, घोषणा यादव, रंज कुमार यादव, नंदू प्रसाद, राजेश कुमार व देव प्रसाद आदि ने बताया कि



लगातार तीन दिनों से रुक-रुक कर हो रही भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। पशुओं के साथ पूरा दिन सड़कों पर बीत रहा है। घर में रखा भूसा भीग गया है। बारिश से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। जिससे काफी परेशानी हो रही है। गांवों की कच्ची सड़कों पर पानी और कीचड़ से आवागमन मुश्किल हो गया है। कई घरों में बरसाती पानी घुसने से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर सामान पहुंचाने की मशकत करनी पड़ रही है। वहीं सिंचाई विभाग और प्रशासन ने हालात पर पैनी नजर रखी है। राजस्व और आपदा प्रबंधन टीमें अलर्ट पर हैं। बांध और तटबंधों का निरंतर निरीक्षण किया जा रहा है।

मोदी सरकार को हटाने के लिये चंडीगढ़

महाधिवेशन में नई रणनीति तय की जाएगी: सुमन



अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी।मोदी सरकार को हटाने के लिए बेरोजगारी मंहगाई भुखमरी श्रम कानून आदि पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी चंडीगढ़ महाधिवेशन में नई रणनीति तय की जाएगी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य परिषद सदस्य रणधीर सिंह सुमन व प्रवीण कुमार ने प्रेस वार्ता कर बताया कि पार्टी का 25वां महाधिवेशन 21 से चंडीगढ़ में होगा। महाधिवेशन में देशभर में हुए राज्य सम्मेलनों द्वारा निर्वाचित लगभग एक हजार प्रतिनिधि भाग लेंगे। बाराबंकी जनपद के लिए गौरव की बात है कि यहां से कामरेड प्रवीण कुमार को महाधिवेशन मे जाने के लिए चयनित किया है। उन्होंने बताया कि 21 सितंबर को मोहाली में एक विशाल रैली से महाधिवेशन का शुभारंभ होगा। यह वर्ष पार्टी की स्थापना का शताब्दी वर्ष है,

नवरात्र में होगा मिशन शक्ति का आगाज

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। शारदीय नवरात्र से महिला सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन को समर्पित ‘मिशन शक्ति’ को लेकर अयोध्या जनपद में भी काम शुरु हो गया है। एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर ने यहां मुख्यालय पर जिले के समस्त थानों में तैनात महिला बीट आरक्षियों के साथ बैठक की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश बताते हुए कहा कि वर्ष 2020 से प्रारम्भ हुए इस अभियान से प्रदेश में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की दिशा में आशातीत परिणाम मिले हैं। अब तक इसके चार चरण पूरे हो चुके हैं और आगामी 22 सितम्बर से प्रारम्भ होकर यह पांचवा चरण 30 दिनों तक सतत रूप से संचालित होगा। इस चरण में विभागीय समन्वय के साथ व्यापक कार्यक्रम चलाए जाएँ। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की फुट पेट्रोलिंग को और प्रभावी बनाया जाए। पीआरवी-112 की सभी गाड़ियाँ लगातार सड़कों पर सक्रिय रहें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद डा. गौरव ग्रोवर व मिशन शक्ति अभियान के जनपदीय नोडल अधिकारी पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बलवंत कुमार चौधरी



ने महिला बीट पुलिस कर्मियों के साथ गोष्ठी कर सम्बन्धित को उचित दिशा निर्देश दिये। बताया कि महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष अभियान के अंतर्गत जनपदीय पुलिस द्वारा ग्राम/कस्बा/मोहल्ल/शिक्षण संस्थानों व सार्वजनिक स्थान इत्यादि पर ध्रमण/चौपाल लगाकर महिलाओं/बालिकाओं/छात्राओं को उनके अधिकारों, विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देकर जागरूक किया जा रहा है। जानिए अभी क्या किया जा रहा सभी थानों की एंटी रेमियों टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा घ घ महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए पुलिस

विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबर वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेंसी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी0एम0 हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्प लाइन 1930 एवं विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उग्र राज ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पोपम स्वनिधि योजना महिला ई-हाट योजना आदि के बारे मे पंपलेट बांटेकर जागरूक किया जा रहा है।

महराजगंज में तीन बसों की भिड़ंत, डेढ़ दर्जन यात्री घायल



महराजगंज। (अवधनामा संवाददाता) जिले के भिटीली क्षेत्र के अगया चौराहे पर शुक्रवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। तीन बसों की आमने-सामने हुई भिड़ंत में डेढ़ दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो बसें महराजगंज से गोरखपुर की ओर जा रही थीं, जबकि एक बस गोरखपुर से महराजगंज आ रही थी। तेज रफ्तार और ओवरटेकिंग की कोशिश में बसें आपस में टकरा गईं। टक्कर इतनी भीषण थी कि शीशे चकनाचूर हो गए और यात्री सीटों से गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई और आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने घायलों को बस से बाहर निकालकर राहत पहुंचाई। सूचना पाकर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से घायल यात्रियों को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। क्षतिग्रस्त बसों को हटवाकर यातायात बहाल कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हादसे की मुख्य वजह ओवरटेकिंग है। मामले की जांच की जा रही है और दोषी चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस हादसे से पूरे इलाके में दहशत और अपराद-तफरी का माहौल बना रहा।

जीएसटी सुधार से आम जनता को बड़ी राहत: मंत्री पंकज चौधरी



महराजगंज। (अवधनामा संवाददाता) केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने शुक्रवार को धनेवा स्थित आवास पर प्रेस वार्ता में कहा कि मोदी सरकार के नेकस्ट जनरेशन जीएसटी रिफॉर्म से गरीब और मध्यम वर्ग को सीधी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि अब देश में केवल दो ही स्लैब रह गए हैं– 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत। रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएँ जैसे दूध, पनीर, रोटी और 33 जीवनरक्षक दवाएँ पूरी तरह टैक्स-फ्री कर दी गई हैं। साबुन, शैंपू, दूधपेस्ट, दूधब्रश, साइकिल, कॉफी, पास्ता जैसी चीजें अब सिर्फ 5त जीएसटी के दायरे में होंगी। वहीं गुटखा, पान मसाला, तंबाकू उत्पाद, बड़ी गाड़ियाँ और 350 सीसी से ऊपर की मोटरसाइकिलों पर टैक्स बढ़ाकर 40त कर दिया गया है। श्री चौधरी ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी राहत दी गई है। किताबें, कॉपीयाँ, पेन-पेंसिल, ब्लड टेस्ट, एमआरआई और एक्स-रे जैसी सेवाएँ अब टैक्स-फ्री होंगी। मोबाइल फोन, 32 इंच तक के टीवी, फ्रिज और वाशिंग मशीन पर जीएसटी 12त से घटाकर 5त कर दिया गया है। होटल और रेस्टोरेंट सेक्टर को भी लाभ दिया गया है। 1000 रुपये प्रतिदिन तक के होटल रूम टैक्स-फ्री होंगे, जबकि 7000 रुपये तक के कमरे पर टैक्स 18त से घटाकर 5त कर दिया गया है। छोटे रेस्टोरेंट में भोजन पर भी अब सिर्फ 5त जीएसटी लगेगा।

भक्त्य दुर्गा पंडाल का निर्माण कार्य अंतिम दौर में



अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार (महराजगंज)। स्थानीय क्षेत्र, मंडल पड़ोसी प्रदेश बिहार और मित्र राष्ट्र नेपाल तक अपनी भव्यता की पहचान बना चुका सिसवा के दुर्गा महोत्सव में श्री बाल दुर्गा पूजा सेवा समिति के राफेल और मिसाइलों से लैस पंडाल का निर्माण अंतिम चरण में है। सिसवा के रेलवे स्टेशन रोड पर बन रहे इस दुर्गा पंडाल के बीचोबीच श्रीलक्ष्मी गणेश सहित शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा का दर्शन होगा। वहीं दूसरे तल पर श्रद्धालु प्राकृतिक दृश्यों के बीच श्रीराधा कृष्ण के

रासलीला का दर्शन लाभ प्राप्त करेंगे। इसके बाद गुफा से होते हुए निकास द्वार पर पहलगाम हमले मे जान गवाने वाले लोगों का मार्मिक चित्रण कर दर्शकों को देशभक्ति से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।समिति के अध्यक्ष गंगासागर जायसवाल एव संरक्षक लवकुश विश्वास ने बताया कि 1995 में स्थापित इस समिति द्वारा विगत वर्षों में सामाजिक जागरूकता का संदेश देने के बाद इस वर्ष मां की भक्ति के साथ भारत की शक्ति को दर्शाने का प्रयास किया गया है। इसीलिए पहलगाम हमले के बाद आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की शक्ति के रूप में राफेल विमान और एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की प्रतिकृतियों के रूप में पंडाल सजाया जा रहा है।पंडाल निर्माता राकेश प्रजापति ने बताया कि पिछले दो माह से चल रहे इसके निर्माण में बरसात की वजह से थोड़ी दिक्कत हुई है लेकिन समय से कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

कुपोषण है, तो स्वस्थ कौन?

शुभकामनाओं और बधाइयों का सैलाब उमड़ आया था। देश के प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन था। यह भी खुशगवार लगा कि उन्होंने ज़िंदगी के 75 बसंत जी लिए हैं। बेशक वह अपने कालखंड के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने भारतीय राजनीति की दिशा और दशा बदल दी है। प्रधानमंत्री मोदी एक वैश्विक किरदार में भी हैं। जिन्होंने इस खास मौके पर प्रधानमंत्री का महिमामंडन किया, गरीब बचपन से लेकर देश के सर्वोच्च नेता तक के सफर की कहानियां सुनाई, यह उनकी मजबूरी और प्रतिबद्धता हो सकती है! बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार के परंपरागत खांचे को तोड़ कर कई अभूतपूर्व फैसले किए। नए प्रतिमान गढ़े। प्रत्येक प्रधानमंत्री के हिस्से ऐसे फैसले और काम आते रहे हैं, लिहाजा उन्हें कुछ मायनों में ‘दूरदर्शी’ भी माना जाता रहा है। यह दीगर है कि कोई उनकी व्याख्या किस तरह करता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जन्मदिन का यह नारा तय किया था- ‘स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार।’ इस आशय के सरकारी विज्ञापन भी मीडिया में छपवाए गए। प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि माताओं, बहनों, बेटियों के स्वास्थ्य की सम्यक जांच कराई जाए। ऐसे लाखों मेगा स्वास्थ्य शिविर देश भर में 2 अक्तूबर तक चलाए जा रहे हैं। जांच, दवाएं और इलाज सब कुछ निशुल्क होंगे। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सरकारी तिजोरी से बड़ कर माना है। बेशक पहल और मंशा अच्छी और सामुदायिक है, लेकिन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के कुछ निष्कर्ष हमें चिंतित करते हैं, प्रधानमंत्री मोदी को भी चुभेंगे, यदि उनके सामने ये आंकड़े पेश किए जाएंगे। कुपोषण आज भी सामाजिक, आर्थिक, वर्गीय और भयावह समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में 15-49 आयु-वर्ग की 57 फीसदी महिलाओं में एनीमिया (खून या हीमोग्लोबिन की कमी) पाया जाता है। 5 साल से कम उम्र के करीब 36 फीसदी बच्चे बौने हैं, 32 फीसदी से ज्यादा बच्चे कम वजन के और 19.3 फीसदी बच्चे शारीरिक-मानसिक रूप से कमजोर हैं। करीब 74 फीसदी आबादी में स्वस्थ, पोषक आहार प्राप्त करने का सामर्थ्य ही नहीं है। उच्च गरीबी दर वाले इलाकों में कुपोषण की दर अधिक पाई गई है। भारत सरकार ने लक्ष्य तय किया था कि 2022 तक देश को कुपोषण-मुक्त बना दिया जाएगा।

ऐसा नहीं हो पाया। यदि नारी और बच्चे ही कुपोषित हैं, तो उनके परिवार, समाज, देश स्वस्थ कैसे हो सकते हैं? देश का विकास सर्वांगीण कैसे हो सकता है? हमारा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी को इन स्थितियों की जानकारी होगी! प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिन पर ही राष्ट्रीय पोषण मिशन के अगले चरण का शुभाभिन किया है। इसके अलावा, एकीकृत बाल विकास योजना सरीखे कई कार्यक्रम भारत सरकार चला रही है। सवाल है कि कुपोषण रूपी कैन्सर कम क्यों नहीं हो पा रहा है? इसके अलावा दिखे, हरियाणा, बिहार के लिंगानुपात के आंकड़े खतरों की घंटी बजा रहे हैं। दिल्ली देश की राजधानी है, वहां पिछले साल की जन्म और मृत्यु की सालाना रपट स्पष्ट कर रही है कि जन्म के समय लिंग अनुपात घट रहा है। यह रझान लगातार चार सालों से सामने आ रहा है। दिल्ली में 2024 में 1000 पुरुषों के पीछे 920 महिलाएं थीं, जबकि यह आंकड़ा 2021 में 932, 2022 में 929 और 2023 में 922 था। बीते साल पड़ोसी राज्य हरियाणा में भी जन्म के समय महिलाओं की संख्या 910 तक लुढ़क गई। यह आठ सालों में सबसे कम लिंग अनुपात है। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। लिंग अनुपात एक संवेदनशील चुनावी मुद्दा होना चाहिए था, लेकिन अभी तक किसी भी राजनीतिक दल के प्रचार में इसकी गूंज नहीं ली है। जून में जो डाटा जारी किया गया, वह घोर चिंतित करने वाला है।

पड़ोसी देशों का हाल और भारत

भारत के करीबी और पड़ोसी देशों के हाल बेहाल है। म्यांमार में 2021, पाकिस्तान में श्रीलंका में 2022, 2024 में बांग्लादेश और अब नेपाल चुनौती हुई सरकार के साथ जो कुछ हुआ वह अचानक नहीं बल्कि पिछले कुछ अरसे से बढ़ता आक्रोश था। प्रधानमंत्री से लेकर मंत्रियों तक को जानबचाकर भागते देखा



प्रेम शर्मा

सत्ताधारी नेता देश को भूल कर खुद का घर भरने में लग गए। देश के युवाओं का ख़ब का ख़ाब उस वक़्त टूट गया जब नेपाली सरकार ने उनकी अभिव्यक्ति को आजादी छीनने का प्रयास करके जले पर नमक छिड़क़ने का काम किया। नेपाल में जो घटनाक्रम हुआ, उससे भारत के नेता भी सबक ले सकते हैं। देश की मूल समस्याओं के समाधान के बजाय गुमराह करने वाले मुद्दों पर राजनीति का नतीजा नेपाल विद्रोह है। वैसे तो नेपाल में हुए घटनाक्रम को लेकर कहा जा रहा है कि नेपाल की सरकार ने बीते दिनों फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब सहित 26 मीडिया प्लेटफॉर्मों पर बैन लगा दिया था। ओली सरकार ने यह बैन सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करते हुए लगाया लेकिन बैन का एक फैसला किशोर युवा पीढ़ी को पसंद नहीं आया, वह इसके खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतर आई और हिंसक प्रदर्शन किया। हिंसा एवं उपद्रव को देखते हुए ओली सरकार ने सोशल मीडिया से बैन तो हटा लिया लेकिन बैन हट जाने के बाद हिंसक विरोध-प्रदर्शन बंद नहीं हुआ।

यानि वह विरोध केवल सोशल मीडिया के वैन होने तक सीमित नहीं था। क्योंकि इसके बाद हिंसक प्रदर्शन और उपद्रव भ्रष्टाचार के खिलाफ था। प्रदर्शनकारी राजधानी काठमांडू सहित कई शहरों पर उपद्रव और उत्प्रात मचाने लगे। चुन-चुनकर पूर्व प्रधानमंत्रियों, कैबिनेट मंत्रियों, नेताओं पर हमले हुए और उन्हें सड़क पर देड़ाकर मारा-पीटा गया। पूर्व पीएम झालनाथ खनाल की पत्नी को आग के हवाले कर दिया गया। भीड़ ने संसद और सरकारी इमारतों को फूंक दिया। पीएम केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया और जान बचाकर भागे। इसी तरह करीब एक साल पहले बांग्लादेश में भी हिंसा, उत्प्रात, आगजनी का नेपाल जैसा ही नजारा देखने को मिला था। आरक्षण, भ्रष्टाचार, आर्थिक बदलावी और विरोधियों को दबाए जाने के खिलाफ बांग्लादेश के छात्रों ने इसीना सरकार के खिलाफ बगावत कर दी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने गुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित करवाकर प्रथम तत्व, मसिन्दुद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया। फ़ातिमा भी लेख में कोई विवाद के लिए ‘अवधानामा’ जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडिटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फ़ैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhanamahindi@gmail.com,

वक्फ बोर्ड का सीईओ भी यथासंभव मुसलमान होना चाहिए। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण का प्रावधान 1995 और 2013 के कानूनों में भी था और अब फिर से लागू किया गया है। इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती। वक्फ ट्रिब्यूनल के फैसले के बिना किसी संपत्ति को वक्फ घोषित नहीं किया जा सकता और न ही राजस्व रिकॉर्ड में कोई बदलाव किया जा सकता है। ऐसी न्यायिक समीक्षा के साथ प्रधान न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस जॉर्ज मसीह की पीठ ने वक्फ संशोधन कानून पर अस्थायी और शुरुआती विचार दिया है।

वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट का संवेदनशील प्रयास

वक्फ संशोधन कानून, 2025 पर सर्वोच्च अदालत ने रोक लगाने से साफ इंकार कर दिया, क्योंकि उसका कोई संवैधानिक आधार नहीं था, लेकिन कानून के कुछ विवादित प्रावधानों पर रोक जरूर लगाई है, क्योंकि वे संविधान की हदें लांघते नजर आए और धार्मिक स्वतंत्रता छिनती भी लगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 5 याचिकाओं पर 20 से 22 मई तक लगातार 3 दिन सुनवाई की थी। 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। भारत में रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद सबसे ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड के पास है। करीब 9.4 लाख एकड़। इसी जमीन में दिल्ली जैसे 3 शहर बस जाएं। इसी वक्फ बोर्ड से जुड़े एक्ट में बदलाव को लेकर विपक्ष के नेता और मुसलमानों का एक बड़ा तबका लगातार विरोध कर रहा है।

शीर्ष अदालत ने व्यक्ति के संपत्ति अधिकारों का फैसला करने का अधिकार कलेक्टर को नहीं दिया, लिहाजा कानून में कलेक्टर की भूमिका को सीमित कर दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण न्यायिक समीक्षा यह रही कि अदालत ने 5 साल से मुस्लिम होने की शर्त पर रोक लगा दी। न्यायिक पीठ ने कहा कि जब तक राज्य सरकारें इस संदर्भ में कोई नियम-कानून नहीं बना लेतीं कि कोई व्यक्ति मुस्लिम है या नहीं, तब तक तत्काल प्रभाव से



हालात न बनें। यह फैसला संसदीय लोकतंत्र के हित में है। संसद के फैसले पर ही अदालत ने बुनियादी मुहर लगाई है। संसद की सर्वोच्चता को लांघा नहीं जा सकता, अदालत ने अपने निष्कर्ष में परोक्ष रूप से यह माना भी है। कानून के विपक्षियों की दलीलें थीं कि वक्फ संशोधन कानून से संविधान के अनुच्छेदों-14, 15, 25, 26, 29, 30 और 300-ए का उल्लंघन होगा, लिहाजा यह कानून संवैधानिक कैसे हो सकता है? न्यायिक पीठ ने इन दलीलों को खारिज करते हुए संशोधित कानून को बरकरार रखा है।

विपक्ष ने यहां तक आरोप लगाए कि सरकार मुसलमानों की मस्जिदें, ईदगाह, उनके कब्रिस्तानों की जमीनों पर कब्जा करके अपने ‘मित्र उद्योगपतियों’ को सौंपने की मंशा रखती है। अदालत में इन आरोपों का क्या हुआ? अब भी अदालत के सामने यह मामला है। आगे जब सुनवाई शुरू होगी, तो विपक्ष के वकील दलीलें दे सकते हैं, क्योंकि देश जानना चाहता है कि इन शिकायतकर्ताओं को हताशा मिली है। यह न्यायिक निष्कर्ष किसी के भी गल पर तमाचा नहीं है, बल्कि अदालत की सोच रही है कि देश में अमन-चैन, भाईचारा बना रहे। सांप्रदायिक तनाव के

डिजिटल बाजार का दबदबा : क्या बचेगा फुटकर का वजूद?

ई-कॉमर्स बाजार का आकार विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार लगभग 10-12.5 लाख करोड़ रुपये के बीच अनुमानित है।यह आंकड़े जीएमवी पर आधारित हैं,जो कुल बिक्री मूल्य को दर्शाते हैं। ई-कॉमर्स में कारोबार से तात्पर्य जीएमवी से है, जो कुल लेन-देन का मूल्य है। 2024 में यह 10-12 लाख करोड़ रुपये का था, और 2025 में यह 19-23 फीसदी की ग़ोथ के साथ बढ़कर 11-12.5 लाख करोड़ रुपये हो सकता है।

पड़ रही है। ग्राहक संगठनों की मानें तो बड़ी संख्या में उपभोक्ता यह शिकायत करते हैं कि कई दुकानदार ग्राहकों से तुनक कर बात करते हैं या उन्हें अपनी पसंद थोपने की कोशिश करते हैं। कई बार तो ग्राहकों को यह महसूस होता है कि वे सिर्फ सामान नहीं बल्कि दुकानदार का मूड भी खरीद रहे हैं। ऐसे अनुभव उपभोक्ताओं को खिन्न कर देते हैं। इसके विपरीत, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म उपभोक्ताओं को बिना किसी दबाव और झंझट के खरीदारी का अवसर देते हैं। घर बैठे ग्राहक हजारों उत्पादों की तुलना कर सकते हैं, कीमतें देख सकते हैं और अन्य ग्राहकों की राय पढ़ सकते हैं। यही पारदर्शिता और विकल्पों की भरमार उन्हें आकर्षित करती है।विशेषज्ञों का कहना है कि ऑनलाइन कंपनियाँ समय-समय पर ऑफ़र पारदर्शिता और विकल्पों की भरमार उन्हें आकर्षित करती हैं, जो कुल बिक्री मूल्य को दर्शाते हैं।रिटेल एक्सपर्ट्स का मानना है कि आज के उपभोक्ता सिर्फ सामान नहीं खरीदते, बल्कि खरीदारी का अनुभव भी खरीदते हैं। यदि दुकानदार ग्राहकों से सलीके से पेश न आएँ तो वे दोबारा वहीं जाना पसंद नहीं करते। यही कारण है कि ऑनलाइन शॉपिंग का चलन खरीदारी कर सके। यही कारण है कि आज ऑनलाइन शॉपिंग, परंपरागत बाज़ारों पर भारी



से बढ़ता हुआ क्षेत्र है। स्मार्टफोन की बढ़ती संख्या, इंटरनेट की पहुंच (2024 तक लगभग 95 करोड़ इंटरनेट यूजर्स), और डिजिटल पेमेंट्स जैसे यूपीआई के कारण यह बाजार तेज गति से विकसित हो रहा है। 2025 की शुरुआत में (सितंबर 2025 तक), ई-कॉमर्स बाजार का आकार विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार लगभग 10-12.5 लाख करोड़ रुपये के बीच अनुमानित है। यह आंकड़े जीएमवी पर आधारित हैं, जो कुल बिक्री मूल्य को दर्शाते हैं। ई-कॉमर्स में कारोबार से तात्पर्य जीएमवी से है, जो कुल लेन-देन का मूल्य है। 2024 में यह 10-12 लाख करोड़ रुपये का था, और 2025 में यह 19-23 फीसदी की ग़ोथ के साथ बढ़कर 11-12.5 लाख करोड़ रुपये हो सकता है। 2024 में यूपीआई ट्रांजेक्शन्स का मूल्य मई तक ही 25.14 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया था,जो ई-कॉमर्स का एक बड़ा हिस्सा

भारत पाक के बीच क्रिकेट मैच -सरकर अपनी नीति स्पष्ट करें

हमारे कप्तान सूर्य कुमार यादव ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से पुरस्कार वितरण समारोह में हाथ नहीं मिलाया और जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया। यह कौन सी खेल भावना थी ? भद्र जनों के नाम से क्रिकेट को जाना जाता है यह क्रिया तो और भी खेल भावना के विपरीत है? फिर तो इस मैच से प्राप्त सारा धन भारतीय सेना को दिया जाना चाहिये या फिर पहलगाम के छब्बीस शहीदों के परिजनों को दिया जाय।

सरकार की अनुमति से खेला गया जबकि इस पर सरकार को कड़ा कदम उठाते हुए इस मैच का बहिष्कार करना या देश को मूर्ख बनाने का तर्क दिया जा रहा है कि हमारे कप्तान सूर्य कुमार यादव ने पाक कप्तान सलमान अली आगा से पुरस्कार वितरण समारोह में हाथ नहीं मिलाया और जीत को भारतीय सेना को समर्पित किया।यह कौन सी खेल भावना थी



नहीं होना चाहिए परंतु सुनील गावस्कर ने न केवल मैच का समर्थन बल्कि कमेंट्री में भी सक्रियता से भाग लिया उनके अनुसार यह सब सरकार की इच्छा और अनुमति से हो रहा था, मैच के दौरान आई सी सी अध्यक्ष जय शहा पाक क्रिकेटर शाहिद आफरीदी से छब्बीस शहीदों के परिजनों को दिया जाय, जिन की लशों को रौंदा गया, जबकि सुरेश रैना ने कहा था कि मैच फिक्स करने से पहले सभी खिलाड़ियों से राय ली जानी चाहिए थी ,उत्तर प्रदेश के उप मुख्य मंत्री केशव प्रसाद ,सांसद असद उद्दीन अवैसी आदि नेताओं ने स्पष्ट कहा था कि यह मैच

और सरकार को अपनी ताकत दिखाएं। क्या वाकई ऐसी नौबत आ गई थी?

बहरहाल, सत्तारूढ़ भाजपा इस बात से राहत महसूस कर रही है कि अब इस शीर्ष अधिनियम को असंवैधानिक घोषित किए जाने का खतरा नहीं है। जबकि कांग्रेस का दावा है कि इस कानून के पीछे विभाजनकारी एजेंडा उजागर हुआ है। दरअसल, सरकार ने अप्रैल में लागू किए इस कानून को देशभर में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन के लिये एक ‘धर्मनिरपेक्ष, पारदर्शी और जाबबदेह’ व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से लागू करने की बात कही थी। निस्संदेह, वक्फ बोर्डों पर वर्षों से लगा रहे भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन, अतिक्रमण, संपत्ति का अवैध बिक्री और हस्तांतरण आदि के आक्षेपों को देखते हुए, प्रशासन में सुधार के लिये नियंत्रण और संतुलन स्थापित करने में किसी को कोई आर्पित नहीं है। हालाँकि, विपक्ष और कुछ मुस्लिम संगठनों को यह आशंका रही है कि तथाकथित सुधारों का दुरुपयोग वक्फ मामलों में हस्तक्षेप करने और यहां तक कि संपत्तियों को जब्त करने के लिये किया जा सकता है।

उनकी दृष्टि में एक विवादास्पद प्रावधान केंद्रीय वक्फ परिषद और राज्य वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करने से संबंधित रहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने ऐसे सदस्यों की संख्या को सीमित करने का प्रयास किया है। कहा गया कि कानून में पर्याप्त सुरक्षा उपाय होने चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अल्पसंख्यक

समुदाय के अधिकारों का उल्लंघन न हो सके। बहरहाल, इस मुद्दे पर विपक्ष व कुछ मुस्लिम संगठनों के विरोध का जो आधार रहा है, उन मुद्दों को संवेदनशील ढंग से संबोधित करने का प्रयास शीर्ष अदालत ने किया है। दरअसल, अदालत ने विचारिका की सीमाओं में हस्तक्षेप किए बिना न्यायिक तार्किकता को प्राथमिकता दी है। कोर्ट के इस फैसले से ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड संतुष्ट नहीं है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इसी के चलते प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने दिल्ली के जंतर मंतर पर 24 सितंबर को धरना देने और गिरफ्तारी देने का ऐलान किया है। साथ ही बोर्ड ने मुसलमानों से भी अपील की है। बोर्ड ने मुसलमानों से अपील की है कि 26 सितंबर को सभी मुसलमान अपने ऑफिस और दुकानों को सुबह 8 बजे से 2 बजे तक बंद रखे। प्रदर्शनकारियों को विपक्ष के कई राजनीतिक दलों का अपरोक्ष समर्थन प्राप्त है। असल में जब मामला अदालत में है तो ऐसे में धरना, प्रदर्शन और रैलियां करके मुस्लिम धर्मगुरु या नेता क्या संदेश देना चाहते हैं। क्या ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड खुद को सुप्रीम कोर्ट से ऊपर समझता है। अहम सवाल है कि भारत में 8.72 लाख से अधिक वक्फ संपत्तियां हैं, जो दुनिया में सर्वाधिक हैं, फिर भी औसत मुसलमान गरीब, असहाय, अनपढ़ क्यों हैं? यह सवाल तो ‘सच्चर कमेटी’ की रपट में भी उठया गया था। सवाल यह भी है कि वक्फ ट्रिब्यूनल में आज भी 14,417 विवादित केस क्यों लंबित हैं?

की गिरावट आई है, और रॉची जैसे शहरों में 50 फीसदी राजस्व हानि की रिपोर्ट्स हैं। एक सर्वे के अनुसार, 46 फीसदी उपभोक्ता किराना स्टोर्स पर खर्च कम कर चुके हैं,और 82 फीसदी ने कम से कम 25 फीसदी ग्रॉसरी खरीदारी को क्लिक कॉमर्स की ओर शिफ्ट कर दिया है। इससे दुकानदारों की आय प्रभावित हो रही है,खासकर मेट्रो शहरों में जहां इंपल्स बाइंग (तत्काल खरीदारी) ऑनलाइन हो रही है। क्लिक कॉमर्स के आगमन से लाखों फुटकर दुकानें बंद हो चुकी हैं। ऑल इंडिया कंज्यूमर प्रोटेक्टर्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फोरम के अनुसार, पिछले एक वर्ष में लगभग 2 लाख किराना स्टोर्स बंद हो चुके हैं, जो मुख्य रूप से मेट्रो क्षेत्रों में हैं।कूल मिलाकर, 30 मिलियन किराना स्टोर्स में से कई अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही हैं।इससे न केवल दुकानदारों की आजीविका खतरे में है, बल्कि स्थानीय स्तर पर नौकरियां भी कम हो रही हैं। छोटे दुकानदारों के लिए यह एक चुपचाप संकट है,जहां वे निवेश के बिना प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते।फुटकर दुकानदारों के पास अब ज्यादा इन्वेंटरी जमा हो रही है, क्योंकि ग्राहक कम आ रहे हैं। डिस्ट्रीब्यूटर्स को पैमेंट में देरी हो रही है, जिससे चेन प्रभावित है। हलारा केपिटल की रिपोर्ट के अनुसार, डिस्ट्रीब्यूटर्स किराना स्टोर्स से ड्यूज रिकवर नहीं कर पा रहे, क्योंकि दुकानदारों के पास पैसे की कमी है। यह समस्या विशेष रूप से छोटे शहरों में बढ़ रही है, जहां क्लिक कॉमर्स अब फैल रहा है।किराना स्टोर्स न केवल दुकानें हैं, बल्कि समुदाय के केंद्र हैं,जहां लोग बातचीत करते हैं, क्रेडिट पर सामान लेते हैं और पर्सनलाइज्ड सर्विस मिलती है।

प्रदेश

बीटैक की छात्रा के खुदकुशी मामले में जांच में हुआ खुलासा

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। जीएलए विश्वविद्यालय की बीटक छात्रा की विद्यालय के समीप राधा रानी गल्स हॉस्टल में जलने से हुई मौत के मामले का पुलिस ने खुलासा किया है। छात्रा ने साथ में पढ़ने वाले छात्र की ब्लैकमेलिंग और धमकियों से आहत होकर खुद को आग लगाकर खुदकुशी की थी। छात्रा के मोबाइल की जांच करने पर कई चैट पुलिस को मिलीं। पुलिस ने छात्रा के सहपाठी को गिरफ्तार करके पुछताछ के बाद जेल भेजा। मृतका के पिता ने छात्र ने छात्र के खिलाफ वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे मांगने व धमकाने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है।

थाना जैत क्षेत्र में बुधवार को निजी

गल्ट्स हॉस्टल के कमरे में हाथरस के सहपऊ के बुर्ज नौजी निवासी छात्रा

मुस्कान जली हुई हालत में मिली थी।

छात्रा के पिता ने थाना जैत में पड़ोसी

■ **शिवम नामक छात्र द्वारा किया जा रहा था उत्पीड़न**

■ **ब्लैकमेल और पैसे की मांग से तंग आकर उठाया कदम मोबाइल चैट से खुला राज**

गांव थरौरा निवासी शिवम कुमार पुत्र महेशचंद्र के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पिता ने आरोप लगाया कि शिवम उनकी बेटी के साथ ही पढ़ता था। आरोपी मुस्कान का कथित वीडियो अपने पास होने की बात कहता था। वह कॉलेज आते जाते समय उसे ब्लैकमेल व रॉटेंर करता था। उससे पैसे की मांग कर करता था। पैसे न देने पर वीडियो वायरल करने व जान से मारने की धमकी देता था, जिससे आहत होकर उनकी बेटी ने पेट्रोल डालकर खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस जांच अनुसार मुस्कान और शिवम साथ में पढ़ते थे। शिवम की पहले छात्रा से दोस्ती थी। बाद में दोनों के

बीच विवाद हो गया। घटना वाले दिन सुबह भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। वह उत्पीड़न कर रहा था। इसी तनाव के चलते छात्रा ने खुद पर पेट्रोल डालकर आत्महत्या कर ली। सीओ सदर संदीप कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आरोपी शिवम को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर दिया गया है।

हाथरस क्षेत्र के गांव बुजनौजी निवासी दिनेश चौधरी की पुत्री मुस्कान (19) का शव मथुरा पुलिस ने बृहस्पतिवार रात सुरीर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तेहरा अंडरपास के पास एक इनामी बदमाश मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देखकर बदमाश ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पूछताछ में बदमाश की पहचान राजस्थान के भरतपुर जिले के बासी खुर्द गांव निवासी बन्टू उर्फ बलराम पुत्र जयशिव के रूप में हुई है। यह बदमाश भरतपुर के नन्दवाई थाने में दर्ज एक मामले में वांछित था।

डीआरएम के आगमन पर हुआ मेगा कैम का आयोजन

ललितपुर। मण्डल रेल प्रबन्धक झांसी अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन तथा वरिष्ठ मण्डल कार्मिक अधिकारी राजेश कुमार शर्मा के दिशा-निर्देश पर ललितपुर रेलवे स्टेशन पर मेगा कैम का आयोजन किया गया, जिसमें रेलवे सैलरी पैकेज के बारे में जानकारी दी गई। जिसमें एसबीआई बैंक की तरफ से क्षेत्रीय प्रबंधक सवेश निपाठी, मुख्य प्रबंधक हिमांशु कुमार उपस्थित हुये सभी कर्मचारियों को एसबीआई के लाभ के बारे में बताया गया। कैम में लगभग 65 कर्मचारी शामिल हुए, जिसमें से करीब 05 कर्मचारियों ने एसबीआई में अकाउंट खोलने हेतु आवेदन किया और 11 कर्मचारियों ने वेतन खाता को एसबीआई में परिवर्तित करने हेतु आवेदन किया। साथ ही उपस्थित 65 कर्मचारियों को कर्मचारी कल्याण निरीक्षक द्वारा यूपीएस के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

अवधनामा

मथुरा पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा 25 हजार का इनामी बदमाश

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे के पास सुरीर पुलिस की 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में बदमाश बन्टू उर्फ बलराम के पैर में गोली लगी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। बदमाश के पास से एक तमचा, कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। बृहस्पतिवार रात सुरीर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि तेहरा अंडरपास के पास एक इनामी बदमाश मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी की। खुद को घिरा देखकर बदमाश ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में बदमाश के बाएं पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। पूछताछ में बदमाश की पहचान राजस्थान के भरतपुर जिले के बासी खुर्द गांव निवासी बन्टू उर्फ बलराम पुत्र जयशिव के रूप में हुई है। यह बदमाश भरतपुर के नन्दवाई थाने में दर्ज एक मामले में वांछित था।

प्रदेश सरकार के सपनों पर पलीता लगा रहे अधिकारी

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा कार्य के प्रति लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर गंदा समय-समय पर कार्रवाई करके यह संदेश देने का काम किया जा रहा है कि किसी भी अधिकारी द्वारा कार्य के प्रति लापरवाही सुबे के मुख्यमंत्री को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं है वही ऊर्जा मंत्री एके शर्मा द्वारा भी लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई करने में ढेर नहीं की जा रही है उसके पश्चात भी भगवान श्री कृष्ण की जन्म भूमि मथुरा में यहां विद्युत विभाग में कुछ चंद जेबे अधिकारी व कर्मचारियों को को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री व ऊर्जा मंत्री के कार्रवाई का मानो किसी प्रकार का कोई भय ही ना हो ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया था कि विद्युत विभागके

स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़हाली, झोला-छाप डॉक्टरों का बोलबाला

बिलग्राम। क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल पूरी तरह खुल चुकी है। हालात यह हैं कि नगर हो या गाँव, हर जगह झोला-छाप डॉक्टर खुलेआम लोगों का इलाज कर रहे हैं। कई जगह तो घरों में ही कथिथ अस्पताल चलाए जा रहे हैं, जहाँ न सुविधा है न सुरक्षा, लेकिन मजबूरी में गरीब जनता अपनी जान जोखिम में डालकर इन्हीं के भरोसे इलाज करा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस अवैध काम पर रोक लगाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। कार्रवाई के नाम पर केवल कामज़ी रानवासी होती है और झोला-छाप डॉक्टर दिन-दहाड़े मरीजों की जेबें काट रहे हैं। बिलग्राम के सरकारी अस्पतालों की हालत भी चिंताजनक है। मरीजों को अंदर घुसने देखाई नहीं मिलती, उल्टा बाहर की महँगी दवाएँ लिखी जाती हैं। कई बार डॉक्टर समय पर अस्पताल में नहीं मिलते, जिससे जनता की नाराजगी लगातार बढ़ रही है।

रिफाइनरी ने करवाई सविदा कर्मियों और सफाई मित्रों की स्वास्थ्य जांच

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। कार्यकारी निदेशक व रिफाइनरी प्रमुख श्री मुकुल अग्रवाल ने निर्देशानुसार एवं अपने सविदा कर्मियों के लिए सदैव सजग रिफाइनरी प्रबंधन के मार्गदर्शन के अंतर्गत आज मथुरा रिफाइनरी के प्राथमिक उपचार केंद्र में सफाई मित्रों एवं सविदा कर्मियों के लिए एक विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुरुआत स्वच्छता शपथ के साथ हुई, जिसमें स्वच्छता और सामूहिक जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

शिविर के दौरान प्रतिभागियों को आयुधाम भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री आरोग्य सहायता कोष तथा मिशन इंद्रधनुष जैसी विभिन्न महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई। ये योजनाएँ प्रत्येक नागरिक, विशेषकर आर्थिक रूप से

109 करोड़ रुपये से स्मार्ट होगी कृष्ण की नगरी, मिलेंगी ये सुविधाएं

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। धर्म की नगरी को स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत नगर निगम ने 1०9 करोड़ के प्रस्ताव शासन को भेजे हैं। इनमें मुख्य रूप से सीनियर सिटीजन केयर सेंटर, मल्टीलेवल पार्किंग, मॉलिन बस्ती का समग्र विकास, रिलीजियस बस सेवा एवं मथुरा व वृंदावन के प्रमुख मार्ग पर हरित पट्टिका का सुंदरीकरण समेत सात कार्य कराए जाएंगे। शासन से स्वीकृति मिलने के साथ कार्य कराए जाएंगे।

कान्हा की नगरी को स्मार्ट सिटी बनाया जा रहा है। इस योजना के तहत मथुरा व वृंदावन जोन में श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। नगर निगम ने इस योजना के तहत वर्ष 2025-26 के लिए 1०9 करोड़ रुपये की कार्ययोजना तैयार कर शासन को भेजी है।

इसमें वरिष्ठ नागरिकों के लिए केयर सेंटर शामिल किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों का चिकित्सीय परीक्षण समय-

■ **पूरा ब्लू प्रिंट**

स्मार्ट सिटी योजना के तहत

कराए जाने वाले कार्यों के

प्रस्ताव शासन को भेज दिए

गए हैं। मंजूरी मिलने के बाद कार्य

कराए जाएंगे। इस योजना से

श्रद्धालुओं के लिए सुविधाएं विकसित

होंगी। -विनोद अग्रवाल, महापौर

समय पर कराया जाएगा, साथ ही एक ही छत के नीचे रहने, भोजन एवं मनोरंजन के साधन होंगे। इसी तरह श्रीकृष्ण जन्मभूमि के निकट विकास नगर व मल्लपुरा मॉलिन बस्ती का समग्र विकास कराया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि के दर्शन को आने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन इस बस्ती की गलियों से होता है। श्रद्धालुओं को सुखद अहसास हो, इसके लिए इस बस्ती का 25 करोड़ रुपये से समग्र विकास कराया जाएगा। मथुरा व वृंदावन में श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए विशेष बस सेवा शुरू की जाएगी। इसका नाम रिलीजियस बस सेवा रखा गया है। वृंदावन के

घटवार में हत्या के मामले में दो आरोपी और पकड़े

ललितपुर। विगत दिनों घटवार में हुयी मजदूर की हत्या के मामले में कोतवाली पुलिस ने दो और अभियुक्तों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। बताया गया है कि एसपी मो.मुरताक के निर्देशन, एसएमपी कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर अजय कुमार के निरुक्त पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोतवाली पुलिस ने पंजीकृत मु.अ.सं. 1054/2025 धारा 352, 131, 103(1) बीएनएस के वांछित घटवार निवासी नल्यू उर्फ नथूराम पुत्र महादेव एवं बलराम पुत्र सन्तराम को हिरासत में लिया है। इस घटना को लेकर बताया गया है कि तत्समय घटना की सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर निरीक्षण किया गया। थाना कोतवाली ललितपुर पुलिस द्वारा मृतक का पंचायतनामा भरकर पोस्ट मार्टम की कार्यवाही करायी गयी थी।

लोहामंडी में हुई बैठक, भव्य आयोजन की रूपरेखा तय



अवधनामा ब्यूरो

आगरा। प्राचीन दशहरा शोभायात्रा समिति की नई कार्यकारिणी की घोषणा लोहामंडी स्थित महाराजा अग्रसेन सेवा सदन में आयोजित बैठक के दौरान की गई। बैठक में अध्यक्ष विनय अग्रवाल ने सभी पदाधिकारियों को माला पहनाकर सम्मानित किया और आगामी दो अक्टूबर को निकलने वाली श्रीराम दशहरा शोभायात्रा को भव्य व ऐतिहासिक बनाने की शपथ दिलाई। शोभायात्रा संयोजक हेमन्त प्रजापति और कार्यकारी अध्यक्ष तरुन सिंह ने बताया कि इस बार की यात्रा

नए कलेवर और अधिक आकर्षक स्वरूप में निकाली जाएगी। शोभायात्रा श्रीरामचंद्र मंदिर, जटपुरा-खातीपाड़ा से प्रारंभ होकर न्यूराजमंडी, तोता का ताल, लोहामंडी, राजामंडी बाजार होते हुए सेंट जॉस चौराहा पहुंचेगी, जहां रावण दहन किया जाएगा। इस अवसर पर महामंत्री राजपाल यादव, कोषाध्यक्ष संजय अग्रवाल, महेंद्र खंडेलवाल, रामदास कटारा सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। शोभायात्रा के अंतर्गत 4 अक्टूबर को अयोध्या नगरी राजगढ़ी समारोह प्रेम वाटिका, अवधपुरी में आयोजित किया जाएगा।

लखनऊ, शनिवार, 20 सितम्बर, 2025

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ऑफीसरों को बाटें दायित्व

ललितपुर। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद उप निर्वाचन में विभिन्न व्यवस्थाओं को समयानुसार पूर्ण करने हेतु जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी अमनदीप डुली ने सम्बंधित प्रभारी अधिकारी, सहायक प्रभारी अधिकारी, रिटर्निंग ऑफीसर एवं सहायक रिटर्निंग ऑफीसरों के साथ कलैक्टेट सभागार में बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने सभी प्रभारियों को निर्देश दिये कि उप निर्वाचन हेतु बनाये गए मतदान केंद्रों पर विद्युत, पेयजल, छायादार स्थान, प्रकाश, रिडक्की दरवाजे आदि सभी व्यवस्थाएं पूर्व से ही सुनिश्चित कर ली जायें, इसके लिए 5-5 लेखपालों को लगाकर सत्यापन कराया जाए और निर्धारित प्राप्प पर सत्यापन रिपोर्ट ली जाये। जिन केंद्रों पर विद्युत संयोजन नहीं हैं, वहां विद्युत विभाग द्वारा तत्काल संयोजन की व्यवस्था करायी जाए। इसके अलावा सभी आरओ/एआरओ पूरी गंभीरता के साथ आरओ बुक का अध्ययन कर लें, ताकि बाद में कोई समस्या न हो।

संक्षिप्त समाचार

विदाई समारोह का आयोजन



संभल (अवधनामा संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद सम्भल श्री कृष्ण कुमार द्वारा पुलिस लाइन बहजोई स्थित सभागार में जनपद सम्भल से अपर पुलिस अधीक्षक (शांभीण) जनपद फिजाबाद में स्थानान्तरित होने पर अपर पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी चन्दौसी महोदय श्री अनुज कुमार चौधरी को मात्स्यारण करते हुए स्मृति चिह्न, प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया एवं बधाई देते हुए उनके उच्चल भविष्य की कामना की गयी तथा जनपद में नियुक्ति के दौरान उनके द्वारा किये गये कार्यों की भूरि-भूरि सराहना करते हुए शुभकामनाएं दी गयी। इस दौरान श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) महोदय, अनुकृति शर्मा, समस्त क्षेत्राधिकारीगण, समस्त थाना/शाखा प्रभारी आदि अधिकारीगण मौजूद रहे।

राजपूत कॉलोनी में शोक सभा सम्पन्न

ललितपुर (अवधनामा संवाददाता)। आज दिनांक 18 सितम्बर को राजपूत कॉलोनी में एक शोकसभा का आयोजन किया गया जिसमें राजपूत कॉलोनी निवासी मनीष सहाय सक्सेना (प्रभारी प्रधानाध्यापक) पूर्व माध्यमिक विद्यालय खडोबर (जखौरी) की माता जी के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया। उनकी शोकसभा में राहुल तिवारी, राजेश बबेले,कृष्णकांत रावत ,मनोज सक्सेना, गोविंद नारायण श्रीवास्तव ,अवधेश शुक्ला ,रामसहाय खरे, रघुनीश पुरोहित, हरेशंकर पटेरिया ,रामदास निरंजन, चंचल पुरोहित, शिवेक सक्सेना जय प्रकाश गुप्ता, स्वदेश भूषण वर्मा , प्रयाग सिंह राजपूत, मनीष खरे ,कपिल शर्मा ,भरत नारायण श्रीवास्तव ,अमित जैन ,श्री कृष्ण पटेरिया ,लाल सिंह, प्रमोद सैनी,जितेंद्र जैन,दिवाकर शुक्ला ,जाहर सिंह पटेल, ओम स्वरूप सक्सेना, महेंद्र यादव, मुकुल श्रीवास्तव,सुधीर निरंजन, दीपक सक्सेना सौरभ श्रीवास्तव आदि कॉलोनी वासी उपस्थित रहे।

लेखपाल संघ चुनाव, इंद्रपाल अध्यक्ष, अभिषेक मंत्री निर्वाचित



बिलग्राम(अवधनामा संवाददाता)। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ की विलग्राम तहसील इकाई का शुक्रवार को चुनाव हुआ। जिसमें मंत्री पद के लिए वोट पड़े। बाकी सभी पदाधिकारी को निर्दिशेध निर्वाचित घोषित कर दिया गया।

जानकारी देते हुए चुनाव प्रेक्षक राहुल सिंह और चुनाव पर्यवेक्षक वीरेश राजपूत ने बताया इंद्रपाल कौनोंजिका को अध्यक्ष ,अजय कुमार को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, धीरज पंडे को निष्ठ उपध्यक्ष, विधित पाटक को उभमंजी, कंचन वर्मा को कोषाध्यक्ष और पूजा देवी को लेखापरीक्षक के पद पर निर्दिशेध निर्वाचित घोषित किया गया। मंत्री पद के लिए अभिषेक यादव और अंकित सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। जिसके लिए मत डाले गए। कुल 62 मत पड़े जिनमें से 34 मत अभिषेक यादव को प्राप्त हुए और 28 मत अंकित सिंह को प्राप्त हुए।

जिलाधिकारी ने की स्टार सन्दर्भों की समीक्षा

हरदोई (अवधनामा संवाददाता)। कलेक्ट्रेट कक्ष में जिलाधिकारी अनुबन्ध झा की अध्यक्षता में 1 अगस्त से 10 सितम्बर तक के स्टार संर्भों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने स्वयं आख्या का अवलोकन किया और शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता परखी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि शिकायत निस्तारण की गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाए। जांचकर्ता अधिकारी मौके पर अवश्य जाए तथा शिकायतकर्ता से संपर्क करे। स्टार सन्दर्भों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाये। भूमि विवाद के निस्तारण के लिए धारा 116 के मामलों को तेजी से निपटाय़ा जाये।

गिरवी सोना को बेचने वाले बैंक के शाखा प्रबंधक के खिलाफ वारंट जारी

अवधनामा संवाददाता

संभल। सम्भल निवासी नबी हसन ने अपने व्यापार को चलाने के लिए भारतीय स्टेट बैंक संभल में सोना गिरवी रखकर ऋण लिया था अनुबंध स्माफती से पूर्व ही बैंक ने उसका गिरवी रखा सोना बेचकर ऋण खाता बन्द कर दिया इसका पता उसे जब चला जब उसे सोने के आभूषण को जरूरत पड़ी तो वह बैंक गया और अपने गिरवी रखे सोने की मांग बैंक से की तो शाखा प्रबंधक द्वारा उसे बताया गया कि आपका गिरवी रखा सोना बेचकर ऋण खाता बन्द कर दिया गया है तब नबी हसन ने कहा कि अभी अनुबंध सम्पन्न नहीं हुआ है तो मेरा सोना अपने कैसे बेच दिया उसकी किसी भी बात का जवाब न मिलने पर उसने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिकार लावमेन वार्पणें से संपर्क किया और आप बीती बताइ तब उसकी ओर से जिला उपभोक्ता आयोग में परिवार दखिल किया गया जहां

उपभोक्ता आयोग द्वारा दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत आयोग ने बैंक शाखा प्रबंधक को उसके गिरवी रखे सोने जिसका वजन 49.800ग्राम या उसका बाजार मूल्य 78100 प्रति 10 ग्राम के हिसाब से 388938 रुपए उस पर परिवार संस्थान की तिथि से 9व बार्थक ब्याज सहित अंदर दो माह में अदा करें। आभूषणों की कीमत में से परिवारी द्वारा अपने ऋण खते में पूर्व में जमा धनराशि समायोजित कर शेष धनराशि परिवारी को अदा करे। इसके अलावा परिवारी को 25000रु मानसिक कस्ट एवं आर्थिक हानि की मद में तथा 5000 बाद व्यय की मद में अदा करे।

प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह से बंद करें नागरिक: मोहसिन

■ तालग्राम नगर पंचायत प्रशासन ने चलाया प्लास्टिक उन्मूलन अभियान

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। शासन के निर्देश पर स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पंचायत तालग्राम एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल के संयुक्त प्रयास से कस्बे में प्लास्टिक उन्मूलन अभियान चलाया गया। इस दौरान नगर पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बाजार क्षेत्र और प्रमुख मार्गों पर ध्रमण कर दुकानदारों व आमजन को जागरूक किया।

शुक्रवार को तालग्राम नगर पंचायत प्रशासन द्वारा सब्जी/बाजार शिवाजीनगर (कटरा) क्षेत्र में प्लास्टिक उन्मूलन अभियान चलाया गया। जिसमें समस्त दुकानदारों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करने एवं उसके स्थान पर कपड़े या जूट के थैले को प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही आने वाले



ग्राहकों से कपड़े/जूट के थैले को लेकर आने के लिए आग्रह करने को कहा गया जिससे पर्यावरण संरक्षण में सहयोग किया जा सके। वरिष्ठ लिपिक दीपक सबिता ने स्पष्ट कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न केवल पर्यावरण के लिए हानिकारक है, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। उन्होंने दुकानदारों को चेतावनी दी गई कि प्लास्टिक का उपयोग करने पर चालान काटा जाएगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। उधर

दूरभाष पर नगर पंचायत चेयरमैन मोहसिन खॉन जानू ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए प्लास्टिक उन्मूलन जरूरी है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में प्लास्टिक का उपयोग पूरी तरह से बंद करें और वैकल्पिक सामग्री अपनाएं। इस मौके पर अनुज कुमार, नितेश सिंह, गोकर्न सिंह, आमिर अंसारी, नरसिंह, रोहित पटेल, सर्वेश वर्मा, कार्यवाहक सफाई नायक संतराम आदि कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व सपा विधायक ने फीता काटकर किया जिम का उद्घाटन

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। नगर में स्वास्थ्य जागरूकता और फिटनेस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व सपा



विधायक अरविन्द सिंह यादव ने एक अत्याधुनिक जिम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में फिट रहना बेहद जरूरी हो गया है। युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य पर भी ध्यान देना चाहिए।

शुक्रवार को नगर के मोहल्ला गांधीनगर में पालिका चेयरमैन पूर्व प्रत्याशी/क्षेत्रिय नेता राजसिंह चौहान उर्फ छोटे ठाकुर के साथ टाइमनियम यूनिसेक्स जिम का उद्घाटन करने के उपरान्त पूर्व विधायक अरविन्द सिंह यादव ने कहा कि कहा शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए जिम जरूरी है। जब हमारी सरकार बनेगी तब हम बच्चों के लिए बहुत बड़ा जिम हाउस खोलेंगे। राजसिंह चौहान उर्फ छोटे ठाकुर ने कहा कि जिम खुलने से क्षेत्र के युवाओं और नागरिकों को फिटनेस

की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही नशे से दूर रहकर शरीर को स्वस्थ और तंदुरुस्त बनाने का यह उत्तम साधन है। युवा सपा नेता अजीम सिद्दीकी ने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से व्यायाम कर अपने स्वास्थ्य को संवारे और समाज को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रेरित करें। इससे पूर्व जिम संचालक दिलशाद मंसूरी ने पूर्व विधायक का स्वागत करते हुए बताया कि जिम में आधुनिक मशीनें, प्रशिक्षक और डाइट चार्ट की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस दौरान प्रधान प्रतिनिधि मो. हारून अहमद सिद्दीकी, गुड्डू मंसूरी, अमीर मंसूरी, इरशाद मंसूरी, तस्लीम वारसी, अमन खान, विकास गुप्ता, अर्पित शुक्ला, मुकीम खॉन, सलीम खान मौजूद रहे।

स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025 के तहत वॉकथॉन और साइकिल रैली का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

नई दिल्ली। 'स्वच्छता ही सेवा-2025' अभियान के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जन-जन को जागरूक करने तथा स्वच्छता का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से आज दिनांक



19.09.2025 को अंबाला मण्डल, दिल्ली मण्डल, जम्मू मण्डल व मुरादाबाद मण्डल में वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इस वॉकथॉन में मंडल के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

वॉकथॉन का मुख्य उद्देश्य सफाई के साथ-साथ लोगों को सेहत के प्रति जागरूक करना और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करना है। इस दौरान आम लोगों से स्वच्छता को अपनाने और पर्यावरण को बेहतर बनाने का आग्रह किया गया। इसके अतिरिक्त फिरोजपुर मण्डल में एक साइकिल रैली व मुरादाबाद मण्डल में साइक्लोथॉन का भी आयोजन किया गया। इस रैली में रेलवे अधिकारियों,

कर्मचारियों एवं उनके परिजनों ने शामिल होकर स्वच्छता के महत्व का संदेश आमजन तक पहुंचाया। स्वच्छता ही सेवा-2025' अभियान के तहत सभी स्टेशनों पर सफाई अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज लुधियाना, अमृतसर, जलंधर छावनी, चंडीगढ़ स्टेशनों पर गहन सफाई अभियान चलाया गया। स्वच्छता ही सेवा-2025' अभियान का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता को जन आंदोलन बनाना है, जिससे अधिक से अधिक लोग स्वच्छता के महत्व को समझें और स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित हों जिससे सभी एक नए भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।

सेवा पखवाड़ा अभियान के दूसरे दिन शिविर में दो दर्जन कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिवस पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मोदी जी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक भाजपा संगठन द्वारा चलाये जा रहे 'सेवा पखवाड़ा' अभियान के अन्तर्गत भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा जिलाध्यक्ष बालाराम गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित रक्तदान शिविर के दूसरे दिन युवा मोर्चा के 2 दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ सदर विधायक पंकज गुप्ता की उपस्थिति में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी द्वारा रक्तदान कर हुआ। तदोपरान्त युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रीतेश चौहान, नगर महामंत्री अमन गुप्ता, अनिल सिंह कुरील, सौरभ भदौरिया, प्रियम तिवारी, उद्देश्य कुमार, अमित द्विवेदी, दीपक गुप्ता, शालू श्रीवास्तव, चन्दन वर्मा एवं अमित ने रक्तदान किया। रक्तदान करने वाले सभी कार्यकर्ताओं को माला पहनाकर जिलाध्यक्ष अनुराग



अवस्थी और सदर विधायक पंकज गुप्ता ने सम्मानित किया। सदर विधायक ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल समाज ही नहीं बल्कि समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण की सराहना भी है। रक्तदान महानंद है और ऐसे कार्य समाज को सशक्त एवं जीवंत बनाते हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने स्वयं रक्तदान कर संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और सेवाभाव का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। उनका यह कदम हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है, जिसने यह संदेश दिया कि संगठन

में सभी कार्यकर्ता एक समान हैं और समाज की सेवा ही हमारा सबसे बड़ा दायित्व है। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री/युवा मोर्चा प्रभारी प्रवीण सिंह नूतन, श्रमिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक/रक्तदान अभियान प्रभारी नवीन सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष अवनीश गुप्ता, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बालाराम गुप्ता, जिला महामंत्री उदय प्रताप सिंह एवं अंकित यादव, जिला उपाध्यक्ष रीतेश चौहान एवं धीरज सिंह, अखिल गुप्ता, नगर महामंत्री भाजपा अमन गुप्ता, संतोष पाल, प्रत्यय गुप्ता, पंकज अवस्थी उपस्थित रहे।

सड़कों को गड्ढा मुक्त कराने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक कर जनपद की सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त कराने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी दो माह के भीतर जनपद की हर सड़क दुर्घट से मुक्त होनी चाहिए और इस कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग के सभी खंड, मंडी परिषद, जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत, नगर पालिका एवं नगर पंचायत, सिंचाई विभाग, विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंताओं को स्पष्ट

निर्देश दिया गया कि नगर क्षेत्र एवं ग्रामीण क्षेत्र के सड़कों के गड्ढा मुक्त समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित करें। इसी प्रकार खंड विकास अधिकारियों को आदेशित किया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को मनरेगा के तहत गड्ढा मुक्त कराया जाए। साथ ही लोक निर्माण विभाग और ग्रामीण अभियंत्रण विभाग को भी जिम्मेदारी दी गई कि प्रमुख मार्गों, संपर्क मार्गों और पंचायत क्षेत्र की सड़कों की मरम्मत तत्काल प्रभाव से शुरू की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सभी विभाग सड़क किनारे की झाड़ियों को कटान और सफाई का विशेष ध्यान रखें, ताकि यातायात सुचारू हो और दुर्घटनाओं को संभावना कम हो।

रामलीला भवन पर गणेश पूजन के साथ रामलीला का 173 वें वर्ष का मंचन प्रारंभ

अवधनामा संवाददाता

जालौन। नगर के ऐतिहासिक रामलीला भवन में 173वें श्रीरामलीला महोत्सव का शुभारंभ देर शाम वेदमंत्रोच्चारण और गणेश पूजन के साथ हुआ। गणेश पूजन आचार्य महेश अवस्थी द्वारा संपन्न कराया गया, जबकि समिति अध्यक्ष शशिकान्त द्विवेदी ने भगवान गणेश की स्थापना कर पूजा-अर्चना की और रामलीला के सफल मंचन के लिए भगवान हनुमान से आशीर्वाद की प्रार्थना की। इस बार में नगर में रामलीला का 173वां मंचन है। रामलीला का आयोजन समिति के मंत्री पवन चतुर्वेदी ने बताया कि इस बार रामलीला मंचन में उत्तर भारत के



प्रसिद्ध कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। 22 सितंबर को धनुष रत्न की लीला आकर्षण का केंद्र होगी, जिसमें परशुराम-लक्ष्मण संवाद विशेष रूप से मंचित किया जाएगा। 23 सितंबर को दिन में राम कलेवा का आयोजन रामलीला भवन में होगा। 25 सितंबर को नगर के ऐतिहासिक मुरली मनोहर तालाब पर श्रीराम-कलेवा संवाद और श्रीराम-भरत मिलाप

की लीला का मंचन होगा। 28 सितंबर को सीता की खोज और लंका दहन की लीला का मंचन होगा। 30 सितंबर को लक्ष्मण शक्ति और कालनेमि की माया का मंचन होगा। वहीं दो अक्टूबर को शाम पांच बजे से दशहरा मेला और रावण वध की भव्य लीला श्रीबाराही देवी मेला ग्राउंड पर आयोजित होगा। रामलीला मंचन में राम की भूमिका में मनोज तिवारी,

स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के तहत नगर पालिका अध्यक्ष ने नगर में चलाया सफाई अभियान

■ कैरीबैग व इस्टबीन बांट पालीथीन का प्रयोग न करने की अपील

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस (17 सितम्बर) से लेकर महात्मा गांधी जयंती (02 अक्टूबर) तक चल रहे स्वच्छतोत्सव स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत आज नगर पालिका परिषद द्वारा एक प्रेरणादायक स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। नगर के भरत मिलाप मैदान से प्रधानमंत्री के जन्मदिवस स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्वेता मिश्रा के नेतृत्व में नगर क्षेत्र में व्यापक सफाई एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पालिका की टीम और जनप्रतिनिधियों ने स्वयं सफाई अभियान में हिस्सा लिया। मैदान और आसपास की गलियों की साफ-सफाई कर लोगों को स्वच्छता का संदेश दिया गया। इसके बाद दुकानदारों और क्षेत्रवासियों को कपड़े के थैले, झोले और इस्टबिन



वितरित किए गए। लोगों को प्लास्टिक के कम से कम उपयोग और कचरे को अलग-अलग करने की आदत अपनाने का आग्रह किया गया। इस मौके पर पालिका अध्यक्ष श्वेता मिश्र ने कहा कि स्वच्छता केवल अभियान भर नहीं, यह हम सबकी जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने देश को स्वच्छ भारत का सपना दिया है, जिसे हमें अपने घर, मोहल्ले और शहर को साफ-सुथरा रखकर साकार करना है। मैं नगरवासियों से अपील करती हूं कि प्लास्टिक का प्रयोग कम करें और कचरे को अलग-अलग करके ही इस्टबिन में डालें। भाजपा नेता एवं पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि प्रवीण भानू मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री के संकल्प को धरातल पर उतारना हम सबकी

जिम्मेदारी है। नगर पालिका परिषद द्वारा लगातार सफाई और जागरूकता अभियान चलाया जाएगा ताकि उन्नाव शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाया जा सके। नगर पालिका परिषद् द्वारा नगरवासियों को स्वच्छ रखने के लिए एक जागरूकता स्वच्छता रैली का आयोजन किया गया। स्वच्छता रैली में शहर के रोडवेज बस स्टैंड पर नगर पालिका अध्यक्ष ने झाड़ू लगा साफ सफाई का संदेश देते हुए शहर के आड़बोपी चौराहे होते हुए हरदोई पुल के नीचे स्थित सब्जी मंडी तक निकली रैली में नगरपालिका अध्यक्ष व नगरपालिका के कर्मियों, कचरा इस्टबिन में डालने तथा नगर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने की अपील की।

नवागत पुलिस अधीक्षक उन्नाव ने की परिचय बैठक

उन्नाव (अवधनामा संवाददाता)। नवागत पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात पुलिस लाइन सभागार में सम्पन्न राजपत्रित अधिकारीगण, थाना प्रभारियों और शाखा प्रभारियों के साथ परिचय बैठक की। इस बैठक में उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया और अपने अनुभवों को साझा किया। तत्पश्चात पत्रकार वार्ता के दौरान उन्होंने जिले में लॉ एण्ड ऑर्डर कायम रखने की बात कही। श्री सिंह 1993 बैच के डिप्टी एसपी हैं जो 2013 बैच में आईपीएस पर प्रोन्नत हुए। जनपद इटावा के बाद बतौर एसएसपी/एसपी यह उनका दूसरा जनपद है। सीतापुर में वह बतौर एसपी कार्यरत रहे। श्री सिंह जनपद सुल्तानपुर के मूल निवासी हैं तथा इलाहाबाद यूनीवर्सिटी से शिक्षा ग्रहण की है। इससे पूर्व निवर्तमान पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर को समारोह पूर्वक विदाई दी गयी।

निर्माण कार्यों में मैनपावर और मशीनरी लगाकर तेजी लाने के निर्देश

उरई (जालौन) (अवधनामा संवाददाता)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आज निर्माणधीन तहसील उरई, आवासीय तहसील भवन चौरसी मोड़ तथा राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में बन रहे 50 शै्या कंक्रिटक केयर यूनिट ब्लॉक का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में तेजी लाने के लिए मजदूरों की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि समय की बर्बादी न हो और निर्धारित समय-सीमा के भीतर परियोजनाएं पूरी की जा सकें। उन्होंने कहा कि यह सभी निर्माण कार्य जनहित से जुड़े हैं, किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को चेतावनी दी कि निर्माण की गुणवत्ता पूर्ण और प्रत्येक कार्य मानकों के अनुरूप ही किये जायें। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि समयबद्ध ढंग से निर्माण कार्य पूरे होने पर आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा।

नवरात्रि व विजयदशमी को लेकर जालौन में पीस कमेटी की बैठक संपन्न



अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गाेश कुमार की अध्यक्षता में आगामी नवरात्रि और विजयदशमी पर्व के दृष्टिगत विकास भवन के रानी लक्ष्मीबाई सभागार में शांति समिति (पीस कमेटी) की बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान साफ-सफाई, पेयजल, बिजली और मार्गों की मरम्मत जैसी व्यवस्थाएं प्राथमिकता से पूरी की जाएं। साथ ही मूर्ति विसर्जन मार्गों पर बैरिकेडिंग, एम्बुलेंस तैनाती सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहार सामाजिक

सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने का लिया संकल्प, जिलाधिकारी संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

सौहार्द और भाईचारे का संदेश देते हैं, इसलिए सभी का दायित्व है कि शांति व सद्भाव बनाए रखें।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और सीसीटीवी व ड्रोन से सतर्क निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने आयोजकों से अपील की कि मूर्ति विसर्जन निर्धारित मार्ग और अनुमति शर्तों के अनुसार ही निकाले जाएं तथा ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग शासनार्देशों के अनुरूप किया जाए। बैठक में मौजूद धर्मगुरुओं और जनप्रतिनिधियों ने प्रशासन को आश्चस्त किया कि नवरात्रि और

विजयदशमी का पर्व परंपरागत ढंग से आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे प्रेमचंद्र मौर्य, अपर जिलाधिकारी न्यायिक योगेंद्र सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ नरेंद्र देव शर्मा, ज़ाइट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी नेहा ब्याडवाल, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, नगर पालिका और नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी सहित जनप्रतिनिधि, धर्मगुरु और व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

डीएम ने विद्युत विभाग की समीक्षा कर सुधार की दी चेतावनी

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। जिलधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में विद्युत विभाग की समीक्षा विकास भवन सभागार में की गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने रिवैम्पड योजना, स्मार्ट मीटरिंग, कृषि फीडर अलग, 1912 पर प्राप्त शिकायतें, विद्युत उपभोक्ताओं की सहायता हेतु जारी विभिन्न सेवाएं, बिजनेस प्लान सहित अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि विद्युत हेल्पलाइन में उपभोक्ताओं संबंधी जो शिकायतें आ रही हैं उनका गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करें शिकायतकर्ता की संतुष्टि होनी

चाहिए। पोर्टल पर अपलोड की जाने वाली आख्या गुणवत्तापूर्ण होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने की कार्यवाही प्राथमिकता के साथ की जाये। अधिक से अधिक टीम लगाकर स्मार्ट मीटर लगाए जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में स्मार्ट मीटर लगाए जाने की प्रगति में सुधार किया जाए। अधीक्षण अभियंता विद्युत ने बताया कि आरडीएस योजना में 10 नग कृषि फीडरों के अतिरिक्त अति आवश्यक 07 नग अन्य चरनिर्गत फीडरों का संयोजन कर अलग से कृषि फीडर का निर्माण कराया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि कृषि फीडरों के संबंध में प्राथमिकता के साथ आवश्यक कार्रवाई किया जाए।

पार्टी में पाएं रॉयल और वलासी लुक, ब्रोकेड पैट्स स्टाइल करने के खास टिप्स



अगर आप भी ब्रोकेड पैट्स स्टाइल करने का मन बना रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही स्टाइलिंग टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो ब्रोकेड पैट्स स्टाइल करने के समय बहुत काम आएंगे। ब्रोकेड पैट्स का अपना एक खास लुक होता है। जब आप पार्टी के लिए कुछ वेस्टर्न या फिर इंडो वेस्टर्न कैरी करना चाहती हैं, तो ऐसे में ब्रोकेट पैट्स को स्टाइल एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। ब्रोकेट पैट का लुक, टेक्सचर और डिजाइन और एलिंगेंट और क्लासी लुक देने में मदद करता है। इसलिए हर महिला और लड़की को इसको अपने वाइरोब में जरूर शामिल करना चाहिए। हालांकि महिलाएं एक स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट करने के लिए एक्सेसरीज का भी सहारा लेती हैं। लेकिन ब्रोकेट पैट्स खुद में ऐसा स्टाइल

स्टेटमेंट है, तो आपको एक्सेसरीज या फिर अन्य चीजों को लेकर ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं होती है। इन पैट्स की एक खासियत यह भी होती है कि आप इसको वेस्टर्न वियर के साथ भी पेयर कर सकती हैं। तो वहीं दूसरी तरफ यह इंडियन वियर के साथ भी काफी ज्यादा स्टनिंग लगते हैं। इसके लिए बस आपको सही तरह से इसे स्टाइल करने की जरूरत होती है। हालांकि ब्रोकेड पैट्स को स्टाइल करने के दौरान हम अपने लुक को ओवर कर देते हैं, जिस वजह से पूरा लुक खराब हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी ब्रोकेड पैट्स स्टाइल करने का मन बना रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही स्टाइलिंग टिप्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जो ब्रोकेड पैट्स स्टाइल करने के समय बहुत काम आएंगे।

टेक्सचर के साथ करें एक्सपेरिमेंट
ब्रोकेड पैट्स में एक रॉयल के साथ एलिंगेंट और क्लासी लुक पाने के लिए अपने टेक्सचर के साथ थोड़ा प्ले करें। ब्रोकेड पैट्स काफी रिच लुक देने का काम करती है। क्योंकि ये टेक्सचरई व थोड़ी शाइनी होती हैं। इसलिए अगर आपका अपर वियर का फैब्रिक ज्यादा हैवी या शाइनी है, तो इसमें आपका लुक थोड़ा अजीब लग सकता है। कोशिश करें कि आप अपर वियर के लिए साटन, सिल्क या शिफॉन जैसे फैब्रिक चुनें। अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आप ब्रोकेड में मोनोक्रोम लुक भी कैरी कर सकती हैं।

कलर्स का ध्यान रखें
आप भी भी ब्रोकेड पैट्स को पहनती हैं तो आपको ओवर ऑल लुक में कलर को बैलेंस्ड तरीके से कैरी करना चाहिए। इसके लिए

आपके वियर का कलर ऐसा होना चाहिए, जो आपकी पैट्स में भी शामिल हो। अगर आपकी ब्रोकेड पैट्स में रेड, गोल्ड या डीप ज्वैल टोन है, तो आप को-ऑर्डिनेट लुक के लिए भी ऐसी ही कलर को अपर वियर के लिए चुनें। वहीं

न्यूट्रल शेड्स में क्रीम, ब्लैक, बेज या ऑफ व्हाइट भी आपके लुक को खास बनाने का काम करेंगा।

फिटिंग में ना हो गड़बड़
हम अक्सर ब्रोकेड पैट्स में फ्लेयर्ड, स्ट्रेट या वाइड लेग को चुनते हैं। वहीं शार्प और क्लासी

लुक पाने के लिए आपको हमेशा फिटेट टॉप को अपने लुक का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे आपको फिनिश लुक मिलेगा और अगर आप हाई-वेस्ट ब्रोकेड पैट पहन रही हैं, तो ऐसी सिचुएशन में टॉप को अंदर की तरफ टक करना न भूलें।

हेयर फॉल से परेशान? 4 आसान स्टेप्स से पाएं छुटकारा, बाल होंगे मजबूत

खराब लाइफस्टाइल से हो रहे हेयर फॉल की समस्या पर जावेद हबीब ने 4 आसान प्री-कंडीशनिंग स्टेप्स बताए हैं। फेमस हेयर एक्सपर्ट के अनुसार, शैंपू से पहले इन दैनिक तरीकों को अपनाने से बालों का झड़ना रुकेगा और वे घने, मुलायम व मजबूत बनेंगे। यह जावेद हबीब हेयर केयर रूटीन बालों की देखभाल का नया तरीका सुझाता है।

खराब लाइफस्टाइल और खानपान के कारण आजकल हेयर फॉल की समस्या बढ़ती जा रही है। अगर आप कई चीजों में बदलाव लेकर आओगे तभी बाल झड़ने की समस्या खत्म हो सकती है। इन दिनों तवादा से ज्यादा बाल झड़ रहे हैं इस समस्या से हम सभी परेशान हैं। फेमस हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब ने काफी सिंपल तरीके से 4 आसान स्टेप बताएं जिनसे हेयर

समस्या
« **खराब लाइफस्टाइल और खानपान के कारण आजकल हेयर फॉल की समस्या बढ़ती जा रही है।**

बंद हो जाएंगे। सोलश मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक वीडियो बायरल हो रही है। इस पॉडकास्ट में हबीब हेयर केयर रूटीन के बारे में बता रहे हैं। इन स्टेप के फॉलो करने से घने, मुलायम और मजबूत बाल बन जाएंगे।

कैसे रोकें हेयर फॉल
बालों को हेल्दी रखना बेहद जरूरी है। हेयर फॉल को रोकने के लिए आप जावेद हबीब ने शैंपू से

पहले 4 जरूरी स्टेप बताए हैं, जिन्हें आप जरूर अजमाएं। ऐसा



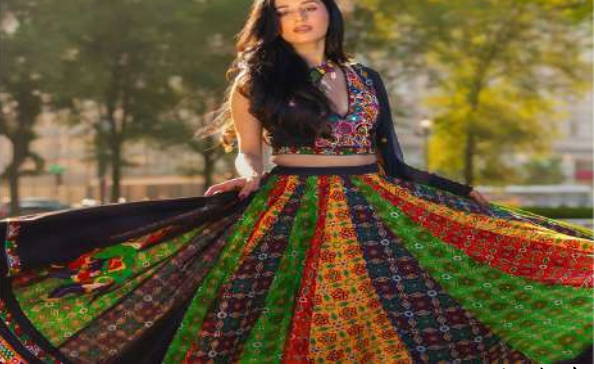
करने से आपके बाल घने, सॉफ्ट मुलायम और मजबूत बनें रहेंगे और बालों का झड़ना भी बंद हो जाएगा।

हेयर्स को रोज साफ जरूर करें
यदि आप बालों को झड़ना रोकना चाहती हैं, तो रोज साफ

करना जरूरी है। हालांकि बालों में रोज शैंपू की वजह से बाल खराब

होने लगते हैं। इसलिए रोजाना बालों को शैंपू से साफ करने से पहले इन 4 प्री कंडिशनिंग रूटीन को फॉलो करें। इन 4 स्टेप के बाद रोजाना रोजाना बालों में शैंपू ना सिर्फ बालों का क्लीन रखेगा और आपका हेयर फॉल भी रुक जाएगा।

डांडिया और गरबा नाइट्स के लिए घर बैठे पाएं ट्रेंडी लहंगा-चोली



आगामी शारदीय नवरात्रि 2025 के लिए डांडिया और गरबा नाइट्स की शानदार तैयारी हेतु, यह लेख अमेजन पर उपलब्ध लहंगा-चोली के बेहतरीन विकल्पों पर प्रकाश डालता है। पटोला और बंधनी प्रिंट के साथ सिल्क व तुसर सिल्क फैब्रिक में डिजाइनर चर्निया चोली के संग्रह से आप अपना रॉयल और आकर्षक लुक पा सकती हैं। दुर्गा पूजा के लिए भी ये आउटफिट्स उपयुक्त हैं।

लंबे समय से लोग नवरात्रि फेस्टिवल का इंतजार करते हैं। इस दौरान पूरे भारत में जगह-जगह पर

मां दुर्गा के पंडाल लगे होते हैं और इसके साथ ही लोग डांडिया और गरबा खेलने के लिए भी एक्साइटेट्ड रहते हैं। गरबा और डांडिया के लिए ट्रेंडिशनल आउटफिट जरूर चाहिए होती है। लहंगा-चोली पहनकर महिलाएं मूक्स और भी शानदार लगती हैं। अगर आप भी डांडिया नाइट्स की तैयारी में जुटी है और रॉयल लुक वाले लहंगा-चोली की तलाश कर रही हैं, तो यह लेख आपके लिए है। अमेजन एप से इन चर्निया चोली को जरूर खरीदें।

सिल्क लहंगा चोली सेट
डांडिया नाइट्स में जलवा

बिखरने के लिए आप ऑनलाइन शॉपिंग एप अमेजन से सिल्क फैब्रिक वाला लहंगा-चोली ले सकते हैं। पटोला प्रिंट और फॉइल वर्क इसको शानदार बना दिया है। यह डिजाइनर लहंगा चोली सेट बहुत ही खूबसूरत है। इसे आप लव्द ही खरीद लें।

यहां से खरीदें
अमेजन पर यह लहंगा बेहद ही खूबसूरत और आकर्षक लग रहा है। पटोला प्रिंट के साथ सिल्क फैब्रिक से बना लहंगा चोली और दुपट्टा डांडिया नाइट और गरबा के लिए एकदम परफेक्ट है। इसे चाहे आप दुर्गा पूजा में भी पहन सकते हैं।

बंधनी प्रिंट लहंगा चोली सेट
अगर आप भी गरबा और डांडिया नाइट्स में जाने का प्लान बना रहे हैं, तो आप अमेजन से बंधनी प्रिंट वाला लहंगा चोली को खरीद सकते हैं। यह लहंगा एकदम ट्रेंडी है जो तुसर सिल्क फोइल प्रिंट और बंधनी प्रिंट लहंगा चोली हैं, जिसे पहनकर आप काफी खूबसूरत नजर आएंगी।

आपकी सिंपल कुर्ती में चार चांद लगाएंगी लेटेस्ट सलवार डिज़ाइन

साथ पहनकर अपने लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। आप

ट्रेंडिशनल
« **हर लड़की को सलवार-सूट पहनना काफी ज्यादा पसंद होता है। सलवार सूट कैरी करने के बाद आपकी लुक ट्रेंडिशनल नजर आता है।**

ऑनलाइन या ऑफलाइन रेडीमेड यह सलवार खरीद सकती हैं। इसमें आपको फी साइज मिलता है। यह सलवार हर पैंटी टाइप पर फिट बैठती है। ऐसे में अगर आप भी सिंपल कुर्ती में अपने लुक को कंफर्टेबल और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ डिफरेंट स्टाइल वाली सलवार दिखाने जा रहे हैं, जिनको कैरी करके आप अपने

लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। आप

ट्रेंडिशनल
« **हर लड़की को सलवार-सूट पहनना काफी ज्यादा पसंद होता है। सलवार सूट कैरी करने के बाद आपकी लुक ट्रेंडिशनल नजर आता है।**

ऑनलाइन या ऑफलाइन रेडीमेड यह सलवार खरीद सकती हैं। इसमें आपको फी साइज मिलता है। यह सलवार हर पैंटी टाइप पर फिट बैठती है। ऐसे में अगर आप भी सिंपल कुर्ती में अपने लुक को कंफर्टेबल और स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ डिफरेंट स्टाइल वाली सलवार दिखाने जा रहे हैं, जिनको कैरी करके आप अपने

लुक को अट्रैक्टिव बना सकती हैं। आप



सकती हैं। पोंचू सलवार आपको 250 से 400 रुपये की कीमत में



आजकल पोंचू सलवार पैटर्न काफी ज्यादा ट्रेंड में है। इस सलवार का बॉटम नीचे से कम फैला होता है। आप इसको आसानी से पहनकर चल सकती हैं। पोंचू सलवार कैरी करने में भी काफी आरामदायक होती है। हालांकि इस सलवार का पूरा लुक प्लेन होता है और नीचे की तरफ कोई लेस का बॉर्डर लगावा सकती हैं। इस तरह से आपका लुक काफी ज्यादा स्टाइलिश नजर आता है। इस सलवार को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों जगहों से खरीद

आसानी से मिल जाएगी। इसके साथ आप मोजड़ी जूती कैरी कर सकती हैं।

चुन्नटदार एम्बॉयडरी सलवार
अगर आपको प्लेन कुर्ती के साथ अपने लुक को गार्जियस बनाना है, तो इसके लिए आप चुन्नटदार एम्बॉयडरी वाली सलवार जरूर खरीदें। आजकल यह सलवार काफी ज्यादा डिमांड में है। इस सलवार का नीचे का हिस्सा काफी ज्यादा सकरा होता है। अगर आप इस सलवार को शॉर्ट कुर्ती के साथ

कैरी करती हैं, तो इससे आपका लुक क्लासी नजर आता है। इस तरह की चुन्नटदार एम्बॉयडरी सलवार यंग गर्ल्स के लिए पहली पसंद होती है। ऑनलाइन में यह सलवार आपको 300 से 500 रुपये के बीच में मिल जाएगी। इसके साथ आप हाई हील्स फुटवियर कैरी कर सकती हैं।

श्रेड वर्क सलवार
अगर आपको अपना लुक एलिंगेंट रखना है, आप किसी भी सिंपल कुर्ती को कंस्ट्रक्ट कलर की श्रेड वर्क सलवार संग कैरी कर सकती हैं। यह सलवार आपको ब्यूटीफुल लुक देती है। इस सलवार का घेर एकदम नॉर्मल होता है और यह अधिकतर आपको कॉटन फैब्रिक में मिलती है। इस पर थ्रेड के साथ मिरर का भी वर्क होता है। ऐसे में इस सलवार का लुक काफी ज्यादा प्यारा लगता है। ऑनलाइन में यह सलवार 200 से 450 रुपये की कीमत में मिल जाएगा। आप इसके साथ राजस्थानी बीड्स वाली फ्लैट फुटवियर कैरी कर सकती हैं।

महंगे इलाज को कहें ना ! इन आदतों से पाएं एक्ने फ्री त्वचा

पिंपल्स की समस्या से आजकल हर कोई परेशान है। चाहे कितनी भी स्किन केयर कर लें और मेडिकल ट्रीटमेंट ले लें, लेकिन फिर भी पिंपल्स निकाल ही आते हैं। कई बार खान-पान के कारण से भी मुंहासे परेशान करते हैं। चेहरे को बेदाग बनाने के लिए केवल क्रीम या सप्सीमेंट्स जरूरी नहीं है इसके लिए आदतों को बदलना भी जरूरी है।

अक्सर चेहरे पर पिंपल्स बनें रहने से चेहरे की खूबसूरती को तो खराब होती ही है। बल्कि कॉन्फिडेंस भी कम हो जाता है। खराब जीवनशैली और गलत खानपान के कारण भी पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। कई बार तो लोग डॉक्टर से महंगे-महंगे ट्रीटमेंट करवाते हैं, लेकिन फिर भी पिंपल्स पीछ नहीं छोड़ते बाद में मुंहासे चेहरे पर आ ही जाते हैं। अब आप महंगे स्किनकेयर प्रोडक्ट ना लें इसकी बजाय अपनी रोजमर्रा की आदतों में बदलाव करें।

खान-पान पर विशेष ध्यान दें

अगर आपका गलत खानपान करते हैं और कुछ भी पेट भर के

खान-पान
« **चाहे कितनी भी स्किन केयर कर लें और मेडिकल ट्रीटमेंट ले लें, लेकिन फिर भी पिंपल्स निकाल ही आते हैं। कई बार खान-पान के कारण से भी मुंहासे परेशान करते हैं।**

खा लेते हैं, तो यह बंद कर दें। क्योंकि आपकी डाइट स्किन पर नजर आती है। अत्यधिक शुगर, डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, आदि), ऑयली और मसालेदार खाना एक्ने को बढ़ाते हैं। शरीर में चीनी सृजन को बढ़ाकर ऑयल प्रोडक्शन तेज करती है। जिससे दाने निकल आते हैं। इसके अलावा, आप डेयरी प्रोडक्ट जैसे कि दूध और मक्खन कुछ समय

के लिए बंद कर सकते हैं। हालांकि, दही खाना सेहत के लिए



अच्छ होता है।

नींद पूरी लें
यदि आप देर रात तक जागते हैं, फोन चलाकर रील्स देखते हैं, तो यह आदत बंद कर दें। देर रात जागने से पिंपल्स की समस्या बढ़ जाती है। रात को कम से कम 7-8 घंटे सोना चाहिए। सही नींद से शरीर की हीलिंग पावर बढ़ती है और स्किन भी रिपेयर होती है।

सही माइस्चराइजर यूज करें

कई लोग लगता है कि ऑयली या पिंपल्स वाली स्किन पर

माइस्चराइजर नहीं लगाना चाहिए। यह एक फिजूल बात है, आप ऑयल फ्री और नॉन-कॉमेडोजेनिक माइस्चराइजर लगा सकते हैं, जो पिंपल्स को भगा दें और स्किन को रिपेयर करें।

सनस्क्रीन जरूर लगाएं
धूप के कारण से स्किन पर पिंपल्स की समस्या और भी बढ़ जाती है। इसलिए एक्ने से बचने के लिए आप सनस्क्रीन जरूर

लगाएं। ऑयल फ्री सनस्क्रीन जरूर लगाएं।

एक्सरसाइज जरूर करें
अगर आप रोजाना वर्कआउट करते हैं या एक्सरसाइज करते हैं, तो आपका शरीर फिट रहता है और चेहरे पर ग्लो लाता है। आप योगा, वाक कर सकते हैं या फिर जॉगिंग कर सकते हैं। अगर आप जिम जाते हैं तो भी अच्छा है। क्योंकि पसीना निकलने से टॉक्सिंस बाहर निकल जाते हैं।

हाइजीन का ध्यान रखें
बार-बार गंदे हाथों से चेहरा को छूए नहीं है। हफ्ते में दो बार तक्रिए का कवर को बदलें या धोएं। क्योंकि तकिया का इस्तेमाल करने से बैक्टीरिया और धूल आपके चेहरे तक पहुंच सकते हैं।

हेल्दी स्केल्प होना जरूरी
एक्ने निकलने का सबसे बड़ा कारण ड्राई स्केल्प हो सकता है। डैंड्रफ या फंगल इन्फेक्शन से माथे और चेहरे पर छोटे-छोटे दाने निकल आते हैं। यदि आपके सिर में खुजली और खुसी है तो एंटी डैंड्रफ शैंपू का यूज करें।

साधारण साड़ी में जलवे बिखरने हैं, तो इन धांसू हैक्स को फॉलो करें

ज्यादातर महिलाएं कॉटन साड़ी को डेलीवियर के तौर पर पहन लेते हैं। लेकिन इसे अगर आप पार्टी के लिए वियर करना चाहती हैं, तो कुछ जरूरी टिप्स को जरूर फॉलो करें। सब आपके साड़ी स्टाइल देखकर दीवाने हो जाएंगे। इन आसान हैक्स को अजमाएं और अपनी सिंपल साड़ी को बनाएं एकदम रॉयल। भारतीय नारी सिर्फ साड़ी में ही सुंदर दिखती हैं। इस तरह से आपका लुक काफी ज्यादा स्टाइलिश नजर आता है। इस सलवार को आप ऑफलाइन या ऑनलाइन दोनों जगहों से खरीद



स्मार्ट तरीके से पहनेंगे तो आप भी पार्टी रेडी बन सकती हैं। आइए आपको कुछ अमेजिंग हैक्स बताते जा रहे हैं। सिंपल सी साड़ी को आप पार्टी रेडी बना सकते हैं। आप अपने ब्लाउज के डिजाइन के साथ कुछ एक्सेपेरिमेंटल जरूर करें। ब्लाउज के फ्रैबिक से लेकर नेकलाइन व स्टाइल का खास बनाया जा सकता है। कॉटन साड़ी के साथ आप रेशम,

ब्रोकेड, सीकेंस या एंज्वायड ब्लाउज को पहन सकते हैं। ब्लाउज के नेकलाइन में आप डीप बैक से लेकर बोट नेक, केप स्लीव्स डिजाइन को स्टाइल करें।

सिंपल सी कॉटन साड़ी के साथ आप स्टेटमेंट ज्वेलरी जरूर पहनें। स्टेटमेंट ज्वेलरी आपके स्टाइलिंग को जबरदस्त बना देगी। कॉटन की साड़ी के साथ सबसे ज्यादा दिखती साड़ी डिजाइन्ड ज्वेलरी बेहद प्यारी लगती है। जरा हटके लुक चाहते हैं, तो आप कुंदन और पोलकी ज्वेलरी को पहन सकते हैं। अगर साड़ी लुक को धांसू बनाना है तो आप ड्रैपिंग पर भी ध्यान दें। सिंपल कॉटन साड़ी को ड्रेप बेहतर ढंग से कर सकते हैं। यूनिफ स्टाइल से ड्रेप करना आपके स्टाइल को चेज कर सकता है। आप कॉटन साड़ी के साथ बेल्ट स्टाइल कर सकते हैं। इसके अलावा, आप पल्लू को करीने से प्लीट करके पिन करती हैं तो इससे आपको एक सलीकेदार लुक मिलता है।

वोडाफोन-आइडिया की याचिका पर 26 सितंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली।दूरसंचार क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वोडाफोन-आइडिया की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 26 सितंबर को सुनवाई करेगा। वोडाफोन-आइडिया ने साल 2016-17 तक के अतिरिक्त एजीआर को रद्द करने की मांग और इस संबंध में याचिका दायर की थी। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति के विनाय चंद्रन और न्यायमूर्ति एन बी अंजगरिया की पीठ ने दूरसंचार कंपनी की ओर से बरिख अधिकांश मुकुल रहेतारी और केंद्र की ओर से सालिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर करने के बाद याचिका पर विचार के लिए अगले शुक्रवार को तारीख तय की। कंपनी ने 8 सितंबर को एक नई याचिका दायर कर दूरसंचार विभाग को 3 फरवरी, 2020 के कटौती सत्यापन दिशानिर्देशों के अनुसार वित्त वर्ष 2016-17 तक की अवधि के सभी,तर्क बकाया का व्यापक पुनर्मूल्यांकन और समाधान करने का निर्देश देने का अनुरोध किया है। इस साल की शुरुआत में, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया

सहित दूरसंचार कंपनियों को झटका देते हुए, सर्वोच्च न्यायालय ने अपने 2021 के आदेश की समीक्षा करने से इनकार कर दिया था, जिसमें उनके द्वारा देय,तर्क बकाया की गणना में कथित गलतियों को सुधारने की उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता और कवि पी. वरवर राव की उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें उन्होंने जमानत की शर्तों में संशोधन की मांग की थी। राव 2018 के भीमा-कोरेगांव हिंसा मामले में आरोपी हैं। राव ने उस शर्त को हटाने की गुहार लगाई थी, जिसके तहत उन्हें ग्रेटर मुंबई क्षेत्र से बाहर जाने के लिए ट्रयाल कोर्ट से पूर्व अनुमति लेनी पड़ती है।

न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय विश्नोई की पीठ ने इस याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए मामला खारिज कर दिया। अदालत ने टिप्पणी की, सरकार उनके स्वास्थ्य का खयाल रखेगी या फिर वही अदालत जाए।

एआईएफएफ के संविधान मसौदे को सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी नई दिल्ली। एशियन फुटबॉल फेडरेशन और फीफा ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन को पत्र लिखकर 30 अक्तूबर तक अपना संविधान तैयार करने का आदेश दिया था, वरना एआईएफएफ को निलंबित करने की धमकी दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने कुछ संशोधनों के साथ एआईएफएफ (ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन) के संविधान के मसौदे को मंजूरी दे दी है। साथ ही फुटबॉल संस्था को इसे चार हफ्तों के भीतर आम सभा में अपनाने का निर्देश भी दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कल्याण चौबे की अध्यक्षता वाले एआईएफएफ के मौजूदा पदाधिकारियों के चुनाव को भी मान्यता दी है। सुप्रीम कोर्ट ने नए चुनाव की संभावना को खारिज कर दिया है क्योंकि मौजूदा पदाधिकारियों का कार्यकाल का सिर्फ एक साल बाकी है।

ट्रंप से हार बर्दाश्त नहीं कर पाई थीं कमला हैरिस अपनी किताब में किए कई चौंकाने वाले खुलासे

क्षमता
कमला हैरिस ने बताया कि उन्हें जो बाइडन की क्षमता पर कोई शक नहीं था, लेकिन 81 साल की उम्र में बाइडन थक गए थे।

वॉशिंगटन। कमला हैरिस ने बाइडन के साथ अपनी साझेदारी के बारे में अच्छी बातें लिखीं, लेकिन ऐसे भी आए गए, जब दोनों के बीच चीजें सही नहीं हुई। जब बाइडन को राष्ट्रपति पद की रेस से हटाने की बात चल रही थी तो कमला हैरिस ने बताया कि उस वक्त जो बाइडन की पत्नी ने उनसे पूछा था कि क्या वे हमारे साथ हैं? इन दिनों कमला हैरिस की लिखी



किताब की खूब चर्चा है, जिसमें राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान और कमला हैरिस के निजी जीवन को लेकर कई अहम खुलासे किए गए हैं। कमला हैरिस ने अपनी किताब 107 डेज में बताया है कि जब राष्ट्रपति चुनाव में उन्हें ट्रंप के सामने अपनी हार के बारे में पता चला तो उन्हें इस पर यकीन नहीं हुआ और लगा कि जैसे सब कुछ खत्म हो गया। कमला हैरिस ने किताब में लिखा है, मैं मुश्किल से सांस ले पा रही थी। हैरिस ने लिखा

ब्रिटिश खुफिया प्रमुख का यूक्रेन युद्ध को लेकर दावा- पुतिन शांति वार्ता के इच्छुक नहीं, बहका रहे हैं

सर्विस
वे हमें सिर्फ बहका रहे हैं। सीक्रेट इंटील्लिजेंस सर्विस के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने कहा कि पुतिन हमें अपने जाल में फंसा रहे हैं।

इस्तांबुल। ब्रिटेन की विदेशी खुफिया एजेंसी के प्रमुख ने शुक्रवार को कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन को लेकर शांति वार्ता करना चाहते हैं। ब्रिटेन की गुप्तचर एजेंसी एमआई6 के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने शुक्रवार को कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए बाचीत करना चाहते हैं, ऐसा कोई सबूत उन्हें नहीं मिला है। सर



रिचर्ड मूर पिछले पांच वर्षों से एमआई6 के प्रमुख हैं और सितंबर के अंत में वह अपना पद छोड़ रहे हैं। इस्तांबुल स्थित ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास में सीक्रेट इंटील्लिजेंस सर्विस के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने अपने विवादाि भाषण के दौरान कहा, इस बात का बिल्कुल भी कोई प्रमाण नहीं है कि पुतिन शांति वार्ता करना चाहते हैं। वे हमें सिर्फ बहका रहे हैं। सीक्रेट इंटील्लिजेंस सर्विस के प्रमुख सर रिचर्ड मूर ने कहा कि पुतिन हमें अपने जाल में फंसा रहे हैं। वह अपनी शाही इच्छा को हरसंभव तरीके से थोपना चाहते हैं। लेकिन

बानू मुश्ताक ही करेंगी मैसूरु दशहरा उत्सव का उद्घाटन, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

खारिज
शुक्रवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद मामले को खारिज कर दिया।

उनई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी, जिसमें मैसूर के दशहरा उत्सव के उद्घाटन समारोह में बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित करने के राज्य सरकार के फैसले को मंजूरी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस साल मैसूरु दशहरा उत्सव के उद्घाटन के लिए अंतर्राष्ट्रीय बुकर पुरस्कार विजेता बानू मुश्ताक को कर्नाटक द्वारा आमंत्रित किए जाने को चुनौती



देने वाली याचिका खारिज कर दी और पूछा कि राज्य क, ख और ग में अंतर कैसे कर सकता है। इस मामले में याचिकाकर्ताओं का कहना था कि गैर-हिंदू को परंपरागत पूजा-अर्चना का अधिकार देना अनुचित है। बता दें कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने पहले ही इस मामले को खारिज कर दिया था। सप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि दशहरा 22 सितंबर से शुरू हो रहा है, इसलिए मामले की तुरंत सुनवाई जरूरी है। उनका तर्क है कि एक गैर-

हिंदू द्वारा अग्रेश्वरी पूजा करना धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। जिसके बाद मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की थी। शुक्रवार को न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने संक्षिप्त सुनवाई के बाद मामले को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता एचएएस गौरव के वकील ने कार्यक्रम के उद्घाटन पर कोई विवाद नहीं जताया और उसे एक धर्मनिरपेक्ष गतिविधि बताया, लेकिन उन्होंने पीठ

भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा: रक्षा मंत्री राजनाथ



नई दिल्ली।1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है... लेकिन हमने इसे निर्यात नहीं माना है। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान देश की अर्थव्यवस्था में जवानों और किसानों की भूमिका की भी चर्चा की। रक्षा मंत्री आगे क्या कहा, आइए विस्तार से जानें। देश की सुरक्षा केवल सीमा पर लड़े गए

युद्ध से तय नहीं होती, बल्कि यह पूरे देश के लोगों के संकल्प और एकजुटता से तय होती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 के युद्ध के दिग्गजों से बातचीत में यह बात कही। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के जांबाजों के साथ बातचीत में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, -भारत अपने पड़ोसियों के साथ संबंधों के मामले में भाग्यशाली नहीं रहा है...

लेकिन हमने इसे निर्यात नहीं माना है। हमने अपनी निर्यात स्वयं तय की है... इसका एक उदाहरण ऑपरेशन सिंदूर है।- अपने संबोधन के दौरान रक्षा मंत्री ने देश के विकास में जवानों और किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में भी बात की।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हम पहलगाम की भयावह घटनाओं को नहीं भूले हैं और जब भी हम उन्हें

याद करते हैं, हमारा दिल भारी हो जाता है और मन क्रोध से भर जाता है। वहां जो हुआ उसने हम सभी को झकझोर दिया। लेकिन वह घटना हमारे मनोबल को नहीं तोड़ पाई।

राजनाथ सिंह ने कहा, -हमारे प्रधानमंत्री ने आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाने का संकल्प लिया जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। हमने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया और अपने दुश्मनों को दिखाया कि हमारा प्रतिरोध कितना मजबूत और शक्तिशाली है। हमारी पूरी टीम की ओर से दिखाए गए समन्वय और करिश्मे ने साबित कर दिया कि जीत अब कोई अपवाद नहीं है। जीत एक आदत बन गई है और हमें इस आदत को हमेशा बनाए रखना चाहिए। केंद्रीय

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कहते हैं, कोई भी युद्ध केवल युद्ध के मैदान में नहीं लड़ा जाता, बल्कि युद्ध में प्राप्त विजय पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का परिणाम होती है। 1965 के उस कठिन समय में, जब चारों ओर अर्निश्चिंतता और चुनौतियाँ थीं, देश ने लाल बहादुर शास्त्री के दृढ़ नेतृत्व में उन चुनौतियों का सामना किया। शास्त्री जी ने उस दौर में न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व प्रदान किया, बल्कि पूरे देश का मनोबल भी ऊंचाइयों तक पहुंचाया। उन्होंने एक नारा दिया जो न केवल हमारे दिलों में गूंजता है, जय जवान, जय किसान। इस एक नारे में हमारे वीर जवानों के सम्मान के साथ-साथ हमारे अन्नदाताओं का गौरव भी समाहित था. उन्होंने कहा, ‘‘हमारे

प्रधानमंत्री ने यह संकल्प लिया है कि इस बार आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।’’ पहलगाम आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, के जवाब में भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इसके तहत पाकिस्तान की ओर से नियंत्रित क्षेत्रों में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया।

इन हमलों के कारण चार दिनों तक भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुई। सिंह ने यह भी कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत स्वतंत्रता के बाद से अपने पड़ोसियों के मामले में बहुत भाग्यशाली नहीं रहा है।

कनाडा और मैक्सिको ने की अमेरिका की घेराबंदी, टैरिफ धमकियों के बीच संबंधों को मजबूत करने का किया एलान

मैक्सिको सिटी। कनाडा और मैक्सिको ने अमेरिकी राष्ट्रपति की व्यापारिक धमकियों के बीच आपसी व्यापार को मजबूत करने और मुक्त व्यापार समझौते (यूएसएमसीए) को बनाए रखने का संकल्प लिया। दोनों देशों ने समुद्री रास्तों से व्यापार बढ़ाने और अमेरिका पर निर्भरता घटाने की बात कही।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ से जुड़ी धमकियों के बीच कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी और मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लॉडिया शीनबाम ने गुरुवार को घोषणा की कि वे आपसी व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करेंगे। उन्होंने पश्चिमी गोलार्ध के सबसे अहम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जीवित रखने की बात कही। इस एफटीए की अगले साल समीक्षा होगी है। पश्चिमी गोलार्ध में उत्तरी और दक्षिणी अमेरिका, कनाडा, मैक्सिको और कुछ पश्चिमी

मुलाकात
कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है।

अफीकी हिस्से आते हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री बनने के बाद कार्नी का यह पहला मैक्सिको दौरा है। दोनों नेताओं की मुलाकात ऐसे समय में हुई है, जब क्षेत्र आर्थिक तनातनी से गुजर रहा है। मैक्सिको के राष्ट्रपति भवन में कार्नी

मीरवाइज की अवामी एवशन कमेटी सहित दो संगठनों पर जारी रहेगा प्रतिबंध



नई दिल्ली। दिव्खे हाईकोर्ट के दो अधिकरणों ने मीरवाइज उमर फारूक और मसरूर अब्बास अंसारी के संगठनों पर लगे प्रतिबंध को बरकरार रखा है। अदालत ने पेश किए गए सबूतों के आधार पर दोनों संगठनों को यूएपीए के तहत गैरकानूनी घोषित करने के केंद्र सरकार के फैसले को उचित माना। गुह मंत्रालय के मुताबिक, ये संगठन देशविरोधी गतिविधियों और आतंकी फंडिंग में शामिल रहे हैं। दिव्खे हाईकोर्ट के दो अलग-अलग अधिकरणों (डिव्यूनल) ने केंद्र सरकार की ओर जम्मू-कश्मीर के दो संगठनों पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा है। इन दोनों अधिकरणों की अध्यक्षता एक ही जज जस्टिस सचिन दत्ता ने की। उन्होंने कहा कि उनके सामने पेश किए गए दस्तावेजों और सबूतों से स्पष्ट है कि इन दोनों संगठनों को यूएपीए, 1968 के तहत गैरकानूनी घोषित करने का पूरा आधार मौजूद है। दोनों अधिकरणों ने समान आदेश में कहा, इस अधिकरण ने गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और उसके नियमों के तहत तय प्रक्रिया का पालन करते हुए सामने रखे गए दस्तावेजों और सबूतों का स्वतंत्र व निष्पक्ष मूल्यांकन किया है और यह स्पष्ट रूप से माना है कि इन संगठनों को यूएपीए की धारा 3 (1) के तहत गैरकानूनी संगठन घोषित करने का पर्याप्त कारण है। केंद्रीय गुह मंत्रालय (एमएचए) ने 11 मार्च को कश्मीर के अलगाववादी नेता मीरवाइज उमर फारूक के संगठन अवामी एक्शन कमेटी (एएससी) और शिया नेता मसरूर अब्बास अंसारी के संगठन जम्मू-कश्मीर इतेहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) को प्रतिबंधित कियाथा। उस समय मंत्रालय ने कहाथा कि एएससी और जेकेआईएम ऐसी गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल हैं, जो देश की अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। गुह मंत्रालय ने यह भी कहा था कि इन दोनों संगठनों के नेता और सदस्य गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए धन जुटाने, अलगाववादी और आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन देने जैसे कामों में शामिल रहे हैं, खासकर जम्मू-कश्मीर में।

रैली से संपत्ति को नुकसान हुआ तो करनी होगी भरपाई अदालत ने सरकार को नियम बनाने के दिए निर्देश

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने कहा कि राजनीतिक दलों को रैली या सभा करने से पहले सुरक्षा राशि जमा करनी चाहिए, जिससे सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान होने पर उसकी भरपाई की जा सके। कोर्ट ने राज्य सरकार को 24 सितंबर तक इस पर स्पष्ट दिशानिर्देश पेश करने को कहा है। यह फैसला अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया गया। मद्रास हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह राजनीतिक दलों की जमा सुरक्षा राशि वसूलने के लिए दिशानिर्देश बनाए, जब भी वे सार्वजनिक सभाएं या इस तरह के आयोजन करना चाहते हैं। इस राशि का उपयोग पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक व निजी संपत्तियों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए किया जाएगा। जस्टिस एन. सतीश कुमार ने अतिरिक्त लोक अभियोजक ई. राज तिलक ने कहा कि वह 24 सितंबर तक ऐसे दिशानिर्देशों की रिपोर्ट पेश करें, जो उन सभी राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों/संघों पर लागू हों, जो सार्वजनिक बैठकें, रैली आदि आयोजित करना चाहते हैं। कोर्ट ने यह निर्देश उन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए जारी किया, जिनमें राजनीतिक दलों के बड़े जमावड़ों के दौरान सार्वजनिक या निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। साथ ही इस तथ्य को भी ध्यान में रखा गया कि प्रभावित लोगों को अवसर हुए नुकसान की भरपाई नहीं मिल पाती। हालांकि, जज ने कहा कि तमिलनाडु संपत्ति (क्षति और हानि निवारण) अधिनियम, 1992 मुख्य रूप से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाने के लिए था, लेकिन इसे 1994 में संशोधित कर निजी संपत्तियों को भी इसके दायरे में लाया गया।



और शीनबाम ने हाथ मिलाया और फिर एकसाथ बैठक के लिए प्रवेश किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप वहां मौजूद नहीं थे। लेकिन उनकी व्यापार नीति और अर्निश्चिंतता इस मुलाकात के दौरान चर्चा का केंद्र बनीं। बैठक के बाद कार्नी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा, उत्तरी अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह देशों के बीच दशकों से चला आ रहा है।

जैश के बाद अब लश्कर के आतंकी ने खोली पाकिस्तान की पोल, ऑपरेशन सिंदूर में हुई तबाही को कबूला

दावा
पाकिस्तान की सरकार ने दावा किया था कि जिस इमारत को नष्ट किया गया, वह अब आतंकियों के लिए इस्तेमाल नहीं होती थी।

इस्लामाबाद। लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर कासिम ने कबूल किया है कि पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना के अभियान ऑपरेशन सिंदूर के तहत मुरिदके में लश्कर का मरकज तबाह हुआ था। इस ठिकाने में आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया जाता था। उसने यह भी कहा कि वह लश्कर के इस



मुख्यालय का देवारा निर्माण कर रहा है। जैश के बाद लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर कासिम ने पाकिस्तान की पोल खोल दी है। लश्कर कमांडर कासिम ने माना कि सात मई सुबह किए गए हमले में मुरिदके स्थित लश्कर मरकज को तबाह कर दिया गया था। उसने यह भी कहा कि इस आतंकी शिविर का पुर्ननिर्माण हो रहा है। हालांकि पाकिस्तान भारतीय सेना की कार्रवाई में हुए नुकसान को नकारता रहा है। कासिम ने कैमरे के सामने खड़े होकर

खंडहरों पर खड़ा हूं, जो हमले में नष्ट हो गया था। इसके पुर्ननिर्माण का काम चल रहा है। कासिम आगे यह भी कबूल करता है कि इस मस्जिद में कई मुजाहिदीन और तलबाने प्रशिक्षण हासिल किया और विजय हासिल की। मुरिदके, पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के शेखुपुरा जिले में स्थित एक शहर है। वीडियो में कासिम एक अश्रू निर्माण स्थल के सामने खड़ा दिख रहा है और कहता दिख रहा है, मैं मुरिदके में मरकज तैयबा के खंडहरों पर खड़ा हूं, जिसे (भारत के) हमले में नष्ट कर दिया गया था। अब इसका फिर से निर्माण हो रहा है। अख़्तर की रहमत से यह मस्जिद पहले से बड़ी बनेगी। कासिम ने यह भी कबूला कि इस नष्ट की गई मरकज तैयबा मस्जिद में कई आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया था, जिनमें मुजाहिद और तलबा (छत्र) शामिल थे और वे यहां से फुतह

(जीत) के लिए निकले। पाकिस्तान की सरकार ने दावा किया था कि जिस इमारत को नष्ट किया गया, वह अब आतंकियों के लिए इस्तेमाल नहीं होती थी। एक और वीडियो में लश्कर के इस आतंकी ने पाकिस्तान के युवाओं से अपील की कि वे मुरिदके में मरकज तैयबा में होने वाले ५दौर-ए-सुम्फा% नाम के प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हों। दौर-ए-सुम्फा एक आतंकी प्रशिक्षण कार्यक्रम है जिसमें धार्मिक सोच के साथ-साथ बुनियादी आतंकवादी प्रशिक्षण दिया जाता है। इसे जिहादी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी कहा जाता है। लश्कर का यह मुरिदके वाला शिविर उन नै आतंकी ठिकानों में शामिल था, जिन्हें भारतीय सेना ने सात मई की रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में की गई एक बड़ी कार्रवाई में तबाह कर दिया था।

जौनपुर/आजमगढ़/मैनपुरी/प्रयागराज

अवधनामा

लखनऊ, शनिवार, 20 सितम्बर, 2025

11

उपमुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन कारागार का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। उप मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश बृजेश पाठक के जनपद आगमन पर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) खेल एवं युवा कल्याण विभाग गिरीश चन्द्र यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, सदस्य विधान परिषद बृजेश सिंह प्रिंशु, विधायक बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र, शाहगंज रमेश सिंह, जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह, जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र, पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ, मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खांडिया सहित अन्य द्वारा पुलिस लाइन हेलीपैड पर पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इसके पश्चात् उप मुख्यमंत्री द्वारा पुलिस लाइन स्थित ट्रॉजिंट हॉस्टल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री के द्वारा निर्माण सामग्री की गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। उन्होंने उपयोग की गयी विद्युत सामग्री और



लिफ्ट आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने टाइल्स की फिनिशिंग का कार्य ठीक कराने के निर्देश कार्यदाई संस्था को दिए। उप मुख्यमंत्री के द्वारा मतापुर मलिन बस्ती का भ्रमण कर प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से वार्ता की गयी और बच्चों में चौकलेट भी वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता है कि सबसे अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को विभिन्न योजनाओं से आच्छादित करते हुए उनके जीवन स्तर को सुधारने का कार्य किया जाए, जिसके लिए शासन

प्रयासरत है। उप मुख्यमंत्री द्वारा जिला अस्पताल में जाकर इमरजेंसी वार्ड, महिला वार्ड, दवा वितरण कक्ष सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने अस्पताल में इलाज कराने आए लोगों से संवाद करते हुए अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली और सीएमएस को निर्देशित किया कि मरीजों से अच्छा व्यवहार करते हुए उनका समुचित इलाज किया जाए। दवा वितरण कक्ष में जाकर दवाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली गयी और निर्देशित किया गया कि सभी

आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहे। उन्होंने कहा कि रोस्टर के अनुसार नियमित बेडशीट बदली जाए। इसके साथ ही अभिलेख का रखरखाव ठीक से किया जाए। निर्माणाधीन कारागार के निरीक्षण के दौरान उन्होंने कारागार के मॉडल का अवलोकन करते हुए कार्यदायी संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर से श्रमिकों की संख्या, प्रयोग की जा रही सामग्री, कार्य की प्रगति आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि निर्धारित समयवधि में निर्माण कार्य पूर्ण करें। इस दौरान उपमुख्यमंत्री द्वारा चंदन

का पौधा लगाया गया तथा तथा श्रमिकों से संवाद करते हुए उनमें फल वितरित किया गया। उप मुख्यमंत्री द्वारा रसीला देवी, स्व0 अशोक और उर्मिला देवी को कन्या सहायता योजना के तहत ₹0 55000 की धनराशि का चेक और राजदेई को निर्माण कामगार मृत्यु व दिव्यांगता सहायता योजना के तहत ₹0 225000 को चेक और अन्य श्रमिकों को प्रशस्ति प्रमाण पत्र वितरण किया गया। उन्होंने निर्देश दिए श्रमिकों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। उन्होंने एक्सईएन पीडब्ल्यूडी को निर्देश दिया कि श्रमिकों के लिए 01 सप्ताह में शौचालय का निर्माण कराते हुए अवगत कराये। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, सहायक श्रमायुक्त देवव्रत यादव, चिकित्सा अधीक्षक, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य उपस्थित रहे।

दुर्गा पूजा को लेकर थाना बक्शा में शांति समिति की बैठक

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर,(बक्शा) दुर्गा पूजा पर्व के लिए थाना बक्शा परिसर में शांति समिति की बैठक हुई।थानाध्यक्ष विक्रम लक्षण ने पूजा समितियों को निर्देश दिए कि पंडालों में उचित व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे, और असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाए।दुर्गा पूजा पर्व को लेकर थाना बक्शा परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता थानाध्यक्ष विक्रम लक्षण ने की। उन्होंने पूजा समितियों के प्रतिनिधियों एवं स्थानीय लोगों को आवश्यक निर्देश दिए। थानाध्यक्ष ने कहा कि सभी पूजा पंडालों में उचित व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि डंडे बजाने का समय सुबह 7 से 10 बजे रात्रि रहेगा। सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने



होगे तथा पंडाल के अंदर होने वाले कार्यक्रम की पूरी जिम्मेदारी आयोजक समिति की होगी। पूजा कमिटी अपने सभी सदस्यों को पहचान पत्र निर्गत करेगी और 24 घंटे पूजा स्थल पर उपस्थिति सुनिश्चित करेगी।थानाध्यक्ष ने निर्देश दिया कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जाए। पुरुष एवं महिलाओं के लिए अलग-अलग कतार की व्यवस्था रहे। पंडाल के पास बाल्टी में बालू तथा फायर ब्रिगेड की व्यवस्था भी अनिवार्य रूप से की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अफवाह फैलाने वालों पर पैनी निगरानी रखी

जाएगी और शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में अभिनय सिंह, उ0नि0 रविन्द्र नाथ हे0का0 अमित सिंह, सूर्य प्रकाश यादव, मुंशी अखिलेश यादव, मुखिया संतोष कुमार उमर वैश्व , अंकीत जायसवाल, नीरज जायसवाल, अरविन्द्र सिंह, अंशू मोदनवाल, आशीष जायसवाल व्यापार मंडल अध्यक्ष सुनील साह, शशि प्रकाश, उमेश कुमार सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि, पत्रकार एवं पूजा समितियों के सदस्य उपस्थित थे।

रेलवे अंडरपास व ओवरब्रिज की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

○ जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार कर रहे हैं नौनिहाल

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर (मुंगराबादाशहपुर)। बादशाहपुर रेलवे स्टेशन के समीप पकड़ी गांव पूर्वी केबिन के पास वाराणसी, प्रयागढ़, लखनऊ रेल लाइन पर अंडरपास या ओवरब्रिज की मांग को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने जबरक प्रदर्शन किया। इसी दिन लाइन पर कहीं भी क्रॉसिंग, अंडरपास या ओवर ब्रिज नहीं होने से आठ से दस हजार से अधिक की आबादी प्रभावित हो रही है। लोगों को आवागमन में मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों में प्रधान बिंदु कुमार, पूर्व प्रधान जीत लाल विश्वकर्मा, संजय कुमार, बाबूलाल पाल, सनी गौड़, दिनेश तिवारी, गंगा प्रसाद पटेल, रमेश चंद, सुनील कुमार, थारे लाल यादव, कलेक्टर सिंह, मुन्वन्न अली, रमेश चंद, सुनील, पवन कुमार, पतिराम,



अजय कुमार, शिवकुमार व मोहनलाल आदि ने बताया कि रेलवे ट्रैक के सटा हुआ मंडी समिति होने के कारण पकड़ी, कमालपुर, रामपुर, शिवपुर, नारायनडीह, सुजनीडीह, कोदरू, सोहांसा, सुभाष नगर व तरहटी गांवों के हजारों किसानों का आवागमन सदैव बना रहता है।लोगों को रेलवे लाइन पार करने के लिए तरहटी रोड से प्रयागराज मार्ग से होते हुए लगभग 4 किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ता है। जबकि अंडरपास अथवा ओवरब्रिज बनने से यह दूरी 500 मीटर में सीमट कर रह जाएगी। स्कूली बच्चे, मोटरसाइकिल व साइकिल रेलवे ट्रैक पार करते समय अक्सर दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। बीते दो-तीन वर्षों में कई

कई बार उच्च अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को पत्र देकर गुहार लगाई गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई। ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे विभाग द्वारा गांव के सामने से अंडरपास बना दिया जाए तो ग्रामीणों को आवाजाही में काफी राहत मिलेगी।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि हमारी मांग पूरी नहीं होगी तो हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिम्मेदार अधिकारियों की होगी। स्कूली बच्चे अपनी जान जोखिम में डाल रेलवे ट्रैक पार कर स्कूल जाने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि रेलवे विभाग उनकी मांगों पर ध्यान दे और जल्द से जल्द अंडरपास या ओवरब्रिज का निर्माण करवाए।

धर्म परिवर्तन का आरोप लगने पर बजरंग दल ने किया हंगामा

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। फूलपुर क्षेत्र में पिछले दिनों ही एक दलित लड़की के धर्मांतरण का मामला सामने आया था अब एक बार फिर धर्म के नाम पर लोगों को बहकाने का आरोप लगा है। मामला फूलपुर के बौड़ाई के कटौता गांव का है । बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि गाँव में अवैध रूप से चर्च बनाकर गरीब दलित लोगों को लालच देकर उनका धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि गरीब लोगों को पैसों का लालच देकर कार्यक्रम में बुलाया जाता है और उनका धर्मपरिवर्तन किया जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि चर्च चंगाई सभा एग्रीकल्चर स्कूल से कनेक्ट है। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि गरीब लोगों को बाकायदा सेमिनार करके उन्हें चर्च में बुलाया जाता है और उन्हें हिंदू धर्म के खिलाफ भड़काया जाता है। और फिर बड़े पैमाने पर उनका धर्म



परिवर्तन कराया जाता है। हिंदू परिषद के कुछ कार्यकर्ताओं ने उनके कार्यक्रम में चोरी चुपके प्रवेश किया तो वहाँ का अड्डा सामने आया। इस मामले में कार्यकर्ताओं ने वहीं पहुंचकर हंगामा किया जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने दो लोगों को पूछताछ के लिए थाने ले कर आई । कार्यकर्ताओं का आरोप है कि ये लंबे समय से चल रहा है। इसके बाद कार्यकर्ता फूलपुर थाना पहुंचे और थाने में ही धरना देने लगे और जम कर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं का कहना है की जब तक इस मामले में आरोपित लोगों की गिरफ्तारी नहीं होती उनका प्रदर्शन चलता रहेगा।

जेल से बाहर आएगा मुख्तार का छोटा बेटा उमर

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। मुख्तार अंसारी का छोटा बेटा उमर अंसारी 27 दिन बाद जेल से बाहर आएगा। शुक्रवार को मां के फर्जी साइन मामले में उसे इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। उमर अंसारी इस समय कासमंज जेल में बंद है। उसे 3 अगस्त को अचानक उसकी जेल बदल दी। उमर को गाजीपुर से 673 किमी दूर कासंज भेजा गया था। करीब 11 घंटे बाद वहां पहुंचा। मामला मुख्तार अंसारी के खिलाफ गैरस्टर एक्ट में दर्ज मुकदमे से जुड़ा है। इसमें पुलिस ने 10 करोड़ रुपए की प्रापर्टी कुर्क की थी, जिसे छुड़ाने के लिए कोर्ट में अपील दाखिल की गई। इस मामले में अफसा अंसारी की तरफ से प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। कोर्ट ने इस पर शासकीय अधिवक्ता से रिपोर्ट



मांगी। शासकीय अधिवक्ता ने 11 जुलाई 2025 को संबंधित दस्तावेजों की जांच की। इसमें पता चला कि याचिका के साथ लगे दस्तावेजों पर अफसां अंसारी के हस्ताक्षर संदिग्ध हैं। मेसर्स विकास कंस्ट्रक्शन की पार्टनरशिप डीड पर मौजूद अफसा के हस्ताक्षर याचिका वाले दस्तावेजों से पूरी तरह अलग पाए गए। शासकीय अधिवक्ता ने रिपोर्ट में बताया कि अफसा वर्तमान में एक लाख की इनामी है। गाजीपुर और मऊ पुलिस ने उस पर 50-50 हजार का इनाम घोषित कर रखा है। उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस भी जारी है। ऐसे

में उसके द्वारा सीधे अदालत में याचिका दाखिल करना संदेह से परे नहीं था। मामले की जांच के बाद थाना मुहम्मदाबाद में उमर अंसारी और वकील लियाकत अली के खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस ने 3 अगस्त को लखनऊ से उमर को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। उमर और उसके वकील की जमानत के लिए परिवार ने अलग-अलग याचिका दायर की। 21 अगस्त को कोर्ट ने उमर अंसारी की और 22 अगस्त को वकील लियाकत अली की याचिका खारिज कर दी थी। लियाकत अली अभी गिरफ्तार नहीं हुआ है।

ववाहिता की हत्या, सिर पर गंभीर चोट

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के कुतुबपट्टी उर्फ अहियापुर गाँव में एक विवाहिता की हत्या हो गई। महिला के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और काफी खून बह रहा था। घटना रात करीब 1 से 2 बजे के बीच की बतायी जा रही है। हालाँकि परिजनों की इसकी जानकारी सुबह हुई है। फ़िलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई कर रही है। प्रास जानकारी के अनुसार फूलपुर थाना क्षेत्र के अहियापुर गाँव में रहने वाले रहने राजेंद्र विक्रमल है। कुछ दिनों तक गुजरात में रह कर कमाई करने के बाद वह वापस अपने गाँव आ गए और छोटा मोटा काम करके गुजारा करने लगे। उनकी पत्नी सुशीला और चार बेटियां और एक बेटा थे। सुशीला पास के ही लव कुश पब्लिक स्कूल में दाई का काम करती थी और जो कुछ पैसे मिलते थे उससे अपने परिवार का ध्यान रखती थी। सुशीला ने अपनी 2 बेटियों की शादी कर दी है अब घर पर दो बेटियां और इकलौता बेटा रहते हैं।

मत्स्य विभाग ने वेंडर्स से ऑनलाइन आवेदन मांगे

मैनपुरी (अवधनयामा संवाददाता)।सहायक निदेशक मत्स्य ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित निषादराज बोट सब्सिडी योजनान्तर्गत बुडेन फिशिंग बोट अथवा फाईबर रिइनफोर्सड लास्टिक बोट (एफ.आर.पी. बोट) जाल, लाइफ जैकेट एवं आइस बॉक्स की आपूर्ति हेतु अच्छी छवि की एजेंसी, वेंडर्स के इनपैनलमेंट हेतु ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किये गये हैं, इस हेतु इच्छुक एजेंसी, वेडर्स विभागीय बेवसाइट पर दि. 29 सितम्बर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं, आवेदन करने की प्रक्रिया, आवेदन के साथ सलन किये जाने वाले अभिलेख आदि का विस्तृत विवरण विभागीय बेवसाइट पर देखा जा सकता है, इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में विकास भवन स्थित सहायक निदेशक मत्स्य के कार्यालय से सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

जनता को गुमराह कर रहे हैं राहुल गांधी : अर्जुन राम



अवधनामा संवाददाता

○ संवैधानिक संस्थाओं का गला घोट रहे हैं राहुल गांधी

प्रयागराज। केंद्रीय राज्य मंत्री केंद्रीय कार्य संसदीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का प्रयागराज आगमन पर आर्य कन्या ड्रिगी कॉलेज मुंड्रीगंज में स्वागत किया। इस बीच कार्रवाई से वार्ता करते हुए केंद्रीय कार्य संसदीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बार-बार वोट चोरी के नाम पर झूठ बोलकर चुनाव आयोग के ऊपर गलत आरोप लगाकर देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। राहुल एक षड्यंत्र के तहत भारत के अंदर बांग्लादेश और नेपाल की जैसी स्थिति पैदा करना चाह रहे हैं। उन्होंने कहा जब जनता उन्हें नहीं जिता रही है तो लोकतंत्र की हत्या करके जबरन सत्ता पर काबिज होना चाह रहे हैं है। श्री मेघवाल ने कहा कि राहुल गांधी के नेत्रत्व में कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है इसलिए वह हताश और परेशान है। जब राहुल गांधी से उनके द्वारा लगाए गए आरोपी को प्रमाणित करने के लिए कहा जाता है

तो वह भाग खड़े होते हैं। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी के अनुसार उन्होंने पत्रकारों से कहा राहुल गांधी एक तरफ संविधान की बात को करते और दूसरी तरफ संवैधानिक संस्थाओं का गला घोट रहे हैं और बदनाम कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी का इतिहास रहा है अपने फायदे के लिए संविधान की हत्या करना इसका प्रमाण है पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी अपना चुनाव बढ़ाने की खातिर देश के अंदर आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की और संविधान की हत्या की। मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि इस अवसर पूर्व सांसद रीता बहुगुणा जोशी, एम एल सी सुरेंद्र चौधरी, प्रवक्ता राजेश केसरवानी, कुमार नारायण, पूर्व पार्षद विजय पुरांवानी, अतुल खन्ना, अजय अग्रहरी, शत्रुघ्न जायसवाल, गौरी शंकर वर्मा पार्षद अजय हेला मनु कक्कड प्रमाणित करने के लिए कहा जाता है

चिकित्सक सम्मान समारोह का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ



अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। ग्रामीण चिकित्सक सामाजिक एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस एवं चिकित्सक सम्मान समारोह का आयोजन शहर के हरिऔध कला भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्वांचल के तमाम जिलों से ख्याति प्राप्त एवं रजिस्टर्ड चिकित्सक शामिल होकर अपनी एकजुटता का प्रदर्शन किए। जहां कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर अतिथि पहुंचे डॉक्टर मनोज यादव, डॉक्टर सीमा पाण्डेय, समाजसेवी गोविन्द दुबे द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण चिकित्सकों ने मंच के माध्यम से मान

सम्मान हक अधिकार के लिए सरकार से रजिस्टर्ड सेंट या सरकारी डॉक्टरों से प्रशिक्षण दिलाकर सही तरीके से जनता की सेवा करने की मांग की है। प्रदेश अध्यक्ष डा0 अजय जैसवारा ने कहा कि जिस दिन ग्रामीण चिकित्सक निचेले स्तर पर कार्य करना बन्द कर देंगे, उस दिन सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था चमरा जायेगी। प्रदेश सचिव डॉक्टर संतोष से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करते है। ऐसे लोगों का इलाज यहीं ग्रामीण चिकित्सक कम पैसे में करते है। प्रदेश उपाध्यक्ष डा0 अनिल सरोज ने कहा कि जिस तरह बिहार सरकार के ग्रामीण चिकित्सकों को अपने प्रदेश में प्रशिक्षण प्राप्त कर प्राथमिक उपचार करने का प्रमाण दिया।

वीर अब्दुल हमीद की याद में रेड ईगल साइकिलिंग अभियान शुरू

○ किमी की यात्रा करेगी 16 सदस्यीय टीम, ब्रिगेडियर ने दिखाई हरी झंडी

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। शहीद वीर अब्दुल हमीद की याद में प्रयागराज से गाजीपुर तक रेड ईगल साइकिलिंग अभियान की शुरुआत शुक्रवार सुबह हुई। 1965 भारत-पाक युद्ध की डायमंड जुबली के अवसर पर आयोजित इस विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ प्रयागराज के पुराना कैंट स्थित वीर अब्दुल हमीद द्वार से किया गया। इस अभियान को ब्रिगेडियर नवाब अली खान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान में शामिल 16 सदस्यीय टीम 231 किलोमीटर की दूरी तय कर 22 सितंबर को गाजीपुर जिले के धनुपुर स्थित वीर अब्दुल हमीद पार्क पहुंचेगी। चार दिनों तक चलने वाली यह यात्रा 19 से 22 सितंबर तक चलेगी। अभियान का उद्देश्य लोगों को 1965 के युद्ध में भारत की जीत और वीर अब्दुल



हमीद के बलिदान की गाथा से अवगत कराना है। असल उत्तर की जंग में सीक्यूएमएफ अब्दुल हमीद ने दुश्मन के कई टैंक ध्वस्त कर दिए थे और अपने सर्वोच्च बलिदान के लिए उन्हें मरणोपरांत पद्मवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। साइकिलिंग यात्रा के दौरान यह टीम अलग-अलग स्थानों पर रुककर स्थानीय लोगों से बात करेगी और वीर अब्दुल हमीद की बहादुरी की कहानी साझा करेगी। इस यात्रा से नई पीढ़ी में देशभक्ति और बलिदान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया जाएगा। प्रतिभागियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य का भी पूरा

खयाल रखा गया है। यात्रा के दौरान टीम के साथ एक एम्बुलेंस लगातार चलेगी, जिसमें चिकित्सक और प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। रेड ईगल डिवीजन के इस आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में खासा उत्साह है। उन्होंने इसे शहीद की स्मृति को जीवित रखने वाला और समाज को प्रेरणा देने वाला कदम बताया है। 22 सितंबर को दोपहर 12 बजे यह अभियान गाजीपुर के धनुपुर स्थित वीर अब्दुल हमीद पार्क में विशेष समापन समारोह के साथ समाप्त होगा।

म्यूचुअल फंड प्रवाह से भारतीय बाजार में बड़ी गिरावट दली, जेफरीज की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। जेफरीज की रिपोर्ट मेंदावा किया गया है कि भारतीय शेयर बाजार को बड़े पैमाने पर म्यूचुअल फंड निवेशों का सहारा मिल रहा है। यह भारी निकासी के बावजूद बड़ी गिरावट को रोक रहे हैं। जेफरीज का अनुमान है कि अगले 12 महीनों में बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर की सप्लाई आएगी। भारतीय शेयर बाजार को बड़े पैमाने पर म्यूचुअल फंड निवेशों का सहारा मिल रहा है। यह भारी निकासी के बावजूद बड़ी गिरावट को रोक रहे हैं। जेफरीज की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार अगर म्यूचुअल फंड से लगातार इनफ्लो न होंगे, तो मार्केट में आपूर्ति की अधिकता से भारी गिरावट आ सकती थी।

बाजार में 50 से 70 अरब डॉलर के निवेश की उम्मीद
रिपोर्ट में कहा गया है कि साल के शेष हिस्से में भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रहेगी क्योंकि म्यूचुअल



फंड इनफ्लो लगातार इकट्ठी सप्लाई को अवशोषित कर रहे हैं। जेफरीज पिछले पांच महीनों में 21 अरब डॉलर का इनफ्लो हुई दर्ज वित्त वर्ष की शुरुआत 1 अप्रैल से 21 अरब डॉलर की दर से शुरू करते हुए एक मजबूत सुरुआत का काम कर रहे हैं। हालांकि निकट भविष्य में इकट्ठी की आपूर्ति में कमी आने की संभावना नहीं है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि अगर अचानक गिरावट नहीं आई

जरिए आए हैं। एसआईपी से बाजार के लिए

मजबूत सुरक्षा कवच
विशेषज्ञों का कहना है कि ये एसआईपी फ्लो, जिसमें निवेशक हर महीने तय राशि निवेश करते हैं, बाजार में सप्लाई को प्रति माह 6 से 10 अरब डॉलर की दर से अवशोषित करते हुए एक मजबूत सुरक्षा कवच का काम कर रहे हैं। हालांकि निकट भविष्य में इकट्ठी की आपूर्ति में कमी आने की संभावना नहीं है। इसमें अनुमान लगाया गया है कि अगर अचानक गिरावट नहीं आई

एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने सेफ सेकंड अकाउंट पेश किया



लखनऊ। आज डिजिटल भुगतान दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। किराना स्टोर से लेकर शॉपिंग मॉल्स, ओटोटी सब्सक्रिप्शन, टैवल की बुकिंग, यूटिलिटी बिल और ऑनलाइन शॉपिंग आदि सभी का भुगतान यूपीआई के माध्यम से किया जा रहा है। इससे जहाँ एक तरफ लोगों की सुविधा बढ़ी है, तो दूसरी तरफ ऑनलाइन धोखाधड़ी का जोखिम भी काफी ज्यादा हो गया है, जिसमें फिशिंग, जाली ऐप, स्मि स्वीप और अनधिकृत लेन-देन आदि शामिल हैं। इसलिए ग्राहकों को भुगतान करने के साथ मन की शांति प्रदान करने के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने सेफ सेकंड अकाउंट शुरूआत की है। यह भुगतान करने का ज्यादा स्माट और सुरक्षित तरीका है। यह ग्राहकों को अपनी मुख्य बचत सुरक्षित रखने में समर्थ बनाता है। वो रोजमर्रा के भुगतान के लिए अपने सेकंड अकाउंट के रूप में एयरटेल

पेमेंट्स बैंक का खुलकर उपयोग कर सकते हैं।प्रत्येक डिजिटल लेनदेन के साथ मूल बचत को जोखिम में डालने के बजाय, ग्राहक दैनिक खर्च के लिए एयरटेल पेमेंट्स बैंक के सेफ सेकंड अकाउंट का उपयोग कर सकते हैं। इस तरह, मुख्य बचत खाता धोखाधड़ी से सुरक्षित रहता है। सेफ सेकंड अकाउंट के निम्नलिखित फायदे हैं एयरटेल थैंक्स ऐप द्वारा तुरंत अकाउंट खुल जाता है। पैसे पर 6.5* प्रतिशत तक का ब्याज मिलता है (नियम व शर्तें लागू)जिरो मिनिमम बैलेंस रखने की सहूलियत मिलती है।यूपीआई के साथ सुगम एकीकरण हो जाता है।15,000 रुपये तक के फायदों के साथ ईकोफ्रेंडली डेबिट कार्ड मिलता है। बिल भुगतान और रिचार्ज विकल्पों का पूरा संग्रह प्राप्त होता है।अनुब्रत बिस्वास, एमडी एवं सीईओ, एयरटेल पेमेंट्स बैंक ने कहा, “डिजिटल पेमेंट्स ने भारत में पैसे का प्रबंधन करने का तरीका बदल दिया है। लेकिन सहूलियत के साथ सुरक्षा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी आती है।

रीलिज़म फिल्म्स ने प्रस्तुत की द डर्टी रकाई ओ पी श्रीवास्तव की नई डॉक्युमेंट्री अंतरिक्ष मलबे के बढ़ते संकट पर सख्त चेतावनी

लखनऊ। पुराने हो चुके उपग्रहों से लेके रॉकेट के टुकड़ों एयर अनियंत्रित टुक़रों तक पृथ्वी की कक्षा तकनीक का कब्रिस्तान बनती जा रही है। यह डॉक्युमेंट्री मेगा कॉन्स्टेलेशन जैसे स्टार लिंक और वनवेब द्वारा उत्पन्न भीड़भाड़ को उजागर करती है। और चेतावनी देती की अगर यह भीड़भाड़ जारी रही तो 'केसलर सिंड्रोम' जैसे भयावह हालात पैदा हो सकते हैं जहाँ टकराव की शृंखला पृथ्वी की कक्षा को अनुपयोगी बना देगी। यह डॉक्युमेंट्री विश्व सरकारों, निजी अंतरिक्ष कंपनियों और विश्व नागरिकों से अपील करती है की इस बढ़ते संकट का सामान अभी करें वरना अंतरिक्ष भी धरती जैसी पर्यावरण त्रासदी का शिकार हो जाएगा। निर्देशक ओ पी श्रीवास्तव कहते हैं कि आसमान साफ दिख सकता है लेकिन अंतरिक्ष हज़ार दिन गंदा होता जा रहा है दुनिया अंतिम सीमा (फाइनल फ्रंटियर) पर कब्ज़े की दौड़ में है पर पीछे छोड़े जा रहे कचरे के बारे में कोई नहीं सोच रहा।

मिन्ना का विंग फैशन फेस्टिवल लेकर आ रहा है 15,000 से भी ज्यादा ब्रांड्स

कानपुर/लखनऊ। मिन्ना जो देश के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल प्लेटफॉर्म में से एक है ने अपने प्रमुख आगोजन विंग फैशन फेस्टिवल की घोषणा की है। यह उत्सव फैशन और आत्म-अभिव्यक्ति का एक भव्य जश्न है, जो अब लाइव हो चुका है।बीएफएफ इस साल के संस्करण में 15,000 से अधिक ब्रांड्स की 40 लाख से ज्यादा स्टाल्स शामिल होगी, जिनमें अंतरराष्ट्रीय, घरेलू, स्थानीय और डी2सी ब्रांड्स शामिल हैं। यह कलेक्शन फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल की विविधता को दर्शाता है, जो दशम्बर के मेट्रो और नॉन-मेट्रो शहरों के लाखों ग्राहकों को आकर्षित करेगा।पहली बार ग्राहक बीएफएफ के दौरान एम-नाउ के जरिए लोहरी शॉपिंग का आनंद ले सकेंगे। मिन्ना अन्य शहरों में भी एम-नाउ की क्षमता को बढ़ा रहा है ताकि ग्राहकों को अंतिम समय की खरीदारी में कोई प्रेशाना न हो। एम-नाउ के तहत 600 से अधिक ब्रांड्स के 90,000 से ज्यादा एक्सेक्यूस उपलब्ध होंगे, जिससे हर मौके के लिए पसंदीदा ब्रांड्स समय पर मिल सकें।

जेन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड का आईपीओ बुधवार, 24 सितंबर को खुलेगा



जेन रिसोर्स रीसाइक्लिंग लिमिटेड बुधवार, 24 सितंबर, 2025 को अपने इकट्ठी शेयरों के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए बोली/प्रस्ताव खोलेगी।12 रुपये अंकित मूल्य वाले इकट्ठी शेयरों के इस कुल निर्गम का आकार 1,250 करोड़ रुपये (12,500 मिलियन) है। इसमें 500 करोड़ रुपये (5,000 मिलियन) का नया निर्गम (फिंश इश्यू) और 750 करोड़ रुपये (7,500 मिलियन) का बिक्री प्रस्ताव शामिल है। बिक्री प्रस्ताव में प्रमोटर शेयरधारक, कमलेश जैन द्वारा 715 करोड़ रुपये (7,150 मिलियन) और, मयंक पारेख द्वारा 35 करोड़ रुपये (350 मिलियन) तक के शेयर शामिल हैं। इस इश्यू के लिए प्रति इकट्ठी शेयर ग्राइस बैंड 220 से 232 रुपये तय किया गया है।एंकर निवेशक बोली की तारीख मंगलवार, 23 सितंबर, 2025 होगी। बोली/प्रस्ताव शुक्रवार, 26 सितंबर, 2025 को बंद हो जाएगा। बोली 2 रुपये अंकित मूल्य वाले कम से कम 64 इकट्ठी शेयरों और उसके बाद 64 इकट्ठी शेयरों के गुणकों में लगाई जा सकती है।यह इकट्ठी शेयर कंपनी के 18 सितंबर, 2025 को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, तमिलनाडु और अंडमान, चेन्नई के पास दाखिल किए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के माध्यम से पेश किए जा रहे हैं।

राजीव आचार्य साहित्यमहोपाध्याय उपाधि से अलंकृत



नई दिल्ली। हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज में आयोजित एक समारोह में राजीव आचार्य को साहित्यमहोपाध्य की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति श्री अनीस कुमार गुप्ता रहे। समारोह के मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति श्री अनीस कुमार गुप्ता ने हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज का आभार जताया। उन्होंने कहा कि हिंदी समाज की भाषा है। हमें हर स्तर पर हिंदी के विकास में योगदान देना चाहिए । इस अवसर पर राजीव आचार्य ने हिंदी के महत्व और उसके उपयोग पर प्रकाश डालते हुए हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज का आभार व्यक्त किया । उन्होंने कहा कि हिंदी ही

एकमात्र ऐसी भाषा है जिसमें सबको समहित करने की क्षमता है । विश्व के किसी भाषा में वह अनुभूति नहीं है जो हिंदी में है । हिंदी प्रेमियों के लिए स्वामी विवेकानंद की का धर्म संसद में दिया गया संबोधन एक प्रेरणा है , जिसे भारत के पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपайई ने भी अद्भुत स्वरूप दिया। इस अवसर पर प्रोफेसर लालता प्रसाद यादव ने हिंदी को अनिवार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया। समारोह की शुरुआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन से की गई ।समारोह में हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज के प्रधानमंत्री श्री कुंतक मिश्र , शेफमणि पांडेय , प्रोफेसर लालता यादव, प्रोफेसर सरोज सिंह आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह का संचालन हिंदी साहित्य सम्मेलन प्रयागराज के शेफमणि पांडेय ने की।

OPPO India के पोर्टफोलियो पर ग्रांड फेस्टिव सेल शुरू हुई



नई दिल्ली। OPPO India ने त्योहारों की खुशी बढ़ाते हुए अपनी सबसे बड़ी फेस्टिवल सेल, ‘पे 0, वरी 0, विन ’10 लाख’ पेश की है। इस सेल के अंतर्गत ग्राहकों को 19 सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच OPPO की सभी डिवाइस पर बेहतरीन ऑफर मिलेंगे, जिनमें नई लॉन्च की गई ख31 सीरीज और Reno14 सीरीज भी शामिल हैं। ये ऑफर OPPO ई-स्टोर, फ्लिपकार्ट और अमेज़न पर उपलब्ध होंगे। OPPO फेस्टिव सेल में ग्राहकों को कई एक्सक्लुसिव बनेफिट्स का लाभ मिलेगा, जिनमें जीरो डाउन पेमेंट, इंटेरेस्ट-फ्री ईएमआई, इंस्टेंट कैशबैक,

आकर्षक एक्सचेंज स्कीम और 10 लाख या 1 लाख रुपये के कैश पुरस्कार के साथ OPPO की लेटेस्ट डिवाइस जीतने का मौका शामिल है। OPPO व्टुडूखट्टु के हेड-पीआर एंडकम्युनिकेशंस, गोलडी पटनायक ने इन ऑफरों के बारे में बताया कि, “OPPO में हम हम त्योहारों को अपने ग्राहकों के लिए खास बनाना चाहते हैं। हम पूरी तरह से अपने ग्राहकों पर केंद्रित रहकर काम करते हैं, और यह ग्रांड फेस्टिव बोनांजा हमारे ब्रांड में भरोसा करने के लिए उनके प्रति हमारा हार्दिक अभिनंदन है। फेस्टिव शॉपिंग के दौरान ज्यादा लाभ ज्यादा खुशी प्रदान करता है। इसलिए

हमने अपने ऑफर आकर्षक डील, डिस्काउंट और रिवाइड के साथ पेश किए हैं। हमारी डिवाइस अलग-अलग मूल्यवर्गों में बेजोड़ इयूरैबिलिटी, आधुनिक एआई कैमरा क्षमताएं और बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करती हैं। इसलिए वो भिन्न-भिन्न श्रेणी के ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं। माई OPPO दीवाली रैफल बेहतरीन रिवाइड्स के साथ और ज्यादा खुशी देने के लिए डिज़ाइन किया गया है। हमें उम्मीद है कि हमारे ये ऑफर ग्राहकों को त्योहारों का हर क्षण कैप्चर करने, शेयर करने और खुशी से मनाने में समर्थ बनाएंगे।”

ब्रांड की फिलॉसफी, ‘मेक योर मूमेंट’ के अनुरूप, OPPO क्रांति की अपनी प्रतिबद्धता के साथ ऐसे उत्पाद पेश करता है, जो टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन के साथ वास्तविक दुनिया के लिए इयूरैबिलिटी भी प्रदान कर सकें। सुविधाजनक अपग्रेड कल्पनों और भरोसेमंद सर्विस के साथ OPPO ग्राहकों को त्योहारों का पूरा आनंद लेने में समर्थ बनाता है।

एक गाना, जो सुनकर लगता है कि लहर आपको स्पर्श करके चली गई: रश्मिल असवाल ने पेश किया पानी की लहर

नई दिल्ली। कहने लगा की सफलता के बाद, गायक-गीतलेखक और बहुआयामी कलाकार, रश्मिल असवाल ने अपना नया सिंगल, पानी की लहर पेश किया है। यह उनके अगले पाँच गीतों, प्यार, टुकड़ों में... आदि की प्रौद्यौ में दूसरी रिलीज़ है। इसमें उस प्यार की गहराई में उतरा गया है, जो एक लहर की तरह प्रतीत होता है, शांत लेकिन समा लेने वाला।

अपनी बेहतरीन सिनेमैटिक मेलोडी और ड्रम की जबरदस्त ताल के बीच, पानी की लहर बहुत विशाल और अंतरंग गीत है। इस गीत के बोल बिल्कुल लहर की तरह प्रतीत होते हैं, जिनका स्पर्श पहले तो बहुत कोमल महसूस होता है, फिर यह एक विशाल साउंडस्केप में तब्दील हो जाता है, जिसमें गीत का भावनात्मक वजन प्रतिबिंबित होता है। इसका निर्माण अखिल जोसेफ ने किया है तथा इसके बोल रश्मिल असवाल ने लिखे हैं। यह ट्रैक बहुत ही विकसित और गहरा है। मूल में यह गाना नाजुक और अनछुआ है, जो रश्मिल की हृदयस्पर्शी आवाज़ में पेश किया गया है। इसमें “‘मैं नदियों में पत्थर, तेरा प्यार है झरना, ये पड़ता जो मुझपर तभी आकरा मैं लूँ” जैसे रूपक निखरकर आए हैं। जिस प्रकार पानी से पत्थर को आकार मिलता है, उसी प्रकार संगीत और शब्द मिलकर हमें एहसास कराते हैं कि प्यार किसा प्रकार हमें चब बना देता है, जो हमें होना चाहिए।

इस गीत के बारे में रश्मिल ने कहा, “पानी की लहर के साथ मैं प्यार की सबसे अधिक अनकही तीव्रता पेश करना चाहता था। यह प्यार केवल सहन पर नहीं रहता है, बल्कि आपको गहराई में तब तक उतारता है, जब तक आप खामोशी में इसका वजन और सुंदरता को महसूस नहीं करने लगते। आप ऐसे शक्ति के लिए समर्पित हो जाते हैं, जो आपसे बहुत बड़ी है। वह शक्ति, तो आपको पूरी तरह से बदल देती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह गाना ही नहीं, बल्कि यह पूरी कहानी बहुत पसंद आएगा। हमने इसे अपने म्यूज़िक वीडियो द्वारा जीवंत करने की कोशिश की है, ताकि श्रोता इसमें अपनी खुद की भावनाओं को महसूस कर सकें।”

लघु व्यवसाय ऋण में मजबूत वृद्धि, उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय औसत से आगे: क्रिफ-सिडबी लघु व्यवसाय रिपोर्ट

मुंबई। क्रिफ हाई मार्क और सिडबी ने पहली बार क्रिफ-सिडबी लघु व्यवसाय रिपोर्ट 2025 का अनावरण किया है। यह अध्ययन भारत के लघु व्यवसाय ऋण पारिस्थितिकी तंत्र का एक अनुत्थ और समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है—जिसमें न केवल उद्यम बल्कि एकल स्वामित्व वाले व्यवसाय भी शामिल हैं—तथा देशव्यापी विकास के रक्षण, क्षेत्रीय एवं सेक्टरल वितरण, ऋणदातन पैटर्न, पोर्टफोलियो गुणवत्ता और उपरतरे जोखिमों का मानचित्रण करता है।

मुख्य निष्कर्ष
मजबूत ऋण वृद्धि- जून 2025 तक, 50 करोड़ तक के ऋण एक्सपोजर के साथ वाणिज्यिक ब्यूरो को रिपोर्ट किए गए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम व्यवसायों का कुल बकाया पोर्टफोलियो 36.8 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जो जून 2021 से जून 2025 के बीच 21.8% की

‘चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर’ दर्शाता है।

खसेगमेट गतिशीलता- एकल स्वामित्व वाले व्यवसाय (संस्था पंजीकरण के साथ और बिना) बकाया लघु व्यवसाय ऋण का 75% से अधिक और सक्रिय ऋणों का 85% से अधिक हिस्सा रखते हैं। उद्यमों ने 24.7% वर्ष दर वर्ष की खसे तेज़ पोर्टफोलियो वृद्धि दर्ज की।

ऋणदाता परिदृश्य- निजी बैंकों का उद्यमों को ऋण देने में (मूल्य आधार पर) सबसे बड़ा बाज़ार हिस्सा है (34.4% POS), जबकि एनबीएफसी एकल स्वामित्व वाले व्यवसायों को ऋण देने में अग्रणी हैं (42.4% बकाया मूलघन) और सभी उधारकर्ता श्रेणियों में निरंतर विस्तार कर रहे हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक 10 लाख से कम के ऋण में अब भी अग्रणी बने हुए हैं लेकिन उनके समग्र बाज़ार हिस्से में गिरावट

आई है।

एक्सपोजर आकार और उत्पाद मिश्रण- 10 लाख तक के एक्सपोजर बैंड सक्रिय ऋणों का 72.5% हिस्सा बनाते हैं, लेकिन बकाया मूल्य का केवल 17.8%। बिज़नेस लोन और ‘संपत्ति के बदले ऋण’ मिलकर कुल ऋण का आधा हिस्सा हैं, जिनमें LAP में सबसे मजबूत वृद्धि दिखी है।

सेक्टर रूझान- छोटे उद्यमों में सेवा सेक्टर का एक्सपोजर हिस्सा जून 2023 के 25.6% से बढ़कर जून 2025 में 27.8% हो गया, जिससे यह विनिर्माण (मैन्यूफैक्चरिंग) सेक्टर से आगे निकल गया, जो 21% वर्ष दर वर्ष की दर से बढ़ा। व्यापार (ट्रेड) सेक्टर के हिस्से में मामूली गिरावट देखी गई।

पोर्टफोलियो गुणवत्ता- राष्ट्रीय PAR (जोखिमप्रस्त पोर्टफोलियो) 91-180 जून 2023 के 1.8% से सुधारकर जून 2025 में 1.5% हो

गया। अति निम्न जोखिम वाले उधारकर्ताओं का हिस्सा उद्यमों में 46.5% से बढ़कर 54.2% और एकल स्वामित्व वाले व्यवसायों में 34.7% से बढ़कर 40.0% हो गया।

जून 2024 से जून 2025 के बीच लघु व्यवसाय ऋण में शीर्ष 10 राज्यों ने मजबूत वार्षिक वृद्धि दर्ज की, जिसमें उत्तर प्रदेश 20.7% के साथ अग्रणी रहा, इसके बाद तेलंगाना (19.7%) और राजस्थान (18.6%) का स्थान रहा। महाराष्ट्र 6.0 लाख करोड़ के बकाया ऋण के साथ सबसे बड़ा बाज़ार बना हुआ है, जबकि तमिलनाडु, गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक पोर्टफोलियो आकार के आधार पर शीर्ष पांच में शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश का लघु व्यवसाय पोर्टफोलियो 20.7% वर्ष दर वर्ष की वृद्धि के साथ 3.6 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जो राष्ट्रीय औसत से आगे है।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 99.60 प्रतिशत के दावा निपटान अनुपात के साथ रही उद्योग में अग्रणी



गोरखपुर। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस ने अप्रैल 2025 से जून 2025 की अवधि के लिए 99.60 प्रतिशत के दावा निपटान अनुपात की घोषणा की जो उद्योग में उच्चतम स्तर है। उल्लेखनीय है कि बिना जर्ज-पड़ताल वाले मृत्यु दावे (डेथ क्लेम) के निपटान का औसत समय केवल 1.1 दिन था।आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ में, हर दावे को बेहद गंभीरता सेलिया जाता है और प्रक्रिया तेज़ी से पूरी की जाती है। यह वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में उद्योग में सबसे अधिक

99.60 प्रतिशत के दावा निपटान अनुपात से स्पष्ट होता है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल 406.89 करोड़ के मृत्यु दावों का निपटान किया। एआई और मशीन लर्निंग आधारित तकनीकों के साथ डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाकर हम दावों का शीघ्र और कुशलतापूर्वक निपटान कर पा रहे हैं।कंपनी क्लेम फॉर श्योर सेवा पहले के तहत, सभी दस्तावेज़ प्राप्त होने के एक दिन के भीतर सभी पात्र दावों का निपटान करने का वादा करती है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में, कंपनी ने इस पहल के तहत कुल 74.72 करोड़ की दावों का निपटान किया है।कंपनी की डिजिटल प्रणाली दावेदारों को दावे दर्ज करने और उन्हें आसानी से ट्रैक करने में मदद करती है।

प्रेस्टीज ने पेश किया नया मल्टी-कुकर PMC 4.0 स्टाइल और सुविधा का बेहतरीन संगम



नई दिल्ली। भारत के अग्रणी किचन अप्लायंस ब्रांड टीटीके प्रेस्टीज ने अपना नया प्रेस्टीज मल्टी-कुकर PMC 4.0 पेश किया है। यह स्टाइलिश और स्माट डिज़ाइन आज के व्यस्त शहरी जीवन के लिए होम कुकिंग का एक तेज़, बहुआयामी और आसान समाधान लेकर आया है।

इस मल्टी-कुकर की क्षमता 1.5 लीटर है और यह मिनटों में सूप, नूडल्स, पास्ता, चावल और अंडे तैयार कर सकता है। आकर्षक कांच का ढक्कन (स्टील किनारों के साथ), सटीक तापमान नियंत्रण और 360 डिग्री घूमने वाला बेस इसे बेहद सुविधाजनक और स्टाइलिश बनाते हैं। यह रोज़ाना के भोजन से लेकर वीकेंड पर किए जाने वाले किचन एक्सपेरिमेंट्स तक, हर जरूरत के लिए परफेक्ट है। इसके साथ दिया गया अंडा उबलाने वाला रैक लोग के तौर पर भी काम करता है, जिससे स्वास्थ्य के प्रति जागरूक स्टीम आसानी से पौष्टिक भोजन सकते हैं। छोटा और सुविधाजनक प्रेस्टीज मल्टी-कुकर खासतौर पर युवा पेशेवरों, छात्रों और छोटे परिवारों के लिए आदर्श है, जो एक ही डिवाइस में कई काम पूरे करना चाहते हैं। स्टे-कूल हैंडल और डिप्पा हुआ हीटिंग एलिमेंट इसे रोज़मर्रा के इस्तेमाल के लिए सुरक्षित बनाते हैं। साथ ही, इसका आधुनिक और आकर्षक डिज़ाइन किचन काउंटर को भी खूबसूरत बनाता है। प्रेस्टीज मल्टी-कुकर PMC 4.0 का एमआरपी (बिक्रय मूल्य) 2,995 रुपये है, जबकि यह बाजार में 2,245 रुपये के ऑफ़रटिंग मूल्य पर उपलब्ध है। इसके साथ एक साल की वारंटी भी दी जा रही है। ग्राहक इसे प्रमुख रिटेल स्टोर्स, प्रेस्टीज एक्सक्लूसिविआ आउटलेट्स और सभी ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल्स से खरीद सकते हैं।

भैंसहां घाट पर बनेगा पक्का पुल, पिपराइच से कप्तानगंज तक सड़क होगा चौड़ीकरण

◉ **दो प्रमुख मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से मिले सांसद कुशीनगर, मिला आश्वासन**

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। नारायणी नदी के उस पार रेता क्षेत्रवासियों के लिए खुशखबरी है। दर्जनों गांवों की समस्या को देखते हुए कुशीनगर के लोकप्रिय सांसद विजय कुमार दुबे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर उनका दर्द सुनाया, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने तत्काल नारायणी नदी के भैंसहां घाट पर पक्का पुल बनाने को हरी झंडी दे दी। इसकी खबर मिलते ही लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई।

सांसद कुशीनगर विजय कुमार दुबे ने मुख्यमंत्री से मिलकर अपने लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं से अवगत करायी जिसमें खड्डा क्षेत्र के नारायणी नदी उसपार दर्जनों गांवों व महाराजगंज जनपद के दर्जनों



मुख्यमंत्री से समस्याओं को लेकर वार्ता करते सांसद विजय कुमार दुबे

गांव का आवागमन हेतु सुविधा नहीं है। वाल्मिकीनगर जंगल होकर बिहार के रास्ते 40 किमी तय करके नदी पार आना जाना पड़ता है। बरसात के समय नदी में पानी बढ़ जाने के कारण रास्ता बंद हो जाता है।

पिछले वर्ष बाढ़ के समय खड्डा क्षेत्र में आपके आगमन के समय भैंसहां घाट पर पक्का पुल निर्माण का रेता क्षेत्रवासियों को आश्वासन मिला था। इसके अलावा गोरखपुर से हो रहे चौड़ीकरण निर्माण

पिपराइच तक के निर्माण को भारी ट्रैफिक देखते हुए पिपराइच से कप्तानगंज तक चौड़ीकरण निर्माण को बढ़ाया जाय मांग शामिल है। सांसद के दोनों मांगों पर मुख्यमंत्री ने आश्वासन देते हुए कहे कि गोरखपुर पिपराइच निर्माण को आगे बढ़ने दें, कप्तानगंज तक पूरा करेंगे और पक्के पुल पर भी आश्वासन दिए। सांसद द्वारा मुख्यमंत्री के समक्ष इन दो प्रमुख मांगों के आश्वासन मिलने के बाद लोगों में खुशी का माहौल है।

पशु तस्करी : लापरवाही में दो इन्स्पेक्टर समेत 24 पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। पशु तस्करी पर कार्रवाई में लापरवाही पाए जाने एडीजी जोन मुथा अशोक जैन के निर्देश पर कुशीनगर जिले के दो प्रभारी निरीक्षकों समेत 24 पुलिस कर्मियों को लाइन जाहिर कर दिया गया है। यह कार्रवाई एडीजी के देर रात फोरलेन के थानों व चौकियों के निरीक्षण के बाद की गई है। एडीजी ने गोरखपुर लौटने के बाद एएसपी को आदेश दिया कि तत्काल इन सभी की पुलिस लाइन में आमद करा दी जाए। भोर तक सभी पुलिसकर्मियों ने पुलिस में आमद कर भी ली।

पशु तस्करी का नेटवर्क ध्वस्त नहीं कर पाने को लेकर कुशीनगर के एसपी संतोष कुमार मिश्र को गुरुवार को हटाकर प्रदेश के पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया था। इसके बाद

◉ **एडीजी जोन ने फोरलेन पर थानों व चौकियों के निरीक्षण के बाद यह कार्रवाई की**

देर शाम को एडीजी जोन मुथा अशोक जैन ने जिले में फोरलेन के सभी थानों व चौकियों का निरीक्षण किया। तैनात पुलिसकर्मियों से उन्होंने पशु तस्करी पर कार्रवाइयों को लेकर पूछताछ भी की।

एडीजी के लौटने के बाद आदेश आया कि कसया थाने के प्रभारी निरीक्षण अमित शर्मा, दरोगा गौरव शुक्ला, हवलदार राजेश कुमार सिंह, सिपाही राहुल कुमार पांडेय, तरया सुजाना थाने के दरोगा अनुराग शर्मा, अरविंद कुमार, सिपाही नवनीत कुमार सुजाना थाने के दरोगा मंगेश मिश्र, हवलदार सतीश चंद, सिपाही सुधीर कुमार यादव, डब्बू कुमार, बृजेश

यादव व अजय तिवारी, तमकुही राज थाने के प्रभारी निरीक्षक सुशील कुमार शुक्ला, दरोगा अर्सलाम अहमद व सिपाही मोहित कुमार उपाध्याय, खड्डा थाने के सिपाही शशिकेश गोस्वामी, पटहरवा थाने के दरोगा पवन कुमार सिंह, हवलदार फूलचंद चौधरी, श्याम सिंह यादव व सिपाही अर्जुन खबरवार तथा एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग सेल में तैनात हवलदार विनोद कुमार यादव को लाइन हाजिर कर दिया गया है। एडीजी कार्यालय से एसएपी विनेश कटियार को आदेश दिया गया कि शुक्रवार की सुबह होने से पहले सभी पुलिस कर्मियों की पुलिस लाइन में आमद करा लें। इसके बाद सुबह होने से पहले सभी पुलिसकर्मियों ने लाइन में आमद भी कर ली है।

राष्ट्र प्रेम का प्रतीक है मोदी का जीवन : गिरीश चन्द्र तिवारी



अवधनामा संवाददाता

देवरिया। भाजपा द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जन्मदिवस तक चलाये जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन पर आधारित बालिका विद्यालय, टाउनहाल में लगी नमो प्रदर्शनी के दूसरे दिन राजकीय इंटर कालेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित गिरीश चन्द्र तिवारी ने उपस्थित लोगों और छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र के प्रति प्रेम के प्रतीक है, सामान्य परिवार में जन्मे नरेंद्र मोदी बाल्यकाल से ही समाज

सेवा में जुट गए,देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत के गांव-गरीब-किसान को आर्थिक रूप से मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण योजनाओं को चलाकर सफल बनाया है। जिलाअध्यक्ष किसान मोर्चा/प्रदर्शनी संयोजक पवन कुमार मिश्र ने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाकर समाज के सभी वर्गों के हित के लिए विभिन्न कार्यक्रमो का आयोजन कर रही है। इसी क्रम में प्रदर्शनी के दूसरे दिन राजकीय इंटर कालेज के छात्र-छात्राएं प्रदर्शनी में सम्मिलित हुई है, मोदी जी के जीवन वृत्त से प्रेरणा लेकर उपस्थित छात्र-छात्राएं समाज और देश और समाज की सेवा करने के लिए प्रेरणा लेंगे।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा मॉक ड्रिल कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

गोण्डा। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन में जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण जिलाधिकारी कार्यालय के द्वारा जनपद के समस्त तहसील (गोण्डा सदर- ‘एस0सी0पी0एम0 मेडिकल कालेज, हारीपुर लखनऊ रोड, गोण्डा, हारीपुर लखनऊ-पुनगी ट्रेजरी कार्यालय, मनकापुर बाजार, करनैलगंज-तहसील कार्यालय, करनैलगंज, तरबगंज-ग्राम रैतादल सिंह तहसील तरबगंज, गोण्डा) में समस्त तहसील के उपजिलाधिकारी/तहसीलदार की उपस्थिति में आग, भूकम्प, रासायनिक, बिल्डिंग गिरने आदि से राहत व बचाव विषयक पर मॉक ड्रिल करवाया गया। जनपद मुख्यालय पर नगर मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में ‘एससीपीएम मेडिकल कालेज में मॉक ड्रिल का स्ट्रेजिंग एरिया बनाया गया। जहां पर



भूकम्प/अग्नि सुरक्षा केन्द्र, मनुष्य एवं पशु चिकित्सालय/मेडिकल कैम्प के प्रबन्ध के साथ ही पंडाल की समुचित व्यवस्था की गई। इसके साथ ही स्ट्रेजिंग एरिया में आवश्यक समस्त व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराई गईं। इस मौकड़िल का उद्देश्य वास्तविक आपदा की स्थिति में तैयारियों का मूल्यांकन करना एवं विभिन्न विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना है।इसके अतिरिक्त, कर्मचारी, छात्र एवं आमजन को भूकम्प अथवा आग लगने पर त्वरित एवं सुरक्षित निकासी की प्रक्रिया का प्रशिक्षण।

पूर्व सूचना एवं चेतावनी

सायरन/घंटी/लाउडस्पीकर के माध्यम से आपदा की घोषणा। निकासी प्रक्रिया सभी प्रभागियों को निर्धारित आपात मांगों से सुरक्षित स्थान तक ले जाया जाएगा समूह एकत्रीकरण सुरक्षित स्थान पर उपस्थिति दर्ज कराई जाएगी, जिससे कोई व्यक्ति छूटा न रहे। मॉक ड्रिल के दौरान आग बुझाने एवं भूकम्प से बचाव के नवीनतम उपकरणों का प्रदर्शन। आम जनता को -ड्रॉप, कवर एवं होल्ड- (भूकम्प के समय बचाव की तकनीक) का अभ्यास। बच्चों एवं कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा जागरूकता सपथ। राज्य आपदा मोचक बल के द्वारा भूकम्प में फसे हुये व्यक्तियों हेतु राहत व बचाव किया गया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

अवधनामा संवाददाता, बड़नी सिद्धार्थनगर। पोषण भी पढ़ाई भी भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एक पहल है, जो बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए पोषण और शिक्षा दोनों पर जोर देती है। इस कार्यक्रम के तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे बच्चों को खेल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से शिक्षित कर सकें और उनकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं का ध्यान रख सकें।

इसका लक्ष्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप बच्चों को प्रारंभिक बचपन देखभाल और शिक्षा प्रदान करना है, जिसमें कुपोषण प्रबंधन, व्यक्तिगत स्वच्छता और विकास की गिरावनी भी शामिल है। जिसके संबंध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विकास खांड बड़नी सभागार में कार्यशाला आयोजित कर मंगलवार से तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा था। जिसका समापन शुक्रवार को किया गया है।

विधायक ने चौपाल में सुनी लोगों की समस्या, अधिकारियों को निस्तारण का दिया निर्देश



चौपाल लोगों की समस्या सुनते विधायक

अवधनामा संवाददाता

कसया, कुशीनगर। विधायक पीएन पाटक ने शुक्रवार को विधानसभा क्षेत्र के गांव भछही राजा के पंचायत भवन परिसर में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी। ग्रामीणों ने बिजली, सड़क, नाली निर्माण व पानी की टंकी बंद होने से संबंधित समस्याएं रखीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारी को फोन कर समाधान का निर्देश दिया।

दोपहर 3 बजे गांव में लगे चौपाल पहुंचे विधायक ने एक-एक लोगों से बात कर उनकी समस्या प्यूछी। कहा कि

टेट की अनिवार्यता की विरोध में हजारों शिक्षकों का प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के आवाहन पर उत्तर प्रदेश की प्राथमिक शिक्षक संघ देवरिया के नेतृत्व में आज जनपद के सभी विकास खण्डों से भारी संख्या में शिक्षक वी आर सी परिषद देवरिया में एकत्र हुए उसके बाद विशाल जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचकर सरकार के निर्णय के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया।

सभा की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष प्रदेशीय मंत्री राष्ट्रीय कांसलर विजय कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षक समाज के पथ प्रदर्शक होते हैं वर्षों से शिक्षा की सेवा में अपना जीवन व्यतीत कर चुके हैं शिक्षकों से यह कहना कि वह पुनः एक परीक्षा दे, न केवल उनके अनुभव और समर्पण का अपमान है बल्कि यह शिक्षक सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला क दम है। शिक्षा की गुणवत्ता परीक्षा के अंक पत्र से नहीं बल्कि शिक्षक की लगन एवं कार्यशीलता से तय होती है। हमारा सरकार से साफ कहना है कि शिक्षक



अब अपने मान सम्मान से कोई समझौता नहीं करेगा यदि यह आदेश वापस नहीं लिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

मॉडलिक मंत्री अनिल भारती ने कहा यह आदेश शिक्षकों की सेवा सुरक्षा पर उठया गया धब्बा है। जिला मंत्री अवनीश दीक्षित ने कहा कि शिक्षकों की यह लड़ाई उनकेअस्तित्व की लड़ाई है संगठन इस लड़ाई को पूरी ताकत के साथ लड़ेगा और अंतिम विजय तक कदम पीछे नहीं हटाएगा। महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षता अंजलि द्विवेदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि महिला शिक्षकों का भी इस आंदोलन में हिस्सा है।शिक्षक समाज का

सम्मान किसी कीमत पर गिरने नहीं दिया जाएगा हम सरकार से अपील करते हैं कि वह शिक्षकों की पीड़ा को समझें और निर्णय वापस ले जिला उपाध्यक्ष स्वतंत्र तिवारी ने कहा कि शिक्षक के सम्मान स्थाभिमान के साथ कुटुमराघात ना किया जाए और उन्हें स्वतंत्र वातावरण में स्वतंत्र शिक्षण करने दिया जाए अगर ऊपर दबाव बनाया जाएगा तो लड़ाई आर पार की होगी जिला कोषाध्यक्ष संगीता चौरसिया ने कहा शिक्षक जाग चुका है उसकी आवाज दबाना किसी सरकार की बस की बात नहीं है जब तक यह अन्यायपूर्ण नियम वापस नहीं लिया जाता आंदोलन निरंतर जारी रहेगा सभा

के उपरांत शिक्षकों का जुलूस नारों के साथ कलेक्ट पहुंचा जहां माननीय प्रधानमंत्री के लिए शिक्षा मंत्री को संबोधित करते हुए पत्रक जिला अधिकारी महोदय को सौंपा गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉक्टर नवीन गुप्ता उमेश दीक्षित विंध्याचल यादव धर्मेद तिवारी राजेश यादव अवधेश बिहारी पांडे अजय सिंह रुद्र प्रताप अशुतोष पति त्रिपाठी बदरे आलम विवेक मिश्रा सिद्धार्थ तिवारी अरविंद तिवारी, संजय शुक्ला आनन्देश्वर सिंह सत्यवान यादव नागेश मलिक अरविंद कुशवाहा राजेश मिश्रा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

हाटा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर मुख्यमंत्री से मिले विधायक

अवधनामा संवाददाता

हाटा, कुशीनगर। हाटा विधायक मोहन वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके शासकीय आवास पर मुलाकात किया। विधायक मोहन वर्मा ने क्षेत्रीय समस्याओं को मुख्यमंत्री से मुलाकात के दौरान प्रमुखता से रखा तथा पत्र भी सौंपा।

मांगों में हाटा, मझना नाला, पिपराइच के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कराए जाने के संबंध में, ग्राम सभा पट्टन विकास खंड मोतोचक में खेल स्टेडियम के निर्माण के संबंध में, नाथ संप्रदाय के प्राचीन मठ करमहों मंदिर के भव्य पर्यटन विकास के संबंध में, सिकटिया-बनटोलवा घाट (छोटी गडक) नदी पर तथा सवांगीपट्टी-केवलही घाट पर दीर्घ सेतु निर्माण



मुख्यमंत्री से मिलते हाटा विधायक मोहन वर्मा

कराए जाने के संबंध में, विकास खंड सुकरीली में मॉडल थाना स्थापित कराए जाने के संबंध में भेंट के दौरान सर्वोच्च न्यायालय के चलते प्रदेश के शिक्षक बंधुओं के समक्ष उत्पन्न हुई परिस्थितियों पर भी मुख्यमंत्री से बेहद सकारात्मक चर्चा हुई, हम सभी शिक्षक बंधुओं के साथ खड़े हैं। सर्राफा करोबारियों को धारा 411,412 बीएनएस की धारा 317 के तहत अप्राकृतिक रूप से स्वर्ण व्यापारियों-विक्रेताओं की हो रही गिरफ्तारी के विरुद्ध महाराष्ट्र

सरकार के द्वारा हाल ही में नियम में परिवर्तन कर सर्राफा व्यापारियों, विक्रेताओं को संरक्षण दिया गया है। जिसकी चर्चा मैंने मुख्यमंत्री जी से किया। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया महाराष्ट्र सरकार की पहल उत्तर प्रदेश सरकार भी लागू करेगी। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्य नाथ ने विधायक मोहन वर्मा को भरोसा दिलाया कि विकास के लिए धन की कमी नहीं होगी और आपकी मांगों पर सरकार हर संभव पूरा कराने की कोशिश करेगी।

जीएसटी में सुधार सरकार का क्रांतिकारी निर्णय : संतराज

◉ **मोदी के कार्यकाल में हर वर्ग को सहूलियत : डा शलभ मणि**

◉ **कर में सुधार से हर वर्ग को मिलेगा लाभ : भूपेंद्र सिंह**

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत शुक्रवार को जिला पंचायत सभागार में प्रबुद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया। प्रबुद्ध सम्मेलन में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने अपने अपने विचार रखे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला प्रभारी व उत्तर प्रदेश भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष संतराज यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कर सुधार में ऐतिहासिक सुधार लाने का क्रांतिकारी निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत जी एस टी की दरों में ऐतिहासिक कटौती कर देश के आम जनमानस को राहत देने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा रोजमर्रा के उत्पादों पर शुल्क कम करके



लोक कल्याण का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने सनातन संस्कृति के उत्थान के साथ साथ विज्ञान के क्षेत्र में भी भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूत करने का कार्य किया है साथ ही किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाते हुए महिलाओं और नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितंबर से गांधी जयंती तक चलने वाले सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम में सेवा कार्यों से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

सदर विधायक डा शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि ये हमारे लिए गर्व की बात है कि हमें नरेंद्र मोदी जैसे कर्मठ, ऊर्जावान, और राष्ट्र के प्रति

अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर देने वाले प्रधानमंत्री मिले हैं जिन्होंने गरीब, किसान, नौजवान, महिला, दलित, शोषित और वंचितों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में सुधार लाते हुए उनका अधिकार दिलाया साथ ही व्यापारियों और कर्मचारियों को भी सहूलियतें और भयमुक्त वातावरण का कर्म करने का अवसर प्रदान किया।

जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि देश में जब पहली बार जीएसटी लागू किया गया था तब भी केंद्र की भाजपा सरकार ने कर में सुधार लाने का ऐतिहासिक कार्य किया था। भाजपा की सरकार ने फिर एक बार कर सुधार में बदलाव कर जनता को राहत देने का कार्य किया है, यह बदलाव गरीब

एवं आम जनमानस की भावनाओं को समर्पित है। उन्होंने बताया कि सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न मोर्चों द्वारा रक्तदान, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य परीक्षण, वृक्षारोपण, तथा विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान जैसे तमाम कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। सेना के रिटायर्ड सैनिक रामचंद्र मणि त्रिपाठी ने सैन्य सुरक्षा के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों को बताया तथा शिक्षा प्रकोष्ठ के संजय तिवारी ने मोदी के शिक्षा के क्षेत्र में किए कार्यों का उल्लेख किया और अधिवक्ता अमित अग्रवाल ने भी सरकार के कर सुधारों की प्रशंसा करते हुए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया।

महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष आराधना पांडे ने महिलाओं के लिए मोदी द्वारा किए गए उच्छृंखल कार्यों के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद दिया। इस दौरान कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष गिरीश चंद तिवारी, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय कुमार दुबे, किसान नेता मारकंडे तिवारी मारकंडे शाही, पूर्व विधायक रविंद्र प्रताप मल्ल, व्यापारी नेता अखिलेश जायसवाल ने भी संबोधित किया।

दस साल में भी नहीं बढ़ी फलों की खरीद राशि, तीन महीने से स्कूलों को नहीं मिली कन्वर्जन कास्ट

◉ **दूध और फलों के दाम बढ़ने से वित्तीय संकट महसूस कर रहे एम डी एम बनवाने वाले हेमामस्टर और ग्राम प्रधान**

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। परिषदीय विद्यालयों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना की कन्वर्जन कास्ट कभी समय से नहीं आती है। सोमवार को बच्चों को फल दिया जाता है। फलों की खरीद के लिए निर्धारित धनराशि फल वितरण योजना के आरंभ होने से अग्त तक चार रु प्रति छात्र ही है।

पिछले दस सालों के भीतर मध्यान्ह भोजन प्राधिकरण की ओर कन्वर्जन कास्ट तीन बार बढ़ाई जा चुकी है, परंतु फलों की खरीद के लिए धनराशि नहीं बढ़ी। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ ने एक साल पहले कार्यकारिणी की बैठक के माध्यम से सरकार से कन्वर्जन कास्ट और खाद्यान्न का मासिक आवंटन



करने की मांग की थी, परंतु सरकार ने इस पर अभी तक कोई विचार नहीं किया।

परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत कई शिक्षकों ने बताया कि कन्वर्जन कास्ट की धनराशि का भुगतान पिछले तीन महीने से नहीं हुआ है। बारिश के मौसम में फलों के दाम बढ़े हुए हैं, आगे 22सितम्बर से नवरात्र में फलों के दाम और बढ़ने की सम्भावना है।

बच्चों को फल देना मुश्किल हो रहा है। बाजार में फलों के दाम बढ़े हुए हैं। पिछले सप्ताह अच्छी क्वालिटी का केला 60रु दर्जन से नीचे नीचे बिका। एक केले का मूल्य पांच रुपए पड़ रहा है। मिलते वरत रुपए हैं।और फल और महंगे हैं।सेब को बच्चों को काटकर खिलाना सम्भव नहीं है। परिषदीय विद्यालयों में बच्चों को भोजन के साथ फल देने की योजना अखिलेश यादव की सरकार ने लागू

की थी। योगी सरकार दूसरी बार राज्य की सत्ता में है। योगी -2सरकार ने अभी तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। **लोकेटड आंगनबाड़ी केंद्रों के बच्चों के लिए चार महीने से नहीं मिली धनराशि** **अमेठी।** आंगनबाड़ी केंद्रों में पढ़ने वाले बच्चे भी स्कूलों में दोपहर का भोजन करते हैं।बाल वाटिका शुरू होने के बाद इन केंद्रों की गिरावनी स्कूलों के जिम्मे है।इन बच्चों को पका पकाया भोजन देने के निर्देश हैं।भोजन के मद में सरकार की ओर से मिलने वाली धनराशि चार महीने से नहीं आई है। जिला समन्वयक अरुण त्रिपाठी ने कहा किकन्वर्जन कास्ट की धनराशि जिले को प्राप्त नहीं हुई है। शीघ्र जिला की सम्भावना है।

अनेका कार्यक्रम अधिकारी संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि मांग पत्र भेजा गया था। बजट आ गया है। एक दो दिन में धनराशि बैंक खातों में भेज दी जाएगी।

बहराइच, फिरोजाबाद, बांदा, शाहजहांपुर, सुल्तानपुर

यातायात नियमों के प्रति किया गया जागरूक

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी के निदेश पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक संहिता गौतम ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में की, जहां पर उन्होंने अवगत कराया गया कि जनपद के प्रमुख चौराहे पर उप निरीक्षक यातायात को सेक्टर प्रभारी नियुक्त कर यह निर्देशित किया गया है कि वह विशेष अभियान चलाकर नाबालिग वाहन चालकों एवं दो पहिया वाहनों की ट्रिपलिंग एवं भारी वाहनों से यात्रा, नशे में वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर व्हीकल अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करें, अपर जिलाधिकारी ने समस्त डीजल एवं पेट्रोल पंपों के आउटलेट्स पर ‘‘नो हेल्मेट नो फ्यूल’’ संबंधी हॉर्डिंग जिला पुलिस अधिकारी को लगवाने तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम द्वारा प्रचार प्रसार कराए जाने तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी यातायात नियमों



के प्रति जागरूक बनाने हेतु, स्कूल कॉलेज और विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम पर रंगोली प्रतियोगिता आयोजित करने हेतु निर्देशित किया, साथ ही साथ अपर जिलाधिकारी को यह भी अवगत कराया गया कि अगर-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर चालकों द्वारा नशे में बसें के संचालक को रोकने हेतु रात में सुरक्षा अधिकारी एवं सहायक सुरक्षा अधिकारी एवं पेट्रोलिंग पार्टियों द्वारा चेकिंग अभियान निरन्तर चलाया जा रहा है, स्वास्थ्य विभाग द्वारा अपर जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया गया कि सड़क दुर्घटना की स्थिति में बेहतर चिकित्सा सुविधा जनपद में

उपलब्ध कराई जा रही है, एंबुलेंस सेवा 108 के अंतर्गत जनपद फिरोजाबाद में संचालित है, जनपद में कुल 28 एंबुलेंस सेवा वर्तमान में है, जिन्हें एक लाख की आबादी एवं अधिकतम 15 किलोमीटर की दूरी पर मुख्य-मुख्य स्थान पर चिन्हित कर खड़ा किया गया है, जिनका मानक रिसांस टाइम 15 मिन्ट है, जिला चिकित्सालय फिरोजाबाद, जिला संयुक्त चिकित्सालय शिकोहाबाद एवं समस्त ब्लॉक स्तरीय सामुदायिक केंद्रों में 24 घंटे इमरजेंसी सेवाएं दी जा रही है। अंत में अपर जिलाधिकारी ने कहा कि ओवर स्पीड की रोकथाम के लिए अधिक से

अधिक कैमरे लगवाए जाएं तथा प्रवर्तन की कार्यवाही कराई जाए, टोल प्लाज पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम द्वारा आने जाने वाले लोगों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया जाए, ब्रीथ एनेथाइलजर के माध्यम से शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर प्रवर्तन की कार्यवाही की जाए, ‘‘नो हेल्मेट नो फ्यूल’’ के निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जाए, एक्सप्रेसवे एवं नेशनल हाईवे पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराई जाए, एक्सप्रेसवे व नेशनल हाईवे पर अवैध कटों को बंद किया जाए, एक्सप्रेसवे एवं नेशनल हाईवे पर ब्लैक स्मॉट व अवैध कट को दर्शाने हेतु पर्याप्त मात्रा में साइनेज लगाया जाए, साथ ही साथ प्रत्येक 10 किलोमीटर पर एक एंबुलेंस की व्यवस्था की जाए, अपर जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों को सुरक्षित करना हम सब की जिम्मेदारी है, जिसका निर्वहन हम सबका उत्तरदायित्व ढंग से करना होगा।

गूगल सर्च करे कांग्रेस की पोल पट्टी सामने आ

जाएगी : अर्पणा सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश महिला आयोग की उपाध्यक्ष अर्पणा यादव शुक्रवार को सुल्तानपुर पहुंचीं। यहां उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्र विरोधियों की नींद खराब कर दी है। उन्होंने कांग्रेस पर वोट चोरी का आरोप भी लगाया। राहुल गांधी के हाइड्रोजन बम संबंधी बयान पर अर्पणा यादव ने कहा कि वोट चोरी करना एक विषय है और कांग्रेस से ज्यादा वोट चोरी किसने की है। उन्होंने बोफेर्स प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि गूगल सर्च करने पर कांग्रेस की पोल पट्टी सामने आ जाएगी।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने आतंकवाद फैलाने वालों की नींद उड़ा दी है और राष्ट्र विरोधियों की नींद बिल्कुल खराब कर दी है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राहुल गांधी अजीब तरीके से बात करते हैं। हो सकता है कि वे प्रधानमंत्री को तारीफ करने के बजाय इस तरह की बातें कर रहे हों। अर्पणा यादव ने राहुल गांधी के सरकारी एजेंसियों के बारे में अनाप-शनाप बोलने पर आपत्ति जताई।

केएनआईटी में बिना पीएचडी पदोन्नति के मामले में मुख्यमंत्री से शिकायत

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। भारत सरकार के राजपत्र संख्या 182 के विपरीत पीएचडी किए बिना ही कमला नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सुल्तानपुर के व्याख्याताओं की हो रही कैश के अंतर्गत पदोन्नति। बताते चले केएनआईटी में कार्यरत तीन व्याख्याता की पदोन्नति का प्रस्ताव बिना पीएचडी किए ही प्रशासनिक परिषद (बीओजी) की 56 वीं बैठक में रखा गया था जिस पर आपत्ति के बाद गठित कमेटी गठित ने पदोन्नति के प्रस्ताव पर असहमति जताई। 57वीं प्रशासनिक परिषद (बीओजी) की बैठक में पीएचडी किए बिना तीनों व्याख्याताओं की पदोन्नति के प्रस्ताव को पुनः निरस्त कर दिया। सूत्रों का कहना है कि प्रशासनिक परिषद (बीओजी) 60 वीं बैठक में निदेशक, केएनआईटी



ने तथ्यगोपन करते हुए उपरोक्त प्रस्ताव को स्वीकृत कर लिया। केएनआईटी के निदेशक डॉ राजीव कुमार उपाध्याय द्वारा 2018 के शासनदेश के विपरीत आर के सिंह, वाई के सिंह, प्रो समीर श्रीवास्तव आदि को वेतन वृद्धि देने की संसुति की गई है। जबकि ऐसे ही प्रकरण में निदेशक डॉ राजीव कुमार उपाध्याय और कुलसचिव डॉ ए के चौहान के द्वारा जारी पत्र से डॉ अवधेश द्वारा कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 07 वर्ष के भीतर

रखा जाता है। उसके सचिव केएनआईटी के निदेशक होते हैं। जो मेरे ऊपर के स्तर के हैं। क्या सही है क्या गलत इस बात को निदेशक ही बता सकते हैं। उपरोक्त प्रकरणों की पत्रावली पर हमारे द्वारा कार्यवाही की जा रही है। उपरोक्त विषय पर और जानकारी लेने के लिए मीडिया प्रभारी डॉ सौरभ मणि त्रिपाठी से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने बात करने से मना करते हुए कहा गया कि इस प्रकरण पर मुझे बोलने की अनुमति नहीं है। आप डायरेक्टर से बात कर सकते हैं। दोनों प्रकरणों पर उत्तर नहीं दे पाए केएनआईटी के निदेशक, कुलसचिव और मीडिया प्रभारी। इसके डीडीओ एडीएम वित्त होते हैं जिनके हस्तक्षेप से निदेशक द्वारा किए तथ्य गोपन का खुल सकता है राज। इन प्रकरणों की शिकायत जनसुनवाई के माध्यम से मुख्यमंत्री से हुई है।

सदिवध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत

अवधनामा संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। हलियापुर थाना क्षेत्र के कांकर कोला गांव में शुक्रवार सुबह सदिवध परिस्थितियों में एक नव विवाहिता की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अजमेरूल निशा उम्र लगभग बीस वर्ष जिनका मायका कोटवा कोछित जनपद अमेठी है। उसकी शादी बीते जून माह में हलियापुर थाना क्षेत्र के कांकर

कोला निवासी इशतिखार पुत्र इलियास के साथ हुई थी पति इशतिखार भाइयों के साथ दिल्ली में रोजगार करता है घर पर अजमेरूल निशा की ननद हिना व बुजुर्ग सास तथा समु्र इलियास रहते हैं। शुक्रवार सुबह ससुर इलियास दवा लेने के लिए लखनऊ गया था घर पर बुजुर्ग सास व ननद हिना तथा मृतका अजमेरूल निशा थी। इसी बीच किसी पारिवारिक विवाद को लेकर अजमेरूल निशा



सुल्तानपुर (अवधनामा संवाददाता)। 30५0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुल्तानपुर के निदेशानुसार आज से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सुल्तानपुर में 02 दिवसीय प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन अपर जनपद न्यायाधीश प्रथम श्री संतोष कुमार-तृतीय एवं अपर जनपद न्यायाधीश/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुल्तानपुर विजय कुमार गुप्ता ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर चर्चित पैरालीगल वालेंटियरगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में बतौर प्रशिक्षणदाता सिविल जज (प्र0ख0) एफटी0सी0 सुल्तानपुर भव्या श्रीवास्तव, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष आरपी00 शुक्ला, चीफ लीगल एड डिफेंस कार्डिनल तारकेश्वर सिंह एवं जिला प्रवेशन अधिकारी वी0वी0 वर्मा ने पैरालीगल वालेंटियरों को विस्तृत जानकारी दी और प्रशिक्षित किया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य जनसामान्य एवं जरूरतमंदों को त्वरित, सस्ता और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय एवं विधिक सहायता की पहुंच सुनिश्चित हो सके।

श्री नव दुर्गा पूजा समिति की बैठक सम्पन्न

बल्दीराय/सुलतानपुर। बल्दीराय क्षेत्र के रैंचा ग्राम सभा के भवानीगढ बजार मे शुक्रवार को श्री नव दुर्गा पूजा समिति की बैठक हुई जिसमे मां दुर्गा के पंडाल की सजावट और पूजन व्यवस्था सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई।

इस बैठक की अध्यक्षता जय प्रकाश पाण्डेय ने की। बैठक में सभी सदस्यों को अलग अलग व्यवस्था का दायित्व सौंपा गया। बैठक मे समिति के अध्यक्ष सुरेन्द्र मिश्रा, कृष्ण कुमार यादव, उपाध्यक्ष राम प्रकाश पाण्डेय कोषाध्यक्ष शनि पाण्डेय, विपिन पाण्डेय, दिलीप यादव, राजेश कटया, कपिलदेव, सिद्धान्त शेखर, शिशु पाण्डेय, आनन्द मिश्रा, नितिन मिश्रा, मनोज पण्डेय, अमन अग्रहरि, अय्यय, अखिलेश पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर लोकपाल मनरेगा ने जांच में पकड़ा घोटाला

■ सेक्रेटरी, रोजगार सेवक, प्रधान व तकनीकी सहायक से होगी वसूली

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। जनपद में एक शिकायतकर्ता की शिकायत पर जांच के दौरान लोकपाल मनरेगा ने घोटाले का खुलासा करते हुए दुरुपयोग की गई मनरेगा धनराशि वसूली के आदेश जारी किए हैं चूड़ा मामला कटया खुदागंज ब्लॉक से जुड़ा हुआ है जहां की ग्राम पंचायत रामपुर नवदिया में मनरेगा के तहत वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 22-23 में एक ही काम की दो अलग-अलग वर्क -आईडी बनाकर मनरेगा में गड़बड़ी कर फजी भुगतान कराया गया था जिसकी शिकायत शाहजहांपुर लोकपाल मनरेगा अरविंद कुमार को मिली थी जिसकी जांच सहायक विकास अधिकारी पंचायत व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी द्वारा की गई और जांच में फजीवाड़ा सामने आया ग्राम पंचायत रामपुर नवदिया में वर्ष 2021-22 अकबरी जलालपुर

एसपी रामनयन सिंह ने किया प्रयास, जिलों को मिली 11 पुलिस चौकियां की सौगात

■ ग्रामीणों की दूर होगी समस्या,अपराधियों के परस्त होंगे हौसले

अतहर मेहदी

बहराइच (अवधनामा संवाददाता) जनपद में पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह द्वारा जिले में शान्ति सुरक्षा का नूतन व्यवस्था अपराध नियंत्रण तथा जनसुनवाई को अधिक सुगम बनाने हेतु जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में कुछ नवीन पुलिस चौकियाँ स्थापित कराई गयी हैं।

इन पुलिस चौकियों की स्थापना से ग्रामीण क्षेत्र की आम जनता को अपनी फरियाद लेकर थानों से पुलिस कार्यालय तक जाने में होने वाली असुविधाओं का सामना नहीं करना



पड़ंगा इसके अलावा थानों में चौकी स्तर पर पुलिस बल की तैनाती से क्षेत्र में गश्त व निगरानी व्यवस्था और अधिक प्रभावी होगी। साथ ही स्थानीय जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण भी सुनिश्चित हो सकेगा। पुलिस चौकी पर प्रभारी अधिकारी सहित पर्याप्त पुलिस बल की नियुक्ति की गई है। चौकी की

स्थापना से आस-पास के नागरिकों को थाना स्तर तक जाने की आवश्यकता कम होगी और आमजन को त्वरित न्याय व सहायता प्राप्त होगी। इस नवीन चौकियों में पुलिस चौकी चहलारी घाट, पुलिस चौकी रमपुरवा, पुलिस चौकी मेटुका, पुलिस चौकी खैरा बाजार, पुलिस चौकी इमामगंज, पुलिस चौकी चौराहा, पुलिस चौकी शंकरपुर, पुलिस चौकी जंगलीनाथ मन्दिर, पुलिस चौकी रायबोड़ा, पुलिस चौकी गायघाट, पुलिस चौकी कांरीकोट आदि पुलिस चौकियाँ की सौगात जनपदवासियों को मिली है जिसको लेकर आमजन उत्तर प्रदेश सरकार और पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह और उनकी टीम द्वारा किए गए इस जनहित के कार्य की सराहना कर रहे हैं।

ग्राम प्रधान सेक्रेटरी की सफाई भी नहीं आई काम

पूरी जांच के दौरान जब जांच अधिकारी और लोकपाल मनरेगा ने संबंधित ग्राम पंचायत सचिव और ग्राम प्रधान को स्पष्टीकरण देने का मौका दिया तो ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव ने स्पष्टीकरण में बताया कि दोनों चक मार्ग बनवाए गए थे जो बाढ़ के दौरान क्षतिग्रस्त हो गए जिससे लोगों को आवागमन में दिखते हो रही थी इसलिए दोबारा इन चक मार्गों पर कार्य कराया गया लेकिन जांच में इसकी पुष्टि नहीं हो सकी और ग्राम प्रधान पंचायत सचिव की सफाई काम नहीं आई मनरेगा लोकपाल का तर्क था कि कोई भी कार्य अगर किसी विशेष परिस्थितियों में दोबारा कराया जाता है तो उसके लिए उच्च अधिकारियों से अनुमति लेना आवश्यक है जो नहीं ली गई थी और जांच के दौरान बाढ़ से चक मार्ग क्षतिग्रस्त होने की पुष्टि भी नहीं हुई।

मनरेगा भ्रष्टाचार के मामले में ग्राम प्रधान और सचिव पर हो मुकदमा दर्ज शिकायतकर्ता वहीं दूसरी तरफ इस मामले में शिकायतकर्ता रमेश कनौजिया ने कहा कि इस तरह के भ्रष्टाचार के मामले में संबंधित पंचायत सचिव रोजगार सेवक और तकनीकी सहायक पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए सिर्फ रिकवरी से भ्रष्टाचार ठकने वाला नहीं है शिकायतकर्ता ने कहा इस तरह के भ्रष्टाचार करने वाले कर्मचारियों पर मुकदमे दर्ज नहीं होते हैं इसीलिए लगातार भ्रष्टाचार बढ़ता चला जा रहा है और ओर पकड़े जाने पर कर्मचारी रिकवरी के लिए हर समय तैयार रहते हैं और भ्रष्टाचार पर रोक नहीं लग पाती।

पाराशरी, तकनीकी सहायक अक्कीश कुमार, ग्राम प्रधान उदैत से मनरेगा धनराशि फर्जी भुगतान की धनराशि 260499.00 (दो लाख साठ हजार चार सौ रुपए रिकवरी के आदेश दिए हैं इस दौरान ग्राम प्रधान ने बताया कि इस भुगतान के दौरान कोई रोजगार सेवक नहीं था और यह कार्य पंचायत सचिव और प्रधान द्वारा कराया गया है।

विद्यार्थी विज्ञान मंथन के पोस्टर का हुआ विमोचन



अवधनामा संवाददाता

शिकोहाबाद। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद एनसीईआरटी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक संस्थान और राष्ट्रीय परिषद के तत्वाधान में आयोजित होने वाली विद्यार्थी विज्ञान मंथन परीक्षा की कार्यशाला जवाहर ज्योति अनुज पब्लिक स्कूल, सिरसागंज में राज्य मीडिया समन्वयक, ब्रज प्रान्त अध्वनी कुमार जैन एवं प्रबंधक संजय शर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। विद्यार्थी विज्ञान मंथन, वीवीएम के राज्य मीडिया समन्वयक, ब्रज प्रान्त अध्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस परीक्षा के प्रथम चरण की परीक्षा कक्षा 6 एवं 7 की 28/31 अक्टूबर 2025, कक्षा 8 एवं 9 की परीक्षा 29 अक्टूबर- 01 नवम्बर 2025, कक्षा 11 एवं 12 की परीक्षा 30 अक्टूबर-02 नवम्बर 2025 है एवं परीक्षा का तरीका ऑनलाइन है। परीक्षा का समय सुबह 10:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक 90 मिनट का होगा। छात्र केवल एक बार ही लॉग इन

कर सकेंगे। इसके परिणाम की घोषणा 7 नवंबर, 2025 एवं द्वितीय चरण का निर्णय 27 नवम्बर 2025 को होगी। इस परीक्षा का शुल्क व्यक्तिगत रूप से या स्कूल के माध्यम से पंजीकरण कराने वाले छात्रों को दो सौ रुपये का शुल्क देना होगा। राज्य स्तरीय शिविर में प्रत्येक राज्य के प्रत्येक क्षेत्र के शीर्ष 25 रैंकर्स को एक या दो दिवसीय राज्य स्तरीय शिविर में भाग लेने के लिए पहचाना जाएगा। शिविर राज्य समन्वयक, ब्रज प्रान्त अध्वनी कुमार जैन एवं प्रबंधक संजय शर्मा के संयोजन में सम्पन्न हुई। विद्यार्थी विज्ञान मंथन, वीवीएम के राज्य मीडिया समन्वयक, ब्रज प्रान्त अध्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस परीक्षा के प्रथम चरण की परीक्षा कक्षा 6 एवं 7 की 28/31 अक्टूबर 2025, कक्षा 8 एवं 9 की परीक्षा 29 अक्टूबर- 01 नवम्बर 2025, कक्षा 11 एवं 12 की परीक्षा 30 अक्टूबर-02 नवम्बर 2025 है एवं परीक्षा का तरीका ऑनलाइन है। परीक्षा का समय सुबह 10:00 बजे से शाम 06:00 बजे तक 90 मिनट का होगा। छात्र केवल एक बार ही लॉग इन

न्यायालय सूचना

मा.सिविल जज जू.डि. 2nd ,शहर सहारनपुर। मूलवाद न.476 सन 2020 पंचाव एंड सिंध बैंक (हेड ऑफिस)21, राजिंद्रा पैलेस,न्यू दिल्ली का शाखा ऑफिस,सिविल लाइन एरिया, सहारनपुर द्वारा शाखा प्रबंधक (प्रार्थी) आनूस. ... 1..अरविंद शर्मा पुत्र श्री हरपूल सिंह 2..श्रीमति ऊषा पत्नी श्री अरविंद शर्मा दोनों नि.सरिता विहार, विनय नगर,पैपर मिल रोड, सहारनपुर (विपक्षी) हराहाद वादी ने आपके नाम एक नालिश बावत के दायर की है लिलाजु आपको हुक्म होता है कि आप असालतन या वकालतन दि.3/10/2025 को दस बजे दिन मे न्यायालय में हाजिर हो कर जवाब देही दावा करें उसी रोज़ जुमला गवाह ,शहादत और सभी दस्तावेज जो अपनी ताईद में प्रस्तुत कर चाहे पेश करें ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय सुना जाएगा और अवधारित किया जाएगा। मेरे द्वारा दि.19/9/ 25 को जारी किया गया।

आज्ञा से मुंसरिम सिविल जज (जू.डि.) 2 nd सहारनपुर।

सोनभद्र, हमीरपुर, इटावा

अवधनामा

रेनुसागर में रामलीला मंचन 22 सितम्बर से

अनपरा/सोनभद्र। हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह के मार्गदर्शन में रामलीला समिति रेनुसागर के तत्वावधान में इस वर्ष भी आयोजन किया जा रहा है। आयोजन को लेकर तैयारियाँ जोरों-शोर से चल रही हैं। समिति के सदस्यों, कलाकारों द्वारा लगातार रिहर्सल और आयोजन स्थल की सजावट में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

उक्त आशय की जानकारी देते हुये रामलीला समिति रेनुसागर के अध्यक्ष नविंद्र पाठक ने बताया कि रामलीला में पारंपरिक झाँकियों के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों का भी समावेश किया जाएगा, जिससे दर्शकों को एक अनूठ अनुभव मिलेगा। उन्होंने बताया कि रामलीला का शुभारंभ 22 सितंबर को रावण द्वारा शिव स्तुति,शिव-सती संवाद दशरथ-श्रवण प्रसंग से होगा और समापन 3 अक्टूबर को मर्यादा पुरुषोत्तम राम को राजगद्दी एवं भरत मलिाप के साथ किया जाएगा।वही कोषाध्यक्ष श्याम वियाला के नेतृत्व में रामलीला मंचन में विभिन्न प्रसंगों के अभिनय के लिए रेनुसागर के 110 कलाकारों अपनी-अपनी प्रस्तुति देंगे।

शारदीय नवरात्रि को लेकर बिहार थाने में पीस कमेटी की बैठक



अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। आगामी शारदीय नवरात्रि के महेनजर, हमीरपुर पुलिस अशोधक के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी मौदहा ने आज थाना बिचार में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की।। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य त्योहारों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न करना था। बैठक में विभिन्न समुदायों के धर्मगुरु, प्रमुख समाजसेवी और सभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे। अधिकारियों ने त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा और CCTV कैमरों से निगरानी की जाएगी।

पीस कमेटी के सदस्यों ने अपने-अपने समुदायों में शांति और भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाहों से बचने की सलाह दी और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत पुलिस को देने का अनुरोध किया। सभी उपस्थित लोगों ने पुलिस और प्रशासन के साथ मिलकर त्योहारों को सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने का संकल्प लिया।

हमीरपुर में ज्वार, बाजरा और धान की खरीद 1 अक्टूबर से होगी शुरू

ऑनलाइन पंजीकरण जरूरी

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के तहत सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर किसानों से सीधे अनाज खरीदा जाएगा। इसके लिए 1 अक्टूबर, 2025 से 31 दिसंबर, 2025 तक ज्वार और बाजरा की खरीद होगी, जबकि 1 नवंबर, 2025 से 28 फरवरी, 2026 तक धान की खरीद की जाएगी। किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए खाद्य विभाग के पोर्टल www.fcs.up.gov.in पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा।

क्या हैं न्यूनतम समर्थन मूल्य- ज्वार: हाइब्रिड ज्वार के लिए 3699 प्रति क्विंटल और मालदांडी ज्वार के लिए 3749 प्रति क्विंटल। **बाजरा:** 2775 प्रति क्विंटल। **धान:** कॉमन धान के लिए 2369 प्रति क्विंटल और ग्रेड-ए धान के लिए 2389 प्रति



क्विंटल। **पंजीकरण कैसे करें:** किसान अपने मोबाइल, जन सुविधा केंद्र या साइबर कैफे के माध्यम से पंजीकरण करा सकते हैं। पंजीकरण के लिए आधार नंबर और मोबाइल पर आने वाले OTP का उपयोग होगा। इसलिए, सुनिश्चित करें कि आप अपना वर्तमान मोबाइल नंबर ही दर्ज करें। बैंक खाता और आधार: भुगतान सीधे आधार से लिंक बैंक खाते में क्लरू के माध्यम से किया जाएगा। इसलिए, आधार कार्ड, बैंक खाते और मोबाइल नंबर में दर्ज नाम और वर्तनी (स्पेलिंग) एक जैसी होनी चाहिए। परिवार का सदस्य: यदि किसान खुद खरीद केंद्र पर नहीं जा

जेल में बंदी की हत्या पर अधिवक्ताओं और ब्रह्म समाज का आक्रोश
मौदहा, हमीरपुर (अवधनामा संवाददाता) मौदहा जिला कारागार में बंदी अनिल द्विवेदी की हत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है, जिससे क्षेत्र में तनाव और आक्रोश का माहौल है। इस घटना के बाद, ब्रह्म समाज और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने हत्या के आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। ब्रह्म संस्कार एवं कल्याण समिति ने इस मामले पर कड़ा रख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि यदि सभी आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करके फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा नहीं चलाया गया और उन्हें कड़ी सजा नहीं दी गई, तो समिति एक बड़ा आंदोलन शुरू करेगी। समिति के सदस्यों ने उपजिलाधिकारी को राज्यपाल के नाम एक ज्ञापन सौंपा है, जिसमें उन्होंने इस जघन्य अपराध में शामिल सभी अपराधियों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। यह घटना समाज में व्याप्त असंतोष और न्याय की आवश्यकता को दर्शाती है, और सामाजिक संगठन न्याय सुनिश्चित करने के लिए दबाव बना रहे हैं।

आगामी त्योहारों को लेकर जलालपुर थाने में पीस कमेटी की बैठक संपन्न
हमीरपुर (अवधनामा संवाददाता) आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से आज थाना जलालपुर में एक पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया।। यह बैठक उपजिलाधिकारी (SDM) बलराम गुप्ता की अध्यक्षता में हुई, जिसमें क्षेत्राधिकारी राजकुमार पांडेय भी मौजूद थे। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया, जिसमें ग्राम प्रधान, सभ्रांत नागरिक और विशेष समुदाय के लोग शामिल थे। सभी ने मिलकर यह सुनिश्चित करने पर सहमति जताई कि त्योहारों के दौरान किसी भी तरह की अशांति न फैले।अधिकारियों ने सभी से अपील की कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी अप्रिय घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें। इस तरह की बैठकों का उद्देश्य समाज में सौहार्द बनाए रखना और आपसी सहयोग से समस्याओं का समाधान करना है।



सोनभद्र/अवधनामा ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को नगर के रामलीला मैदान परिसर में सदर विधायक भूपेश चौबे ने कार्यक्रमताओं के साथ स्वच्छता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने समूचे परिसर में झाड़ू लगाकर साफ-सफाई किया।सदर विधायक भूपेश चौबे ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री मोदी समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणा स्रोत हैं, उनके नेतृत्व में देश ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। उनके जन्मदिन सप्ताह पखवाड़ा में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नगर स्थित रामलीला मैदान परिसर में होने वाले रामलीला के महेनजर स्वच्छता अभियान चलाया गया। परिसर के सुंदरीकरण पर चर्चा की गई। कहा कि रामचरित मानस से लोगों में नई ऊर्जा का संचार होता है और हमारे भारतीय संस्कृति के तहत परंपरा पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही है। बाद विधायक ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मुकेश कुमार को ग्राउंड परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने को निर्देशित किया। इस मौके पर कृष्ण मुरारी गुप्ता , प्रकाश केशरी, बलराम सोनी, ध्वकतल द्विवेदी, राजन गुप्ता, अनूप तिवारी आदि मौजूद रहे।।

रक्तदान महादान: हिंडालको ब्लड सेंटर में रोटरी क्लब रेणुकूट ने कराया रक्तदान
सोनभद्र/ रेणुकूट (अवधनामा संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के आह्वान पर सम्पूर्ण प्रदेश के ब्लड बैंकों में 17 सितम्बर को रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में हिण्डालको ब्लड सेंटर में आयोजित शिविर में रोटरी क्लब रेणुकूट ने सक्रिय सहभागिता निभाई। शिविर में बड़ी संख्या में स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। रोटरी क्लब द्वारा सभी रक्तदाताओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई तथा रक्तदाताओं का पंजीकरण भी किया गया, ताकि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके।इस अवसर को सफल बनाने में हिण्डालको ब्लड सेंटर के अयान रॉय और सलाउद्दीन शाहिद के साथ रोटरी क्लब रेनुकूट के रं. मनीष सिंह, रो. हेमंत लोढा रो. योग्य रूथला, रो. विशाल कश्यप सहित अन्य रोटरी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

लगातार बारिश ने किसानों के अरमानों पर फेरा धानी मौदहा हमीरपुर। लौटते मानसून के कारण पिछले चार दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने किसानों की उम्मीदों पर धानी फेर दिया है। इस साल समय पर आए मानसून से अच्छी फसल की उम्मीद थी, लेकिन लगातार बारिश के कारण किसान खेतों की जुताई और बुआई नहीं कर पाए। अब सितंबर के तीसरे सप्ताह में हो रही बारिश से बुआई और भी पिछड़ रही है।किसानों को यह भी चिंता है कि फरवरी के अंत तक पड़ने वाली तेज गर्मी से फसलें समय से पहले पक सकती हैं, जिससे दाना हल्का हो जाएगा, और पैदावार प्रभावित होगी।

विद्यालय पर गिरी आकाशीय बिजली, दो बच्चों समेत तीन की मौत

घटना स्थल पर जांच-पड़ताल करते अधिकारी

हादसे में गंभीर रूप से झुलसीं दो बच्चियों का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

चोपन थाना क्षेत्र के कोटा गांव की घटना, सहमे जनपदवासी

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र/ब्यूरो। चोपन थाना क्षेत्र के कोटा गांव स्थित एक प्राइवेट विद्यालय परिसर में शुक्रवार को तेज गरज-चमक के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आकर दो स्कूली बच्चों सहित तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में गंभीर रूप से झुलसीं दो छात्राओं को उपचार के लिए चोपन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के अनुसार चोपन के कोटा गांव स्थित ब्रह्मदेव पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को बच्चे पढ़ाई कर रहे थे। दोपहर में हल्की बारिश के

ई-कचरा प्रबंधन एवं लॉबि
मामलों के निस्तारण पर जोर
सोनभद्र/सिंगरौली।संगरौली स्थित कोल इंडिया की अनुपंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में भारत सरकार के निर्देशानुसार स्पेशल कैम्पेन 5.0 के प्रारंभिक चरण (प्रिपैरटरी फेज) का आयोजन किया जा रहा है। एनसीएल द्वारागत 15 सितम्बर, 2025 को इस अभियान के प्रारंभिक चरण की औपचारिक शुरुआत की गयी है जो 30 सितंबर तक चलेगा। कंपनी की सभी परियोजनाएं एवं इकाइयों में 2 अक्टूबर से 31 अक्टूबर, 2025 तक स्पेशल कैम्पेन 5.0 के कार्यान्वयन चरण का आयोजन किया जाएगा। स्पेशल कैम्पेन 5.0 के प्रारंभिक चरण के दौरान एनसीएल मुख्यालय सहित सभी परियोजनाओं और इकाइयों में व्यापक तैयारियों की जा रही है। इस दौरान साफ-सफाई के लिए विशेष स्थलों पर चिन्हित करना, स्क्रेप प्रबंधन व पुरानी फासलों के निस्तारीकरण, ई-कचरा प्रबंधन, स्पेस व रिकार्ड मैनेजमेंट, वेस्ट टू वूल्व जैसी गतिविधियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। बेसिक शिक्षा परिषद के तत्वावधान में वि0ख0महेवा की ब्लॉक स्तरीय दो दिवसीय खो-खो प्रतियोगिता खण्ड शिक्षा अधिकारी, उदय सिंह राज के निर्देश पर पी0एम0श्री कर्मोर्जित विद्यालय धर्मपुरा के परिसर में आयोजित की गई। प्रतियोगिता का शुभारम्भ बच्चों से हाथ मिलाकर मुख्यअतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ समाज सेवी डॉ0 हरीशंकर पटेल राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अपना दल(एस)विशिष्ट अतिथि पिन्टू सिंह राजपूत, प्रधान धर्मपुरा तथा नरोत्तम सिंह एसएमसी अध्यक्ष के द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के उपरान्त सभी अतिथिगणों के स्वागत/सम्मान के साथ प्रतियोगिता आरम्भ की गई, जिसमें विकास खण्ड के विभिन्न संकुलों की टीमों ने प्रतिभाग किया। खिलाड़ियों का परिचय मुख्य अतिथियों एवं अशोक राजपूत इ0प्र0अ0/जिलाध्यक्ष, उत्तर



पहाड़ी इलाकों में तड़ित चालक यंत्र लगाने की मांग
आकाशीय बिजली से प्राइवेट विद्यालय के दो बच्चों के साथ ही तीन लोगों की हुई मौत की घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया जिला अस्पताल के पीएम हाउस कार्यकर्ताओं के साथ पहुंचे सपा के पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने मृतकों के परिजनों का द्वादस बधाया। इस दौरान उन्होंने जिला प्रशासन से पहाड़ी क्षेत्रों में तड़ित चालक यंत्र लगवाने की मांग किया। कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों में अक्सर बारिश के मौसम में आकाशीय बिजली से लोगों की मौत की घटनाएं सामने आती रहती हैं। पूर्व में जिला प्रशासन से कई बार उक्त क्षेत्रों में तड़ित चालक यंत्र लगवाने की मांग की जा चुकी है, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया।

साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से छत्र दीपक उम्र 8 वर्ष पुत्र स्व. शिवकुमार निवासी सोनारदंडी, अरविंद उम्र 13 वर्ष निवासी तेलगुडवा के साथ ही सर्वजीत उम्र 60 वर्ष की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे में गंभीर रूप से झुलसीं सोनमति उम्र 18 वर्ष पुत्री

शिवलाल व रेखा उम्र 15 वर्ष पुत्री पंचम निवासीगण तेलगुडवा को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चोपन से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उपर घटना की जानकारी होते ही मृतक बच्चों के परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर ओबरा एसडीएम के

एनटीपीसी सिंगरौली में समारोह के दूसरे दिन ‘किस्सा दुलारी बाई का’ भव्य मंचन



अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/शक्तिनगर। समूहन कला संस्थान की दो नाट्य प्रस्तुतियों का समारोह एनटीपीसी सिंगरौली द्वारा हिन्दी पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित हुई, जिसके दूसरे दिन मनी मधुकर की रचना 'किस्सा दुलारी बाई का' नाट्य प्रस्तुति का सफल मंचन निर्देशक राजी मिश्रा के निदेशन में हुआ। इस अवसर पर एनटीपीसी सिंगरौली के कार्यकारी निदेशक एवं परियोजना प्रमुख संदीप नायक ने अपने संबोधन में समूहन कला संस्थान के नाटक को अत्यंत प्रभावशाली एवं प्रासंगिक बताया और कहा कि, ईमानदारी और सत्यनिष्ठा को निरूपित करते इस नाटक का

जनसामान्य पर अत्यंत गहरा प्रभाव पड़ेगा एवं आम जनमानस मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए प्रेरित होगा। परियोजना प्रमुख का सभाध्यक्ष वनिता समाज प्रज्ञा नायक एवं गणमान्य अधिकारीगण पीयूष श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (रसायन), सी एच किशोर कुमार, महाप्रबंधक (अनुसंधान), रश्मिरंजन मोहंती, महाप्रबंधक (परियोजना) ने नाटक का आनंद लिया। डॉ0 ओमप्रकाश, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-राजभाषा) ने कुशल संचालन करते हुए आगत अतिथियों के प्रति अभिनन्दन ज्ञापित किया। 'किस्सा दुलारी बाई का' एक व्यंग्यपूर्ण लोकनाट्य है, जिसकी कथा गाँव की अत्यधिक कंजूस और

लालची स्त्री दुलारी बाई के इर्द-गिर्द घूमती है।। दुलारी बाई के लिए धन और सोने की लालसा ही जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य है। इसी स्वभाव के कारण वह विवाह से भी दूर रहती है, क्योंकि विवाह के बाद उसकी संपत्ति पर पति का अधिकार हो जाएगा। कथा में कल्लू भांड नामक एक बहुरूपाया का प्रवेश होता हैह कभी साधु तो कभी राजा का रूप धारकर दुलारी बाई को छत्रावे में फँसाता है। साधु बनकर वह उसे समझता है कि उसके जीवन की सारी कठिनाइयाँ और दुखों का कारण उसके पुराने जूते हैं। यदि वह उन जूतों से छुटकारा पा ले, तभी उसके जीवन में सुख और विवाह का मार्ग प्रशस्त होगा।आखिरकार कथा में मोड़ तब आता है जब दुलारी बाई से कल्लू भांड राजा का वेष धर धोखे से विवाह कर लेता है तो दुलारी दुख से रोने लगती है। ईश्वर उसे रोता देख प्रकट हो एक वरदान माँगने का अवसर देते हैं।

संदिग्ध हालत में मिली महिला का इलाज जारी
अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर, कुरारा। कुरारा थाना क्षेत्र के उमराहट गांव के मजरा भेदन डेरा में यमुना नदी के किनारे एक ग्रामीण को निर्वस्त्र हालत में एक महिला मिली। ग्रामीणों की मदद से उसे बाहर निकालकर सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

महिला की पहचान इटावा निवासी शैलेश कुमारी (55) पत्नी दिलीप गोस्वामी के रूप में हुई है। होश में आने पर उसने बताया कि उसका पति शराबी है और उससे नाराज होकर वह 17 सितंबर को अपने मायके उई आ गई थी। गुरुवार शाम को उसने कालपी में पुल से यमुना नदी में छलांग लगा दी थी ताकि अपनी जान दे सके। बहकर वह भेदन डेरा पहुंच गई, जहां ग्रामीणों ने उसे बचाया। पुलिस ने उसके पति को सूचना दी है।

जो भी फॉर्म भरे जाएंगे उसमें आधार कार्ड एवं अन्य प्रूफ लगाए जाएंगे: डीएम

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। अर्हता तिथि 01.11. 2025 के आधार पर उत्तर प्रदेश विधान परिषद आगरा खंड शिक्षक/स्नातक निर्वाचक नामावलिओं के पुनरीक्षण कार्यक्रम एवं मतदेय स्थलों के निर्धारण के संबंध में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों एवं शिक्षक बल के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि जो भी फॉर्म भरे जाएंगे उसमें आधार कार्ड एवं अन्य प्रूफ लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान वाली तिथियों का प्रचार प्रसार कराया जाए एवं शिक्षक द्वारा भागीदारी अवश्य की जाएगी।

संक्षिप्त सभाचार राम जनम ने प्रशिक्षणार्थियों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के विषय में जानकारी दी



इटावा (अवधनामा ब्यूरो)। विकास खण्ड महेवा के ब्लॉक संसाधन केंद्र बकेवर पर चल रहे बुनियादी भाषा और गणित के गतिमान प्रशिक्षण में स्टेट रिसोर्स ग्रुप के सदस्य राम जनम सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के विषय में जानकारी देते हुए कहा कि इंडियन नॉलेज सिस्टम (भारतीय ज्ञान प्रणाली आईकेएस) भारत की प्राचीन ज्ञान, विज्ञान और जीवन दर्शन की एक समग्र प्रणाली है, जो वेदों, उपनिषदों और अन्य शास्त्रीय ग्रंथों पर आधारित है। यह ज्ञान हस्तांतरण की एक व्यवस्थित विधि है, जिसमें शिक्षा, कला, स्वास्थ्य, गणित, खगोल विज्ञान और अन्य क्षेत्रों का समावेश है।। भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP- 2020) इस परंपरा को आधुनिक शिक्षा में एकीकृत करने पर जोर देती है ताकि छात्रों को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से जोड़ा जा सके। संस्था प्रथम की जिला समन्वयक शिवानी सिंह ने कक्षा 4 और 5 की भाषा और गणित की योजना तथा आकलन के टूलस बताए। इस अवसर पर उपेंद्र कुमार, चंद्रकांत त्रिपाठी , राजबीर सिंह, पूजा चौधरी, शैलेन्द्र कुमार, अविनाश पंचोरी, कुंवर पाल, प्रशांत शुक्ला, जयवीर आदि उपस्थित रहे।

छोटे-छोटे बच्चों ने सुंदर व मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया



इटावा (अवधनामा ब्यूरो)। प्राथमिक विद्यालय बिचपुरी खेड़ा में चहक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चहक कार्यक्रम आंगनवाड़ी व कक्षा एक के बच्चों से संबंधित होता है इसमें छोटे-छोटे बच्चों ने सुंदर और मनमोहक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ खंड शिक्षा अधिकारी गिरीश कुमार ने दीपक प्रज्वलन के साथ किया।। कार्यक्रम में एसआरजी सजीव चतुर्वेदी और मीनाक्षी पांडे में उपस्थित रही। कार्यक्रम में निपुण बच्चों व शत- प्रतिशत उपस्थिति वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया तथा बाल चाटिका के बच्चों को स्टेशनरी वितरण किया। अंत में विद्यालय की प्रधान अध्यापिका श्वेता चंदेल ने सभी का आभार प्रस्तुत किया और स्वस्वाहारा के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

सर्वजन सुखाय पार्टी की मोटरसाइकिल रैली निकाली गई



इटावा (अवधनामा ब्यूरो)। सर्वजन सुखाय पार्टी की विधानसभा द्वारा मोटरसाइकिल रैली निकाली गई, जिसका शुभारंभ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रसाद यादव के द्वारा झंडी दिखाकर किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री यादव ने संबोधित करते हुए कहा हमारी पार्टी प्रत्येक विधानसभा में पार्टी के प्रचार प्रसार के लिए मोटरसाइकिल रैली निकालेगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेगी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रैली में आए हुए सभी का अभिवादन करते हुए हाँसेला अफजाई की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष जितेंद्र यादव, प्रमुख महासचिव रामदास यादव, प्रदेश महासचिव अभिलाख यादव, प्रदेश सचिव सुशील यादव, प्रदेश सचिव राजा यादव, प्रदेश सचिव अजय रावैर, कानपुर मंडल अध्यक्ष दिनेश यादव, इटावा जिला अध्यक्ष विनय यादव, कानपुर मंडल महासचिव मनोज यादव आदि पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यूरोलॉजिकल कैंसर के रोगियों के लिए यूपीयूएमएस में यूरो-ऑन्कोलॉजी क्लिनिक का शुभारंभ

सैफई, इटावा (अवधनामा ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज (PUMS), सैफई में शुक्रवार को यूरो-ऑन्कोलॉजी क्लिनिक का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर अजय सिंह ने किया। उन्होंने इस अवसर उन्होंने कहा कि यह विशेष क्लिनिक गुर्दे, मूत्राशय, प्रोस्टेट, अंडकोष एवं लिंग के कैंसर जैसे गंभीर यूरोलॉजिकल कैंसर से पीड़ित मरीजों के लिए उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी। क्लिनिक का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि कैंसर की शीघ्र पहचान, समग्र देखभाल, परामर्श और जन-जागरूकता को भी बढ़ावा देना है। यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ एम ए खान ने कहा कि आधुनिक उपकरणों और अनुभवी विशेषज्ञों की टीम से सुसज्जित यह क्लिनिक आसपास के क्षेत्र के लिए यूरो-ऑन्कोलॉजी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी। इस नई सुविधा के साथ सैफई एवं आसपास के जिलों के रोगियों को अब कैंसर उपचार के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा और उन्हें एक ही स्थान पर विश्वस्तरीय चिकित्सा सेवाएँ उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ आदेश कुमार, चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ एसपी सिंह यूरोलॉजी विभाग के सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

जो भी फॉर्म भरे जाएंगे उसमें आधार कार्ड एवं अन्य प्रूफ लगाए जाएंगे: डीएम



जाए। मतदान केंद्र पर व्यावहारिक रूप से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार उल्लेखित प्रक्रिया एवं दिशा निर्देश के अनुसार तैयार कराई जाएगी आवेदकों के आधार नंबर का रखरखाव करते समय आधार वित्तीय और अन्य प्रसुविधाओं लाभ और सेवाओं का लक्षित परिदान अधिनियम 2016 की धारा 37 के प्रावधानों का पालन किया जाना चाहिए। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी अभिनव रंजन श्रीवास्तव, शिवाकांत चौधरी महामंत्री बीजेपी, परल्लव दुबे कांग्रेस पार्टी, उदयभान सिंह यादव समाजवादी पार्टी, राकेश कुमार बीएसपी जिला महासचिव, इकरार अहमद आम आदमी पार्टी, आशुतोष दीक्षित राष्ट्रीय कांग्रेस, नगर मजिस्ट्रेट राजेंद्र बहादुर, समस्त उप जिलाधिकारी सहित समस्त राजनीतिक दल आदि उपस्थित रहे।

सरकार और मीडिया लोकतंत्र के सहयात्री : केशव मोर्य

■ लोकतन्त्र को मजबूत करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने कहा कि सरकार और मीडिया लोकतंत्र के सहयात्री हैं। लोकतन्त्र को मजबूत करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सरकार और जनता के बीच संवाद को सार्थक और सकारात्मक बनाने में मीडिया का योगदान अनूना है। मीडिया बन्धु अपनी ऊर्जा और सामर्थ्य का उपयोग भारत को और मजबूत, जागरूक और आत्मनिर्भर बनाने में करें। विकसित भारत व विकसित उत्तर प्रदेश बनाने तथा आत्मनिर्भर भारत बनाने में मीडिया की भूमिका सर्वोपरि रहे।। केशव प्रसाद मोर्य शुक्रवार को राजस्थान पत्रिका के संस्थापक कपूर चन्द्र कुलिश के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय मे आयोजित राजस्थान पत्रिका की-नोट



भारतीय लोकतन्त्र मे मीडिया की भूमिका: अवसर और चुनौतियां विषय पर आयोजित सेमिनार को सम्बोधित कर रहे थे।

इससे पहले कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष सतीश महाना व उप मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना सहित सभी अतिथियों का भव्य व शानदार स्वागत किया गया।अपने ओजस्वी, प्रेरक व सारागर्भित उद्बोधन मे मोर्य ने

कहा कि प्रत्येक भारतीय के रोम-रोम मे लोकतंत्र रचा बसा है। उन्होंने भारतीय लोकतन्त्र की खुबियों और लोकतन्त्र को मजबूत बनाये रखने के लिए भारतीय जनमानस के प्रति सम्मान का भाव प्रकट करते हुये कहा कि जब-जब देश के सामने चुनौतियां आयीं, समाज के सभी स्तम्भो, पत्रकारो व मीडिया संस्थानो द्वारा भरपूर सहयोग दिया गया। लोकतंत्र की गरिमा, महिमा व महत्व को हर व्यक्ति समझता है। आपातकाल के दौरान भी मीडिया अपनी भूमिका

गौसंरक्षण से लेकर किसान-तक, हर वर्ग की चिंता को प्राथमिकता दे रहे हैं उप मुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री, केशव प्रसाद मोर्य शुक्रवार को पीलीभीत पहुंचे। राज्यमंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें, संजय सिंह गंगवार, एमएलसी डॉ. सुधीर गुप्ता, जिलाध्यक्ष सजीव प्रताप सिंह, विधायकगणों, अन्य जनप्रतिनिधियों, जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। उन्होंने 13 मील ग्राम बकेनिया पूरनपुर पहुंचकर साक्षी फाउण्डेशन गुरु आशीष आश्रम में स्वामी प्रेम सुगन्ध महाराज की से भेंट की। तदोपरान्त गांधी सभागार पहुंचकर जनपद स्तरीय समस्त विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में उप मुख्यमंत्री द्वारा पशुपालन, स्वास्थ्य विभाग, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई, कृषि, वन, शिक्षा, राजस्व, सेतु निगम सहित अन्य विभागों की समीक्षा की गई। उन्होंने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से गौ आश्रय स्थलों की जानकारी प्राप्त करते हुये विशेष अभियान चलाकर निराश्रित गोवंशों को गोशालाओं में संरक्षित करने के निर्देश दिये। उन्होंने गोशालाओं में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था दुरुस्त कराये जाने के निर्देश दिये।

निभाने मे डिग्रा नही, बल्कि समाज को जागृत व संवेदित करने मे हमेशा अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने हेतु सरकारी प्रयासो की जानकारी देते हुये स्वदेशी वस्तुओं के अपनाने पर बल दिया। उन्होंने सेवा पखवाड़ा व विकसित भारत विकसित

उत्तर प्रदेश के बारे मे भी महत्वपूर्ण विचार प्रकट किये।

इस अवसर पर राजस्थान पत्रिका के समूह सम्पादक गुलाब कोठारी, लखनऊ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो० मनुका खन्ना, समाजसेवी रेणुका टण्डन सहित अन्य गणमान्य लोग, मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के शिक्षकों के लिए फैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा

■ मदरसा टीचर्स एसोसिएशन मदरस-ए-अरबिया के शिक्षकों ने जताया आभार

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों को बड़ा तोहफा देते हुए कैशलेस चिकित्सा सुविधा की घोषणा की। इस घोषणा के बाद सभी शिक्षक, विशेषकर मदरसों के शिक्षक एवं कर्मचारी, बेहद उत्साहित और प्रसन्न नज़र आ रहे हैं।

इस सुविधा के अंतर्गत सहायता प्राप्त (एड्डेड) मदरसों, प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ-साथ समाज कल्याण एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के अंतर्गत कार्यरत शिक्षक और कर्मचारी भी लाभान्वित होंगे। इस संबंध में



माध्यमिक शिक्षा परिषद और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। गौरतलब है कि शिक्षकों की विभिन्न संगठन लंबे समय से इस मांग को सरकार के सामने रखते आए थे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में शिक्षकों के समूह के नेता एवं एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने भी कई बार यह मुद्दा सदन में उठाया था।

शिक्षक दिवस पर इस विशेष घोषणा के बाद मदरसा शिक्षकों और

कर्मचारियों में विशेष खुशी और संतोष का माहौल है। इस अवसर पर अरमान अहमद खान (पूर्व सदस्य, उत्तर प्रदेश मदरसा एजुकेशन बोर्ड एवं जिला मंत्री, टीचर्स एसोसिएशन मदरस-ए-अरबिया, आजमगढ़) ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और एमएलसी ध्रुव कुमार त्रिपाठी को धन्य से आभार व्यक्त करते हुए कहा मुख्यमंत्री ने कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराकर न केवल शिक्षकों की लंबे समय से चली आ रही उचित मांग को पूरा किया है, बल्कि उनके मुद्दों के प्रति अपनी संवेदनशीलता और गंभीरता का प्रमाण भी दिया है। यह घोषणा इस बात का स्पष्ट संकेत है कि सरकार शिक्षकों की गरिमा और सुविधाओं में बढ़ोतरी के लिए ठोस कदम उठा रही है। इससे निश्चित रूप से प्रदेश के लाखों शिक्षकों और कर्मचारियों को राहत मिलेगी।

दीवार काटकर लाखों के जेवर-नकद ले उड़े चोर

■ चोरों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाया और घर में घुसकर चोरी को अंजाम दिया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ मलिहाबाद। महमूद नगर में चोरों ने दीवार में संध लगाकर एक घर में घुसकर लाखों के गहनों और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। यह घटना बृहस्पतिवार की रात की है, जब सुशील कुमार नाम के व्यक्ति के घर में चोर घुस आए।

पीड़ित सुशील कुमार के मुताबिक चोरों ने घर की दीवार में संध लगाकर अंदर प्रवेश किया। घर से 2 जोड़ी झुमकी, 2 मंगलपुत्र, 3 जोड़ी पायल, 1 अंगूठी, 1 टीका, 1 नथनी, 1 गुच्छ, 4 नाक की कीलें और 1 जोड़ी पाजेब चुरा ले गए। इन गहनों के साथ-साथ चोर 1,80,000 रुपए की नकदी भी ले गए। इस चोरी से परिवार को करीब लाखों का नुकसान हुआ



है।

परिवार को सुबह उठने पर चोरी का पता चला, जिसके बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचित किया। पीड़ित परिवार ने इस संबंध में मलिहाबाद थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना की जांच शुरू कर दी है और चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है। पुलिस का कहना है कि वे इस मामले में गहनता से कार्रवाई कर रहे हैं और अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

वन विभाग की ग्रीन चौपाल में किसानों की समस्या का समाधान



अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तहत अवध वन प्रभाग ने एक नई पहल करते हुए ग्रीन चौपाल की शुरुआत की है। इस पहल के अंतर्गत, अब हर महीने के तीसरे शुक्रवार को ग्राम पंचायत स्तर पर वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहेंगे ताकि वे किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर सकें।

दुबंगा रेंज की रेंजर सोनम दीक्षित ने बताया कि यह ग्रीन चौपाल थाना दिवस और तहसील दिवस की तरह

ही काम करेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य लोगों को वन विभाग से जुड़ी योजनाओं और समस्याओं के समाधान के लिए एक सीधा मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि अवसर किसानों को अपनी बागों के जीर्णोद्धार, वन्य जीवों से फसलों को होने वाले नुकसान या फिर भवन निर्माण में बाधक बन रहे पेड़ों को हटाने जैसी समस्याओं के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। अब इस समस्याओं को तुरंत सुना और हल किया जाएगा।

इस शुक्रवार को दुबंगा रेंज के भटखरेगा गांव में आयोजित पहली

■ आम की बागों के जीर्णोद्धार और वन्य जीवों से जुड़ी समस्याओं पर मिलेगा तुरंत हल

ग्रीन चौपाल में बड़ी संख्या में किसान और ग्रामीण पहुंचे। ग्राम प्रधान कांति देवी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से भी जोड़ा गया। चौपाल में बंसीगढ़ी बीट के वन दयोगा आशीष वर्मा और अन्य वनकर्मी भी मौजूद रहे, जिन्होंने ग्रामीणों के सवालों के जवाब दिए और उनकी समस्याओं को नोट किया। वन विभाग का मानना ​​है कि इस पहल से न केवल किसानों को राहत मिलेगी, बल्कि सरकार की योजनाओं को भी लोगों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी, जिससे पर्यावरण संरक्षण और ग्रामीण विकास दोनों को बढ़ावा मिलेगा। यह कदम वन विभाग और स्थानीय समुदाय के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने में भी सहायक होगा।



भारत ए और ऑस्ट्रेलिया ए टीमों के बीच खेले जा रहे दो अनऑफिशियल टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में बल्लेबाजों का दबदबा साफ नजर आया। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेले जा रहे इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ए ने पहली 150 रन की पारी खेलकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार प्राप्त किया। दोनों टीमों के बीच आगला टेस्ट मैच 23 सितंबर से खेला जाएगा

ने शानदार शतक जड़ दिया। उन्होंने बेहद संयम और सटीकता के साथ बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को थका डाला। अपने शतक तक पहुंचने के लिए पंडितकल ने 198 गेंदों का सामना किया और 9 चौके लगाए, खास बात यह रही कि उन्होंने अपनी पारी में 64 रन विकेटों के बीच दौड़कर जुटाए, देवदत्त पंडितकल ने अपने 150 रन 281 गेंद में 14 चौके और एक छक्का लगाकर बनाये। 531 रन बनाकर जब 7 विकेट हुए थे और हफ्तें दुबे 16 रन बनाकर और प्रसिद्ध कृष्णा नॉट आउट थे, तब बारिश आ गई और मैच रोक दिया गया। भारत जब ऑस्ट्रेलिया के 532 रन से एक रन दूर था और उसी स्कोर को पार करने के लिए दो रन चाहिए थे, यह लगभग तय हो गया है था कि चौथे दिन यह मैच हफ्तें हफ्तें हो गया। भारत ने जोरदार जवाब के साथ इस मुकाबले में अपनी मौजूदगी बनाए रखी थी।

स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025: मानव श्रृंखला का निर्माण



अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025 के अंतर्गत ख्वाजा मुईनुद्दीन चिरती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज मानव श्रृंखला निर्माण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को प्रोत्साहित करना था। यह आयोजन कुलपति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में तथा विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष डॉ. नलिनी मिश्रा के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, कुलानुशासक डॉ. नीरज शुक्ला सहित अनेक शिक्षकगण और विश्वविद्यालय

परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा स्वच्छता केवल एक शारीरिक आवश्यकता नहीं, बल्कि यह हमारी मानसिकता और सामाजिक जिम्मेदारी का दर्पण है। समाज को स्वच्छ बनाए रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। डॉ. नलिनी मिश्रा ने कहा स्वच्छता ही सेवा अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन है। इसमें हम सभी की सक्रिय भागीदारी समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। कुलसचिव डॉ. महेश कुमार ने इसे विश्वविद्यालय की सामाजिक जिम्मेदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि यह अभियान निश्चित रूप से समाज में जागरूकता और परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगा।

आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर मस्जिदों में विशेष दुआएं

■ खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा संविधान देता है धार्मिक आजादी की गारंटी

■ वक्फ सम्पत्तियों की सुरक्षा व सुप्रीम कोर्ट मुकदमे की सफलता हेतु अदा की गयीं दुआएं

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की अपील पर शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान मस्जिदों में यौम-ए-दुआ का आयोजन किया गया। यौम-ए-दुआ में वक्फ सम्पत्तियों की सुरक्षा और वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में चल रहे मुकदमे की कामयाबी की दुआ की गयी। ऐशबाग इंदगाह स्थित जामा मस्जिद में इमाम इंदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने जुमे की नमाज से पहले खुतबे में नमाजियों को



सम्बोधित करते हुए कहा कि रसूले इस्लाम, उनके साथियों और दूसरे मुसलमानों ने अपनी जमीनें और सम्पत्तियां खुदा के नाम पर वक्फ की थीं। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि देश का संविधान हमें धार्मिक आजादी की गारंटी देता है, जो अनुच्छेद 25 और 26 में दर्ज हैं। यह अनुच्छेद धार्मिक संस्थानों, इबादतगहों को संचालित करने का अधिकार देते हैं। आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने संयुक्त संसदीय समिति को विस्तृत ज्ञापन सौंपा था, जिसमें बताया गया

कि संशोधन अधिनियम की कई धाराएं संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16 और 25 के खिलाफ हैं। उन्होंने कहा कि मामला फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है और हाल ही में आए अंतरिम आदेश में कुछ राहत मिली है। मौलाना ने उम्मीद जताई कि अंतिम फैसले में देश की सर्वोच्च अदालत मुस्लिम समुदाय के साथ पूरा इंसाफ करेगी। जुमे की नमाज के बाद प्रदेश सहित देश भर की मस्जिदों में इस मुकदमे की सफलता के लिए विशेष दुआएं की गयीं।

सुप्रीम कोर्ट का अंतरिम फैसला संतोषजनक नहीं : कल्बे जव्वाद

तत्क संशोधन कानून वापस हो, मजलिस उलमा-ए-हिन्द महासचिव कल्बे जव्वाद ने तत्क कानून की पूर्ण वापसी की माँग की

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। मजलिस उलमा-ए-हिन्द के महासचिव इमामे जुमा मौलाना कल्बे जव्वाद नकवी ने वक्फ संशोधन अधिनियम पर उच्चतम न्यायालय के अंतरिम फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि फैसला संतोषजनक नहीं है। सरकार ने न्यायाधीशों को डराने-धमकाने और उन पर राजनीतिक दबाव डालने का पूरा प्रयास किया, जिसका असर अंतरिम फैसले पर साफ दिखता है। जब सरकार के मंत्री उच्चतम न्यायालय और मुख्य न्यायाधीश के काम-काज पर सवाल उठाते हैं और उन्हें धमकते हैं तो चिंता बढ़ जाती है। यही वजह है कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने वक्फ कानून पर कोई फैसला नहीं दिया। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने वक्फ बाई यूजर पर कोई फैसला नहीं दिया, जबकि मुसलमानों

■ कल्बे जव्वाद का आरोप- सरकार व न्यायपालिका पर राजनीतिक दबाव, वक्फ सम्पत्तियाँ खतरे में ■ हुसैनबाद ट्रस्ट पर आरोप कल्बे जव्वाद ने अवैध कब्जों की कड़ी निंदा की ■ वक्फ कानून के खिलाफ न्यायिक आंदोलन का एलान संभव

का सबसे बड़ा ऐतराज इसे खत्म करने पर था। अदालत ने जिन तीन धाराओं पर अंतरिम रोक लगाई है वह संतोषजनक हैं लेकिन लड़ाई अभी बकी है। मौलाना ने कहा कि हमारा साफ कहना है कि पूरा कानून वापस होना चाहिए। एक-दो धाराएं हटाने या उनमें संशोधन से कुछ नहीं होने वाला। आखिर मुसलमान 200-400 साल पुराने वक्फ दस्तावेज कहाँ से लाएँगे। अदालत ने सेंट्रल



वक्फ काउंसिल और राज्य वक्फ बोर्डों में गए मुस्लिमों के शामिल होने का रास्ता भी खोल दिया। क्या अदालतें और सरकार राम मंदिर ट्रस्ट में मुसलमानों को सदस्यता दे सकती हैं। क्या अन्य धर्मों के ट्रस्टों और धार्मिक सम्पत्तियों में मुसलमानों को सदस्य बनाया जा सकता है। यह कानून मुस्लिम वक्फ सम्पत्तियों को हड़पने के इरादे से लाया गया है। इसलिए इसे पूरी तरह वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो इमारतें पुरातत्व विभाग के तहत हैं वे सब सरकार के कब्जे में चली जाएंगी। इस कानून के खिलाफ पूरी

ताकत से आंदोलन चलाना जरूरी है नहीं तो वक्फ सम्पत्तियों का अस्तित्व खत्म हो जाएगा। मौलाना ने हुसैनबाद ट्रस्ट में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा अवैध कब्जों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की सम्पत्तियों पर लगातार हो रहे कब्जों से सरकार की मंशा साफ झलकती है। ट्रस्ट की पूरी सम्पत्ति पर सरकार का कब्जा है, जिसकी आय का कोई हिसाब-किताब नहीं है। फूल मण्डी के सामने हुसैनबाद की जमीन को सड़क में मिला दिया गया और वहां जो बोर्ड ट्रस्ट की मिल्कियत दर्शाता था उसे तोड़ कर नाले में डाल दिया गया। फूल मण्डी से घण्टाघर की ओर जाने वाली पूरी सड़क वक्फ हुसैनबाद की है, लेकिन उस पर भी कब्जा कर लिया गया है। जिलाधिकारी ने वक्फ हुसैनबाद ट्रस्ट को निजी ट्रस्ट बता कर कहा कि निजी ट्रस्ट सूचना का अधिकार के दायरे में नहीं आते।

अजय राय ने की ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग

■ ऑनलाइन गेमिंग से युवाओं की आत्महत्याएं चिंता का विषय : अजय राय

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शुक्रवार को ऑनलाइन गेम में पैसे हारने के बाद आत्महत्या करने वाले यश यादव के परिजनों से मुलाकात की। राय ने मोहनलालगंज के धनुवासगा गांव पहुंच यश यादव के पिता सुरेश यादव और परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस मौके पर राय ने पत्रकारों से कहा कि रोजगार के अभाव और जल्दी धन कमाने की लालासा में देश का युवा ऑनलाइन गेमिंग के जरिए धनोपार्जन के लालच में डूब रहा है। राय ने सरकार से तत्काल प्रभाव से ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। राय ने कहा कि लगातार गेम खेलने से पढ़ने-लिखने वाले युवाओं का ध्यान पढ़ाई से हटता



जा रहा है। अधिक धन हार जाने के कारण युवा तनाव और डिप्रेशन जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं नतीजे में आत्महत्या तक कर ले रहे हैं। कुछ दिन पहले ही गोमती नगर के छोटा भरवारा निवासी रबीन्द्र प्रताप सिंह के पुत्र सिद्धार्थ प्रताप सिंह ने भी ऑनलाइन गेमिंग के जाल में फंस कर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग पर सरकार अपनी नियमावली स्पष्ट नहीं कर रही है और न ही सख्त नियम बना रही है। इसकी वजह है कि सत्ताधारी पार्टी और उससे जुड़े लोग ही ऑनलाइन गेमिंग के व्यापार में संलिप्त हैं।

भिवाड़ी में 12वें इंडिया इंस्टिट्यूटल फेयर का उद्घाटन

आरडीएसओ की वेंडर मीट रही आकर्षण का केंद्र, भारतीय रेल में वेंडर बेस विस्तार पर जोर

■ भिवाड़ी में 19 से 21 सितम्बर तक इंडिया इंस्टिट्यूटल फेयर, प्रदर्शनी और बायर-सेलर मीट का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। 12वां इंडिया इंस्टिट्यूल फेयर का उद्घाटन 19.09.2025 को भिवाड़ी, राजस्थान में माननीय अजय तनेजा, भूपेंद्र कुमार यादव द्वारा किया गया। यह फेयर देश के प्रमुख मंचों में से एक माना जाता है, जो औद्योगिक विकास, नवाचार और व्यावसायिक अवसरों को प्रदर्शित करने के लिए जाना जाता है। इसमें उद्योगों, उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और सरकारी एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। एक प्रमुख आकर्षण आरडीएसओ की वेंडर मीट में भागीदारी रही, जिसका उद्देश्य भारतीय रेल में वेंडर बेस का विस्तार करना था। इस अवसर पर अतुल



सक्सेना, ईडी/स्टोर्स, आरडीएसओ ने भारतीय रेल में वेंडर अफ़्फ़वल प्रक्रिया पर प्रस्तुति दी। उन्होंने आरडीएसओ की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिसमें भारतीय रेल में उपयोग होने वाली महत्वपूर्ण एवं सुरक्षा-संबंधी सामग्रियों का अनुसंधान, डिजाइन और मानकीकरण शामिल है। उन्होंने एमएसएमडी को प्रोत्साहित करने वाली प्रोबोरोमेंट नीतियों की जानकारी दी और आईआईपीएस पर यूनिफाइड वेंडर अफ़्फ़वल मॉड्यूल (यूवीएम) का परिचय कराया, जो पारदर्शी एवं एकसमान पंजीकरण की सुविधा

प्रदान करता है। साथ ही उन्होंने वेंडर पंजीकरण प्रक्रिया को भी विस्तार से समझाया। इंडिया इंस्टिट्यूल फेयर (19 से 21 सितंबर 2025) अब एक प्लेगिफ़ाई मंच के रूप में विकसित हो चुका है, जो एमएसएमई, स्टार्टअप और उद्योगों के लिए नेटवर्किंग, सहयोग और विकास को बढ़ावा देता है। भिवाड़ी में आयोजित इसका 12वां संस्करण प्रदर्शनी, बायर-सेलर मीट और नॉलेज सेशंस का केंद्र है, जो राजस्थान की एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में भूमिका को और सशक्त बनाता है।